हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 14 जून 2026

सीएम आज केसली से देंगे लाड़लियों को राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 14 जून को सागर जिले के केसली ब्लॉक में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना की 37 वीं किस्त लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगें। इसमें एक करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में 1835 करोड़ रुपए अंतरित किए जाएंगे।

बता दें इस योजना के अंतर्गत हर महीने लाभार्थियों को भुगतान किया जाता है। प्रदेश की 1.25 करोड़ महिलाओं के खाते में पैसा ट्रांसफर होगा। इस स्कीम के तहत महिला को मध्य प्रदेश का स्थायी निवासी होना चाहिए। इसमें विवाहिता हो, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी शामिल होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस मुख्यालय में आईजी कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

बिल में छिपे किसी भी सपोले को पकड़ने में समर्थ है हमारी पुलिस

सीएम ने की गृह विभाग की तारीफ

हरिभूमि न्यूज ⏭भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य है। पीड़ित व्यक्तियों के साथ विनम्र व्यवहार, उनके हितों की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने पुलिस की ओर से पकड़े गए आतंकियों के सहयोगी को लेकर कहा कि हमारी पुलिस बिल में छिपे ऐसे किसी भी सपोले को पकड़ने में समर्थ है।

सीएम को गार्ड ऑफ ऑनर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित आईजी कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बोल ⏩शेष पेज 4 पर

सीएम ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए

किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है मप्र पुलिस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव संबोधित करते हुए

» ***मप्र पुलिस ने ढाई साल के कार्यकाल में हासिल कीं कई ऐतिहासिक उपलब्धियां***

» ***भोजशाला से संबंधित न्यायालय के निर्णय को लागू कराने में पुलिस की रही अहम भूमिका***

पुलिस विभाग में 22 हजार पदों पर भर्ती की जा चुकी: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भारत सरकार के नए आपराधिक कानूनों को लागू करते हुए और सभी जरूरी संसाधन जुटाते हुए पुलिस भर्ती प्रक्रिया को जारी रख रही है। अब तक पुलिस विभाग में 22 हजार ⏩शेष पेज 4 पर

संभाग स्तर पर भी समीक्षा बैठकें होंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईजी स्तर के बाद संभाग स्तर पर समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। वे स्वयं इन बैठकों में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का संतोष है कि पुलिस ने हमारी ढाई साल की सरकार में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। एक तरफ सालों पुरानी नक्सलवाद की परेशानी थी। उन्होंने कहा कि हमारे मंडला, बालाघाट, डिंडोरी सहित कई जगहों पर नक्सलवाद की वजह से विकास अवरुद्ध था। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, नशामुक्ति, मानव तस्करी पर नियंत्रण, महिला और बच्चों की सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में न्यायालयों की ओर से दिए गए निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। डॉ. यादव ने नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के लिए जागरूकता, संवाद और सामुदायिक भागीदारी अत्यंत जरूरी है।

पीएम मोदी फ्रांस-स्लोवाकिया दौरे पर

'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में शामिल होंगे, मैक्रों रहेंगे मौजूद

⏩ 17 जून को जी-7 समिट के दौरान पीएम मोदी ट्रंप से करेंगे मुलाकात

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के नीस पहुंच गए हैं। पीएम के पहुंचते ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया गया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 13 जून को नीस पहुंचे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच आज यानी 14 जून को नीस में द्विपक्षीय बैठक होगी। दोनों नेता यहां भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का मिलकर शुभारंभ भी करेंगे। भारत और फ्रांस इस वर्ष 'भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष' मना रहे हैं और यह कार्यक्रम नवाचार, स्टार्टअप और ⏩शेष पेज 4 पर

स्लोवाकिया की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा

फ्रांस में कार्यक्रमों के बाद प्रधानमंत्री मोदी 14 से 16 जून तक स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा करेंगे। यह यात्रा स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के निमंत्रण पर हो रही है। वर्ष 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा होगी। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की ⏩शेष पेज 4 पर

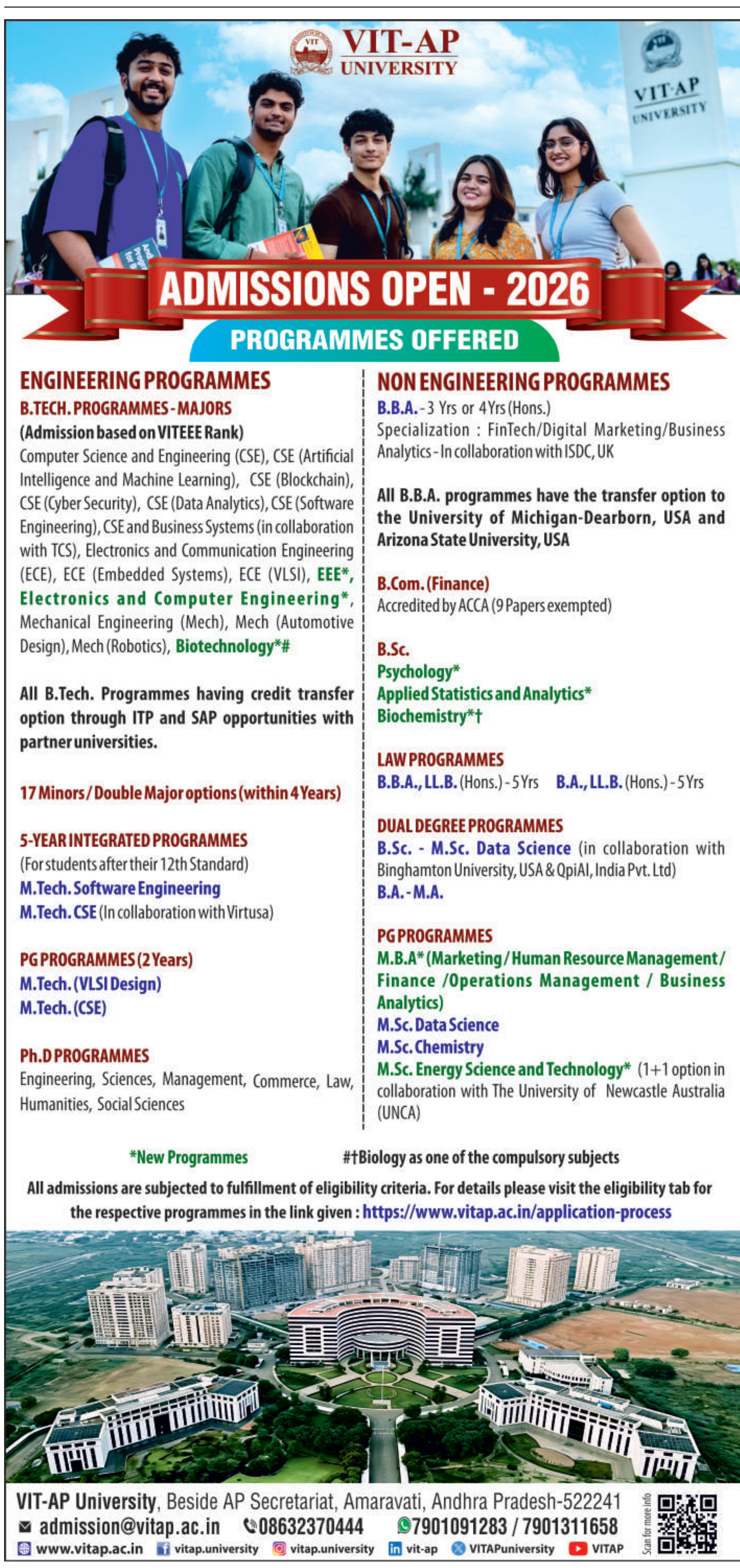

प्रदेश में अधिकारियों कर्मचारियों के तबादलों का कल आखिरी दिन

भोपाल। प्रदेश में शासकीय कर्मचारियों के तबादलों की अंतिम तिथि सोमवार 15 जून है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा स्पष्ट किया गया है कि तबादला प्रक्रिया की सीमा और नहीं बढ़ाई जाएगी। सभी विभागों को 15 जून तक अनिवार्य रूप से स्थानांतरण संबंधी कार्रवाई पूरी करनी होगी। बता दें, स्थानांतरण पूरी तरह से ई-ऑफिस और डिजिटल नोटशीट के माध्यम से ऑनलाइन किए जा रहे हैं। जिले के भीतर तबादले प्रभारी मंत्री की मंजूरी और जिले के बाहर के तबादलों के लिए विभागीय मंत्री की स्वीकृति अनिवार्य की गई है। स्थानांतरण आदेश जारी होने के 10 दिन के भीतर कर्मचारियों को नए पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य है। इसके अलावा प्रथम श्रेणी (क्लास-1) अधिकारियों के तबादले मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद ही किए जा रहे हैं।

■ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया अवधि बढ़ाने से इंकार

थाने के बाहर प्रेमी की पत्नी पर ब्लेड से हमला

उज्जैन। पंवासा थाना क्षेत्र में एक युवती द्वारा अपने प्रेमी की पत्नी पर ब्लेड से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके गले में 12 टांके आए हैं। विवाद के दौरान 18 महीने की बच्ची को भी धक्का लगने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना अवैध संबंधों को लेकर चल रहे विवाद का परिणाम बताई जा रही है। बजरंग नगर निवासी शुभम प्रजापत की पत्नी पर उसकी कथित प्रेमिका द्वारा थाने के बाहर ब्लेड से हमला करने का आरोप लगा है।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

असम में 5 जवान बलिदान

स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया

जोरहाट एयरबेस पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हुआ था 'एएन-32 मालवाहक'

- हादसा उस समय हुआ जब आपूर्ति सामग्री ले जा रहा यह मालवाहक विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था, तभी आग लग गई
- वायु सेना के मुताबिक इस दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' (जांच समिति) बनाई जा रही है

एजेंसी ▸▸ गुवाहाटी

असम के जोरहाट में एयरबेस पर लैंडिंग के समय वायुसेना के एएन-32 कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में पांच जवान बलिदान हो गए हैं। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब आपूर्ति सामग्री ले जा रहा यह मालवाहक विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था। वायुसेना की तरफ से जवानों के ▸▸ शेष पेज 4 पर

प्रशांत सिंह

जितेंद्र शर्मा

खेमाराम कुमावत

दानिश आलम

शुभम कुमार

पहले भी हो चुका है दुर्घटना का शिकार

- 2019: अरुणाचल प्रदेश के मेचुका जाते समय लापता हो गया था। बाद में उसका मलबा पहाड़ों में मिला और उसमें सवार सभी 13 लोगों की मौत हो गई थी।
- 2016 : चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जा रहा एक विमान बंगाल की खाड़ी के ऊपर लापता हो गया था, जिसमें 29 लोग सवार थे। कई वर्षों तक तलाश के बाद भी विमान का पता नहीं चला और सभी को मृत मान लिया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया शोक

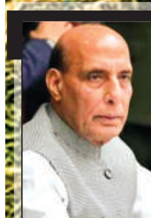
राजनाथ सिंह

देश उनके साहस-सेवा को हमेशा गर्व व कृतज्ञता से याद करेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शोक जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके साथ खड़ा है।

खबर संक्षेप

विमान पर गिरी बिजली सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। श्रीलंका से सिडनी जा रही जा रहे विमान पर आकाशीय बिजली गिर गई।

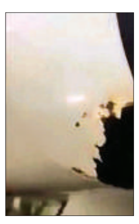

गनीमत रही विमान में सवार 207 यात्री और 16 क्रू मेंबर सभी सुरक्षित रहे। कोलंबो से टेकऑफ के कुछ वक्त बाद फ्लाइट पर आसमानी बिजली गिरी। घटना के दौरान यात्रियों को जोरदार ब्लास्ट जैसी आवाज सुनाई दी। फ्लाइट के एक इंजन से थोड़ी देर के लिए चिंगारियां निकलती भी नजर आईं, जिससे फ्लाइट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जबलपुर में हरियाणा के कार सवार जिंदा जले

जबलपुर। शनिवार शाम तेज रफ्तार डंपर ने स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। डंपर स्कॉर्पियो को करीब

500 मीटर तक घसीटता ले गया, जिससे उसमें आग लग गई। स्कॉर्पियो सवार 2 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। हादसा जबलपुर से करीब 30 किमी दूर बरेला में हुआ। एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया- मृतकों की पहचान भिवानी जिले के बौंद कलां निवासी परवीन शर्मा और खेड़ी बूरा गांव निवासी मोनू शर्मा के रूप में की गई है। दोनों युवक रायपुर गए थे।

साइबर फ्रॉड की राशि से खरीद लिए सोने के सिक्के

ग्वालियर। सर्राफा व्यापारी साइबर अपराधियों की चालाकी का शिकार हो गया। एक शातिर

ठग जय वर्मा ने दुकान से दो तोले सोने के सिक्के खरीदे और उसका भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से सीधे व्यापारी के खाते में कर दिया। लेकिन ट्विस्ट तब आया जब अगले ही दिन बैंक ने व्यापारी का खाता सीज कर दिया। जांच में पता चला कि ठग ने भुगतान के लिए जिस राशि का इस्तेमाल किया था।

भारत की अध्यक्षता में 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन'

60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित करीब 100 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, कई महत्वपूर्ण विषयों पर किया गया मंथन

वैश्विक कृषि सहयोग का नया रोडमैप तैयार खाद्य सुरक्षा व डिजिटल कृषि से 'नई दिशा'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ इंदौर

सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए 'इंदौर डिक्लेरेशन' का मूल केंद्र किसान। यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि ब्रिक्स देशों की सामूहिक इच्छाशक्ति और जिम्मेदारी का प्रतीक

भारत की अध्यक्षता में इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों की कृषि मंत्रिस्तरीय और अधिकारी स्तरीय बैठकों का समापन सर्वसम्मत 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन' के साथ हुआ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के दौर में यह घोषणा-पत्र खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, जलवायु-अनुकूल खेती, कृषि व्यापार और डिजिटल कृषि के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को नई दिशा देगा।

चौहान ने बताया कि मंत्री स्तरीय और अधिकारी स्तरीय दोनों बैठकें सफलतापूर्वक संपन्न हुईं, जिनमें सदस्य और सहयोगी देशों के लगभग 60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित करीब 100 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, वैश्विक कृषि भूमि का करीब 42% हिस्सा इनके पास है और विश्व खाद्यान्न उत्पादन में भी इनका योगदान लगभग 42% है। ऐसे में इन ▸▸ शेष पेज 4 पर

ब्रिक्स देशों की सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन

प्रतिनिधियों के साथ लिया गया सामूहिक चित्र

ब्रिक्स देशों की ताकत

- दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व
- वैश्विक कृषि भूमि का करीब 42% हिस्सा इनके पास
- विश्व खाद्यान्न उत्पादन में भी इनका योगदान लगभग 42%

खाद्य सुरक्षा, व्यापार और जलवायु पर रहा फोकस

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बैठकों में चार प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, जिनमें खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, कृषि व्यापार और सहयोग, जलवायु परिवर्तन के बीच सतत एवं रीजेनेरेटिव खेती तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीक को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने कहा कि किसान, विशेषकर छोटे और ▸▸ शेष पेज 4 पर

प्राकृतिक खेती के लिए बनेगा उत्कृष्टता केंद्रों का नेटवर्क

ब्रिक्स देशों ने 'ब्रिक्स नेटवर्क ऑफ सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस ऑन एग्रो-इकोलॉजी एंड रीजेनेरेटिव एग्रीकल्चर' स्थापित करने पर सहमति जताई है। इसके माध्यम से प्राकृतिक, जैविक और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों पर संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण और अनुभव साझा किए जाएंगे। भारत की ओर से मोदीपुरम स्थित भारतीय कृषि प्रणाली ▸▸ शेष पेज 4 पर

किसानों के बीज अधिकारों की सुरक्षा के लिए बनेगा वैश्विक मंच

ब्रिक्स देशों ने 'ग्लोबल फोरम ऑन फार्मर्स राइट्स इन सीड सिस्टम्स' स्थापित करने पर भी सहमति बनाई। इसका उद्देश्य देशी बीजों की विविधता, पारंपरिक ज्ञान और किसानों के बीज संबंधी अधिकारों की रक्षा करना है। चौहान ने कहा कि आधुनिक बीजों के साथ-साथ पारंपरिक बीजों का संरक्षण भी खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता के लिए आवश्यक है। 'ब्रिक्स एग्रीएन' नामक नई ▸▸ शेष पेज 4 पर

सैन्य करियर लगभग चार दशकों तक फैला हुआ

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अब नए सेना प्रमुख

- वर्तमान चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल द्विवेदी की जगह लेंगे
- भारतीय सेना की युद्धक क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया

धीरज सेठ

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ देश के अगले सेना प्रमुख होंगे। वे वर्तमान चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल द्विवेदी की जगह लेंगे। जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून 2026 से पद से सेवानिवृत्त होंगे, इसके बाद जनरल सेठ सेना प्रमुख का पद संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन मिला था। उनका सैन्य कॅरियर लगभग चार दशकों तक फैला हुआ है। उन्होंने परिचालन, रणनीतिक और क्षमता विकास सहित कई क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त ▸▸ शेष पेज 4 पर

विभिन्न कमांड में अनुभव

उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में भी कार्य किया। इस दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य गतिविधियों की देखरेख की। साथ ही कई औपचारिक जिम्मेदारियां भी निभाईं। सेना कमांडर के पद पर पदोन्नत होने के बाद उन्होंने दक्षिण ▸▸ शेष पेज 4 पर

आधुनिकीकरण में योगदान

सेठ को सेना के आधुनिकीकरण में उनके योगदान के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। उन्होंने सेना मुख्यालय में रणनीतिक योजना और क्षमता विकास में महत्वपूर्ण नियुक्तियां संभाली हैं। उन्होंने आधुनिकीकरण की दिशा और क्षमता रोडमैप को आकार दिया है। एक कुशल सैन्य पेशेवर के तौर पर धीरज सेठ ने सैन्य शिक्षा में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों ▸▸ शेष पेज 4 पर

शवों का मजाक बनाया था

लेडी डॉक्टर पर एक्शन जबरन छुट्टी पर भेजा

प्रणित मोरे के शो में बेहद अश्लीलता

एजेंसी ▸▸ मुंबई

प्रणित मोरे

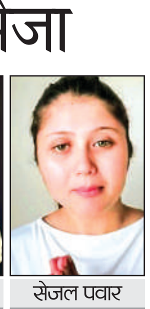
सेजल पवार

प्रणित मोरे के अश्लील शो के विवाद के कारण मुंबई के केईएम अस्पताल ने एमबीबीएस छात्रा सेजल पवार पर अब एक्शन लिया है, उसे मेडिकल कॉलेज ने जबरन छुट्टी पर भेज दिया है। साथ ही उनके माता-पिता को भी बुलाया है। वहीं, प्रशासन ने शनिवार को वायरल वीडियो पर हुए विवाद को लेकर विस्तृत जांच के लिए पांच सदस्यीय जांच कमेटी के गठन का प्रस्ताव रखा है। ▸▸ शेष पेज 4 पर

दुबई से अहमदाबाद पहुंचा था

इंडिगो के विमान में मिला 4.26 करोड़ रु. का सोना

टॉयलेट के स्पीकर में मिले सोने के 24 बिस्कुट

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

भारत में सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम डेढ़ लाख रुपए से अधिक है। सोने की कीमतों में आग लगने के बाद विदेशों से इसकी तस्करी बढ़ गई है। दुबई से अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई एयरपोर्ट पहुंची इंडिगो फ्लाइट (6ई-1478) से कस्टम में सोने के 24 बिस्कुट बरामद किए हैं। कस्टम ने जब इंडिगो के विमान की तलाशी ली तो उसे विमान से लगभग 4.26 करोड़ रुपए का सोना मिला। इस सोने को बाथरूम के आगे वाले टॉयलेट में लगे स्पीकर के अंदर छिपाया गया था। कस्टम्स अधिकारियों ने ▸▸ शेष पेज 4 पर

'परीक्षा कर्मयोगी: कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' शुरू किया

एनटीए ने शुरू किया नया कार्यक्रम

नीट समेत बड़ी परीक्षाओं के लिए अफसरों को ट्रेनिंग देगा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा केंद्रों पर निगरानी और परीक्षा संचालन को और मजबूत बनाने के लिए 'परीक्षा कर्मयोगी: कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' शुरू किया है। यह कार्यक्रम आईजीओटी कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया है, जिसके माध्यम से परीक्षा अधिकारियों और निरीक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन

एआई इमेज

अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए तैयार किया गया है जो एनटीए की ऑफलाइन (पेन एंड पेपर) परीक्षाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परीक्षा में निष्पक्षता व जवाबदेही को बढ़ाना

इनमें सेंटर सुपरिंटेंडेंट, निरीक्षक और अन्य परीक्षा कर्मी शामिल हैं। एनटीए के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नीट (यूजी) सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में कार्यरत परीक्षा अधिकारियों को बेहतर तरीके से तैयार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। कार्यक्रम ▸▸ शेष पेज 4 पर

वेनेजुएला पर कब्जे के बाद भी कोई कुछ नहीं कहता

दुनिया सत्य का नहीं, बल्कि 'ताकतवर' का सम्मान करती है : संघ प्रमुख भागवत

हिंदुओं को अपनी रक्षा के लिए मजबूत बनना होगा

एजेंसी ▸▸ तिरुवनंतपुरम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को शक्ति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यदि आप मजबूत हैं, तो कोई कुछ नहीं कहेगा, भले ही आप वेनेजुएला पर कब्जा कर लें। यह वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई का

कार्यक्रम को संबोधित करते भागवत

परोक्ष संदर्भ था। डॉ. भागवत ने यहां आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि हिंदुओं को अपनी रक्षा के लिए मजबूत बनना होगा, क्योंकि दुनिया ▸▸ शेष पेज 4 पर

विरोधी भविष्य के स्वयंसेवक

भागवत ने कहा, जो लोग हमारा विरोध करते हैं, हम उन्हें भविष्य के स्वयंसेवक के रूप में देखते हैं। हमारा लक्ष्य सभी को साथ लेकर समाज को संगठित करना है। किसी राष्ट्र का भाग्य किसी एक समूह द्वारा नहीं बदला जा सकता। यह काम राष्ट्र के समाज द्वारा ही किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विविधताएं अस्थायी होती हैं और वे अस्तित्व की अंतर्निहित एकता की अभिव्यक्ति हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी के 12 सालों के सुशासन व विकास के कामों पर फोकस 'मीडिया संवाद' कार्यक्रम

सीएम ने कहा-2014 के बाद केंद्र सरकार ने इतनी योजनाएं चलाईं, जिसका लाभ हरेक व्यक्ति को मिला

मीडिया संवाद को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे यहां 12 वर्ष का महत्व है। 12 वर्ष में सिंहस्थ होता है। सरकार के पास अनेकों उपलब्धियां है। 2014 के बाद केंद्र की सरकार ने इतनी योजनाएं चलाई, जिसकी वजह से एक-एक व्यक्ति को लाभ मिला। आज देश के 65 फीसदी लोगों को मुफ्त में खाद्यान्न मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके योजनाओं को गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में देश में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में ▸▸ शेष पेज 4 पर

18 वर्षों तक देश सेवा का अवसर मिला

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा प्रधानमंत्री मोदी देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्रियों में शामिल हैं। भाजपा ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को धरातल पर उतारा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के छह वर्ष और प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों को मिलाकर भाजपा को केंद्र में 18 वर्षों तक देश सेवा का अवसर मिला है। इस अवधि में विचारधारा, सुशासन और अंत्योदय के संकल्प को ▸▸ शेष पेज 4 पर

शासन को जनसेवा का माध्यम बनाया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने शासन को जनसेवा का माध्यम बनाया है। एक गरीब के आंसू कैसे पोंछे जाएं, यह देश को प्रधानमंत्री मोदी ने सिखाया है। विकास के हर क्षेत्र में केंद्र ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया है। ▸▸ पढ़ें पेज 10 भी

भोपाल
रविवार, 14 जून 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष-14
वर्ष : 13, अंक : 73
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 37
न्यून. 26

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अमला जान बचाकर भागा, इंसेट में घायल टीम सदस्य

टीम सरकारी वन भूमि से अतिक्रमण हटाने गई थी

फॉरेस्ट टीम पर पत्थर-गोफन से हमला,100 ग्रामीणों ने घेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

कमलापुर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने पहुंची वन विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। करीब 100 ग्रामीणों ने वन अमले और पुलिस बल को घेरकर आधे घंटे तक पत्थर और गोफन बरसाए। 8 वाहनों में तोड़फोड़ की गई और ड्रोन भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। 6 वनकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें 3 को सिर में गंभीर चोट लगी है। घटना का ड्रोन वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वनकर्मी जान बचाकर खेतों की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे देवास जिले के जिनवाणी वन परिक्षेत्र अंतर्गत कमलापुर बीट के कक्ष क्रमांक-94 में हुई। वन विभाग की टीम सरकारी वन भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। सात रेंजों के करीब 70 वनकर्मी और कमलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान भीलआमला गांव के 100 से ज्यादा ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते वन अमले को चारों तरफ से घेरकर पथराव शुरू कर दिया गया। ग्रामीणों ने गोफन से भी पत्थर बरसाए। मामले में कमलापुर थाने में 13 लोगों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज किया है।

- 8 वाहन तोड़े जान बचाकर भागे वनकर्मी
- 6 घायल, 3 के सिर फूटे
- ड्रोन तक क्षतिग्रस्त कर दिया

बागली एसडीओ गाड़ी में छिपे

टीम को बागली एसडीओ अंकित जामोद लीड कर रहे थे। पथराव बढ़ने पर उन्हें अपनी गाड़ी में शरण लेनी पड़ी। वाहन पर भी पत्थर बरसाए गए, जिसके बाद वे सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। हमले में वनरक्षक मोहन पंचोनिया, ज्योति जाट, कमल राणा, देवकरण मालवीय, सूरज और परिक्षेत्र सहायक केके परमार घायल हुए हैं। घायलों को पहले कमलापुर स्वास्थ्य केंद्र और चापड़ा अस्पताल ले जाया गया। बाद में तीन घायलों को गंभीर सिर की चोट के कारण देवास जिला अस्पताल रेफर किया गया।

खबर संक्षेप

बाबा महाकाल का किया रजत आभूषण से श्रृंगार

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे-पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक और दूध, दही, घी, शकर, फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। भगवान महाकाल को रजत ॐ बिल्वपत्र, मुकुट, रुद्राक्ष की माला अर्पित कर श्रृंगार किया गया।

हत्या कांड में सात दोषियों को उम्रकैद

अशोकनगर। 2018 के बहुचर्चित हत्या प्रकरण में प्रथम अपर सत्र न्यायालय मुंगावली ने सभी सात आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषियों को उनके शेष प्राकृतिक जीवनकाल तक जेल में रहना होगा और उन पर 5-5 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। प्रथम अपर सत्र न्यायालय मुंगावली ने पप्पू उर्फ अमान सिंह, राजू दांगी, मोहन सिंह, देवेन्द्र दांगी, रविन्द्र दांगी, मुल्लो बाई और सविता बाई को सजा सुनाई।

मानसून सामान्य रफ्तार से बढ़ा आगे, अगले तीन दिन परिस्थितियां अनुकूल

आंधी के साथ उड़कर आई बारिश भोपाल सहित 15 जिले तर-ब-तर

दोपहर बाद आंधी-बारिश से कई जिलों में स्थिति बिगड़ गई। नरसिंहपुर, सीहोर और इटारसी में भी जमकर बारिश हुई। इटारसी में रेलवे अस्पताल में खड़ी एक एंबुलेंस पर पेड़ गिर गया।

ज्योति टॉकीज के पास सड़क बनी तालाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित करीब 15 जिलों में शनिवार को दोपहर बाद मौसम तेजी से बदला। भोपाल में करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी के साथ 20 मिनट तक तेज बारिश हुई। इससे गर्मी-उमस से काफी राहत रही। शहर में कई जगह बारिश का पानी भर गया। पेड़ उखड़ गए और कुछ जगह पेड़ों की डालियां टूट गई। इससे बिजली सप्लाई काफी देर तक बाधित हुई। शहर में एक जून से अब तक कुल 70.5 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 40.9 मिमी कम है। जल्द ही सामान्य बारिश का आंकड़ा यहां पूरा होने की उम्मीद है। दोपहर बाद आंधी- बारिश से कई जिलों में स्थिति बिगड़ गई। नरसिंहपुर, सीहोर और इटारसी में भी जमकर बारिश हुई। इटारसी में रेलवे अस्पताल में खड़ी एक एंबुलेंस पर पेड़ गिर गया। इधर, नर्मदापुरम, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर आदि जिलों में करीब 40 से 40 किमी की रफ्तार से आंधी चली। कुछ देर बारिश हुई।

भोपाल में शाम को 50 किमी/ घंटा की गति से आंधी चली और तेज बारिश हुई

न्यूमार्केट में झमाझम बारिश

- *करीब 20 मिनट की बारिश में बिजली गुल पेड़ उखड़े, पानी भरा*
- *अब तक दीर्घावधि औसत से करीब 23 फीसदी कम बारिश*
- *प्रदेश में अब तक कुल 19.1 मिमी औसत बारिश हुई*

18 से 22 जून के बीच मानसून मप्र आएगा

प्रदेश में शनिवार तक दीर्घावधि औसत से करीब 23 फीसदी कम बारिश हुई है। प्रदेश में अब तक कुल 19.1 मिमी औसत बारिश हुई है, जबकि सामान्य तौर पर 24.8 मिमी होना थी। यह औसत से करीब 23 फीसदी कम है। मौसम केंद्र के अनुसार पूर्वी मप्र में औसत से 47 और पश्चिमी हिस्से में औसत से 5 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब प्रदेश में प्रीमानसून गतिविधियां दो दिन बढ़ेंगी। इसके बाद फिर कुछ कमी आएगी। 2 से 3 दिन बाद प्री-मानसून फिर तेजी पकड़ लेगा। 18 से 22 जून के बीच मप्र और भोपाल तक ऑनसेट हो सकता है। पढ़ें पेज 03 भी

सीहोर और आसपास की बारिश भोपाल में हो गई

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार शनिवार को दोपहर बाद भोपाल में अचानक आंधी के साथ हुई तेज बारिश से शहर तरबतर हो गया। दअसल, बारिश से पहले आई आंधी के साथ सीहोर और आसपास होने वाली बारिश भोपाल तक उड़कर आ गई। इससे शहर में 20 मिनट आंधी के साथ तेज बारिश हो गई। हवा की रफ्तार कम होने के साथ ही बारिश में कमी आ गई, जबकि आसमान पर बादल देर शाम तक घिरे रहे।

आज कुछ जिलों में आंधी-बारिश

रविवार को सीहोर, ग्वालियर, भिंड, जबलपुर, दमोह, सागर में कुछ जगह आंधी के साथ तेज बारिश होगी। भोपाल, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा आदि जिलों में भी आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट है।

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply
Hero GoodLife पाएं जीतने का मौका चाँदी का सिक्का* और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*
इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक
HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड Powered by pine labs

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Fastest compared to all air-cooled engine motorcycles in the 125cc segment as per internal testing. ^Starting exshowroom price of Xtreme 125R IBS OBD2 variant in Madhya Pradesh. *T & C Apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: भोपाल: वरेण्यम हीरो (प्रभात पेट्रोल पंप, रायसेन रोड 9289922466, जे.के. रोड 8959905381), साँई हीरो (डी.आई.जी. बंगला, बैरसिया रोड) 9289922685, यूनाईटिड हीरो (कोहेफिज़ा) 9289923150, बैतूल: खण्डेलवाल हीरो 9289922624, सीहोर: मंत्री हीरो (कन्हैयालाल मंत्री पेट्रोल पंप, इंदौर नाका) 9522257567, ब्यावरा: आनंद हीरो 9289922871, गुना: गगन हीरो 9289922358, अशोक नगर: आरव हीरो 9821743269, होशंगाबाद: पुण्यशिला हीरो 9289922360, हरदा: राहुल हीरो 9289922491, विदिशा: पाल हीरो 9289922379, दमोह: इण्डिया ऑटो हीरो 9289922573, सागर: सेन्ट्रल हीरो (भगवानगंज, मक्रोनिया) 9289922376, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, छतरपुर: आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), ग्वालियर: तनुष्का हीरो (सिटी सेन्टर 9289922371, मुरार 4099928, कम्पू 4072000), तरन अंगद हीरो (फूलबाग 9289922483, सखियाँ विलास 2438534), भिन्ड: शिवम हीरो 9289922787, दतिया: शिव हीरो 9289923172, मुरैना: गगन हीरो 9289922678, श्योपुर: आशीष हीरो 9289922832, शिवपुरी: रघुवंशी हीरो 9289922571, इंदौर: सुखमणी हीरो (अन्नपूर्णा रोड) 9289922719, वी.एन. हीरो (एयरपोर्ट रोड) 9289923061, सेठी ऑटोमोबाइल्स (भवरकुआँ) 9289923211, रुक्मारानी ऑटोमोटिव (एलआईजी स्क्वायर के पास) 8871444414, मेहता ऑटोमोबाइल्स (देवास नाका), 9821741577, बड़वानी: शर्मा हीरो 9289922742, बुरहानपुर: श्रीजी हीरो 9289922372, देवास: खुराना हीरो (ए.बी. रोड 9289922488, गंगानगर 9993596392), धार: साक्षी हीरो 9289922618, हाट पिपलिया: श्रीराम हीरो 9289923154, झाबुआ: नाकोड़ा हीरो 9289922679, कुक्षी: अन्नपूर्णा हीरो 9289922749, खण्डवा: ठक्कर हीरो 9289923018, खरगोन: निमाड़ हीरो 9289922378, महू: लक्ष हीरो 9289923176, पीथमपुर: रघुवंशी हीरो 9289923047, सनावद: राजेश हीरो 9289922774, रतलाम: एक्सीलेन्ट हीरो (महू रोड 9289922375, सैलाना रोड 07412-408600) नीमच: उत्तम हीरो 9289922367, मन्दसौर: रामदर्शन हीरो 9289922369, जावरा: रिलायबल हीरो 9289923045, एसोशिएट डीलर: आष्टा: श्री रघुवीर मोटर्स 9893018553, 7428594671, बगदोना: आर्यन्स इन्टरप्राईज़ेज 7428594665, बरेली: श्री सूर्योदय हीरो 9826832251, 9098960970, भोपाल: मानिक मोटर्स 8827379110, मंडीदीप: सोनी मोटर्स, 9179461211, 8962143877, बंडा: श्रुति मोटर्स, 7879573737, नसरुल्लागंज: जीवन मोटर्स 9977926838, गंजबासोदा: ध्रुव इन्टरप्राइज़ेज 9826867673, इटारसी: रेवा मोटर्स 9425630406, जतारा: शारदा माँ ऑटोमोबाईल 9111231539, करेरा: आदित्यसागर इन्टरप्राईज़ेज 9425436890, 7428492559, पिपरिया: राज मोटर्स 7576454997, नरसिंहगढ़: गुरुकृपा मोटर्स 9303416007, 7428595910, पचोर: प्रिंस ऑटोमोबाईल्स 9755131010, रायसेन: युवराज मोटर्स 7828500001, 7428595899, बीना: राहुल ऑटोमोबाईल्स 9893494971, टीकमगढ़: एस.एस. इन्टरप्राइज़ेज 7000242371, खरगापुर: हरिओम ऑटोमोबाईल्स 9993267954, राघोगढ़: बृजेश इंटरप्राइजेज 7999006113, श्यामपुर: गोपी मोटर्स 9111009671, लटेरी: श्याम हीरो 7748890061, जामनेर: अरुण सेल्स एंड सर्विस 9893626185, सिरोंज: प्रिया एंटरप्राइज, 9425344557, सिराली: भायरे मोटर्स, 9981247007, टिमरनी: गंगोत्री मोटर्स, 9755101902, अम्बाह: उमा ऑटोमोबाईल्स 9329683351, डबरा: दुर्गा एजेन्सी 9926746001, पिछोर: दशमेश ऑटोमोबाइल्स 9425490424, सबलगढ़: शिवम मोटर्स 9893085461, कोलारस: भूपेंद्र इंटरप्राइजेज 9425769569, बैराड़: लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स 9893075206, बदरवास: बालाजी इंटरप्राइजेज 9893670277, गोहद: ओम साई मोटर्स 8358994876, लहार: लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स सर्विस 9770444999, अलीराजपुर: विजय ऑटोमोबाईल्स 9993912143 अंजड़: न्यू निमाड़ मोटर्स 9425416084, बदनावर: नज़्मी ऑटोमोबाईल्स 9111841851, बेड़िया: कृष्णा मोटर्स 7428494667, बामनियां: अनुश्री ऑटोमोबाईल्स 9630703344, छनेरा: गुरुनानक मोटर्स 7428390286, बेटमा: अंकित ऑटोमोबाईल्स 9826460777, धामनोद: अमृत ऑटोमोबाईल्स 9425088316, इंदौर: क्वालिटी ऑटोमोबाईल्स 8602295522, मुंडी: अभिषेक मोटर्स 7428390273, पानसेमल: हीरा ऑटोमोबाईल्स 7428494666, पेटलावद: भंडारी अभिकरन 9977287143, धरमपुरी: कृष्णा ऑटोमोबाइल 9993906745, राऊ: अवनि ऑटोमोबाईल्स 9826906983, सेंधवा: डीलक्स मोटर्स 7428295060, निवाली: श्री वल्लभ मोटर्स, 9893501517, नागदा: कांठेड़ ऑटोमोबाईल्स 9111141177, पुंजापुरा: पटेल मोटर्स 9755567226, सतवास: शिवम मोटर्स 9826088351, सिंघोट: आकाश मोटर्स 7428494665, सोनकच्छ: भारत मोटर्स 9826607753, घाटाबिल्लौद: लक्ष्मी मोटर्स 9826524005, खाचरोद: जय गणेश ऑटोमोबाईल्स 8305827074, मांगलिया: श्री साई मोटर्स 8962460729, 8889415553, जौरा: विजयानंद मोटर्स 9754451762, राणापुर: सिद्ध शीला ऑटोमोबाइल्स, 8770264612, जोबट: धारा ऑटोमोबाइल्स, 9615908908, सोंडवा: राज ऑटोमोबाइल्स, 9754260982, क्षिप्रा: श्री शिव हरि मोटर्स, 7771088838, सुखलिया इंदौर: आर्यन मोटर्स, 9399928958, कांटाफोड़: रुखमणी मोटर्स, 9993048891, नीलबड़: महाकाल मोटर्स, 9586778889, तीन इमली: न्यू गीतांजलि मोटर्स, 6267121700, नेहरू नगर: रुद्र एंटरप्राइजेज, 9039011650,51,52,53, गांधीनगर: आर जे मोटर्स, 8827588411, स्नेहलतागंज: साहू ऑटोमोबाइल, 9926977784, अमझेरा: महावीर ऑटोमोबाइल, 9589890703, सागौर कुटी: अमन ऑटोमोबाइल, 9039055993, जावद: शिवाय इंटरप्राइजेज, 9752346321, रानीसिंह: गुरुकृपा ऑटोमोबाइल्स, 9753044683, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) गुना: गगन हीरो 9289922358, विदिशा: पाल हीरो 9289922379, भिन्ड: शिवम् मोटर्स 9289922787, पीथमपुर: रघुवंशी हीरो 9289923047, छनेरा: गुरुनानक मोटर्स 7428390286, सारंगी: श्री मोटर्स, 9340927342, सीतामऊ: तिरुपति मोटर्स, 9753008855, पिपलिया मंडी: नवपद मोटर्स, 9479861211, दलोदा: जेएस मोटर्स, 9926600906.

15 अगस्त को जिलों के कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री प्रस्तुत करेंगे जिले की उपलब्धियां

मुख्यमंत्री ने नीट परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन के संबंध में दिए दिशा-निर्देश

जिलों की बनेंगी विकास पुस्तिकाएं, जुलाई महीने में होगी कलेक्टर्स-एसपी कॉन्फ्रेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टर्स वीसी में 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात के सुचारू संचालन के लिए विशेष व्यवस्था की जाए।

पुलिस प्रशासन परीक्षार्थियों के साथ सकारात्मक भाव से हर संभव सहयोग प्रदान करे। जिला स्तर पर सोशल मीडिया पर नजर रखी जाए तथा अफवाह फैलने की स्थिति में तत्काल वस्तुस्थिति से लोगों को अवगत कराया जाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल सहित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 30 जिलों में नीट परीक्षा के लिए 283 सेंटर बनाए गए हैं। सर्वाधिक 57 केंद्र इंदौर में हैं। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रदेश में होने वाले दौरे के दृष्टिगत आवश्यक तैयारियों के संबंध में भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अनुपम राजन और शिवशेखर शुक्ला मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स वीसी में दिए निर्देश

परीक्षार्थियों को हर संभव मदद प्रदान करे पुलिस प्रशासन

राष्ट्रपति के प्रदेश दौरे के दृष्टिगत भी दिए दिशा-निर्देश

आईजी कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते मुख्यमंत्री।

सभी जिलों में प्रसारित होगा कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तर पर विकास और जनकल्याण योजनाओं के संचालन की स्थिति की गहन समीक्षा की जाएगी। जुलाई माह में कलेक्टर्स-एसपी कांफ्रेंस भी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पर जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री अपने संबोधन में विस्तृत रूप से जिले की उपलब्धियां प्रस्तुत करेंगे। प्रभारी मंत्रियों के संबोधन से पहले राज्य स्तर से मुख्यमंत्री का संबोधन होगा। यह सभी जिलों में प्रसारित होगा। जिला स्तर की उपलब्धियों के प्रस्तुतिकरण से जिला स्तर पर संचालित विकास और जनकल्याण गतिविधियों का दस्तावेजीकरण होगा, इसकी तैयारी तत्काल आरंभ की जाए। इस आधार पर जिलों की विकास पुस्तिका बनेगी।

ज्ञान भारतम मिशन में हो रहा है पाण्डुलिपियों का डिजिटल संरक्षण

हरिभूमि न्यूज. भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मठ मंदिरों के साथ-साथ कई घरों में भी प्राचीन पाण्डुलिपियां सुरक्षित हैं। हमारी सांस्कृतिक स्मृतियां, ज्ञान, परम्पराएं, विज्ञान और दर्शन पाण्डुलिपियों के रूप में अभी तक विद्यमान हैं। इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अमूल्य विरासत के संरक्षण, संवर्धन और दस्तावेजीकरण के लिए ज्ञान भारतम मिशन की पहल राष्ट्रीय स्तर पर आरंभ की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स वीसी में ज्ञान भारतम मिशन के संबंध में यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई और अपर मुख्य सचिव संस्कृति शिव शेखर शुक्ला मौजूद थे।

संस्थानों के पास भी पर्याप्त मात्रा में पाण्डुलिपियां विद्यमान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के एतिहासिक और सांस्कृतिक व धार्मिक रूप से समृद्ध है। यहां के धार्मिक स्थलों के साथ-साथ कई परिवारों तथा व्यापारिक संस्थानों के पास भी पर्याप्त मात्रा में पाण्डुलिपियां विद्यमान हैं। भारत की ज्ञान परम्परा को सुरक्षित रखने के इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रदेशवासियों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। प्रदेश के जिलों में उपलब्ध पाण्डुलिपियों की अनुमानित संख्या 10 लाख 24 हजार 571 हैं।

प्रदेशवासी अधिक से अधिक संख्या में दें सुझाव

यूसीसी पर जनसामान्य के सुझावों के अनुसार होगा नीति निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता के संबंध में नीति निर्माण जनसामान्य के सुझावों के आधार पर किया जाएगा। बेहतर नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक है। प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या सुझाव आमंत्रित करने के लिए सभी जिलों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ ग्राम स्तर तक नागरिकों को अपना अभिमत देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश शनिवार को समान नागरिक संहिता जागरूकता अभियान पर जिला कलेक्टर्स की वीसी में दिए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अनुपम राजन और शिवशेखर शुक्ला उपस्थित थे। नगरीय स्तर पर स्कूल-कॉलेजों में गतिविधियां संचालित करें, सामाजिक-व्यापारिक संस्थाओं, बार कॉउंसिल आदि में चर्चा के सत्र आयोजित कर जनसामान्य से अपनी राय प्रकट करने के लिए कहा जाए।

सीएम ने वीसी के जरिए जिला कलेक्टर्स को किया संबोधित

फाइल फोटो।

वेबसाइट पर देना है सुझाव, सरल है प्रक्रिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव आमंत्रित हैं। इसके लिए विशेष रूप से वेबसाइट ucc.mp.gov.in का विमोचन किया गया है, जिस पर सुझाव देने की प्रक्रिया बहुत सरल है। वेबसाइट के फॉर्म में केवल नाम, लिंग, धर्म, संभाग, जिला, पता और मोबाइल नंबर अंकित करना है। कुल 12 प्रश्नों का उत्तर हाँ या ना में दिया जाना है। मोबाइल ओटीपी से सत्यापित करने से सुझाव जमा हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संबंध में जिला स्तर पर संचालित गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की।

वन माफिया को गिरफ्तार कर लगाया जाए रासुका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वन कर्मचारियों पर जानलेवा हमला कर वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले वन माफिया को तत्काल गिरफ्तार कर उन पर रासुका लगाया जाए। मप्र वन कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने सीएम को पत्र लिखकर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। अशोक पांडे ने बताया कि देवास वन मंडल के वन कर्मचारी अतिक्रमण हटाकर वन भूमि को मुक्त करने की कार्रवाई करने जंगल वन क्षेत्र में गए थे। जहां अतिक्रमणकारियों वन माफिया ने वन कर्मचारियों को देखते ही प्राण घातक हमला कर दिया। जिसमें वन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए है। इसीपुर देवास वन मंडल में एक वन कर्मचारी वन माफिया के हाथों शहीद भी हो चुका है।

निगम किराया भी नहीं दे रहा और भवन खाली भी नहीं कर रहा!

नगर निगम का एक वार्ड कार्यालय पुराने शहर में वर्षों से किराए के भवन में संचालित हो रहा है, लेकिन अब यह भवन मकान मालिक के लिए सिरदर्द बन गया है। हालात यह हैं कि न तो निगम नियमित रूप से किराया चुका रहा है और न ही भवन खाली करने की दिशा में कोई ठोस कदम उठ रहा है। मकान मालिक कई बार निगम मुख्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन उनकी फाइल अधिकारियों की मेजों के बीच ही घूम रही है। हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन मिल जाता है। अब सवाल यह है कि आम नागरिकों को नियमों का पाठ पढ़ाने वाला निगम खुद अपने ही मामले में कब जिम्मेदारी निभाएगा?

ऐसे तो अतिक्रमणमुक्त नहीं होगा शहर!

शहर को अतिक्रमणमुक्त बनाने के लिए नगर निगम का अमला रोज मैदान में उतरता है। जेसीबी गरजती हैं, ट्रक और डंपर दौड़ते हैं, कर्मचारी घंटों मशक्कत करते हैं और सड़क किनारे से गुमठियां, ठेले व अस्थायी कब्जे हटाए जाते हैं। कार्रवाई की तस्वीरें भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं, लेकिन कहानी यहां से शुरू होती है कि जप्त किया गया सामान मामूली समझौता शुल्क जमा करने के बाद वापस मिल जाता है। नतीजा यह कि जो गुमठी सुबह हटाई जाती है, वह कुछ ही दिनों में फिर उसी जगह दिखाई देने लगती है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि यह कार्रवाई अतिक्रमण हटाने की है या केवल उसे कुछ समय के लिए इधर-उधर करने की? हालांकि अब निगम प्रशासन जप्त सामान वापस न करने जैसे नए नियम पर विचार कर रहा है। चर्चा यही है कि यदि यह नियम लागू हो गया तो शायद अतिक्रमणकारियों पर कुछ असर दिखे। फिलहाल तो कार्रवाई भी जारी है और अतिक्रमण भी।

सर्वेक्षण खत्म, सफाई भी खत्म?

स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान शहर की तस्वीर कुछ और ही नजर आ रही थी। सड़कें चमक रही थीं, सफाईकर्मी समय पर दिख रहे थे, अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे थे और हर स्तर पर सफाई व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने की कवायद चल रही थी। ऐसा लग रहा था मानो शहर ने स्वच्छता को अपनी आदत बना लिया हो, लेकिन जैसे ही सर्वेक्षण की टीम रवाना हुई, व्यवस्थाओं की चमक भी फीकी पड़ने लगी। कई इलाकों में फिर कचरे के ढेर दिखाई देने लगे हैं। सवाल यह है कि क्या सफाई सिर्फ सर्वेक्षण तक ही सीमित है? शहर को देश में नंबर-1 बनाने के दावे तो खूब किए जा रहे हैं, लेकिन असली परीक्षा तो साल के 365 दिन होती है, न कि केवल सर्वेक्षण के दिनों में।

-एमएम सिद्दीकी

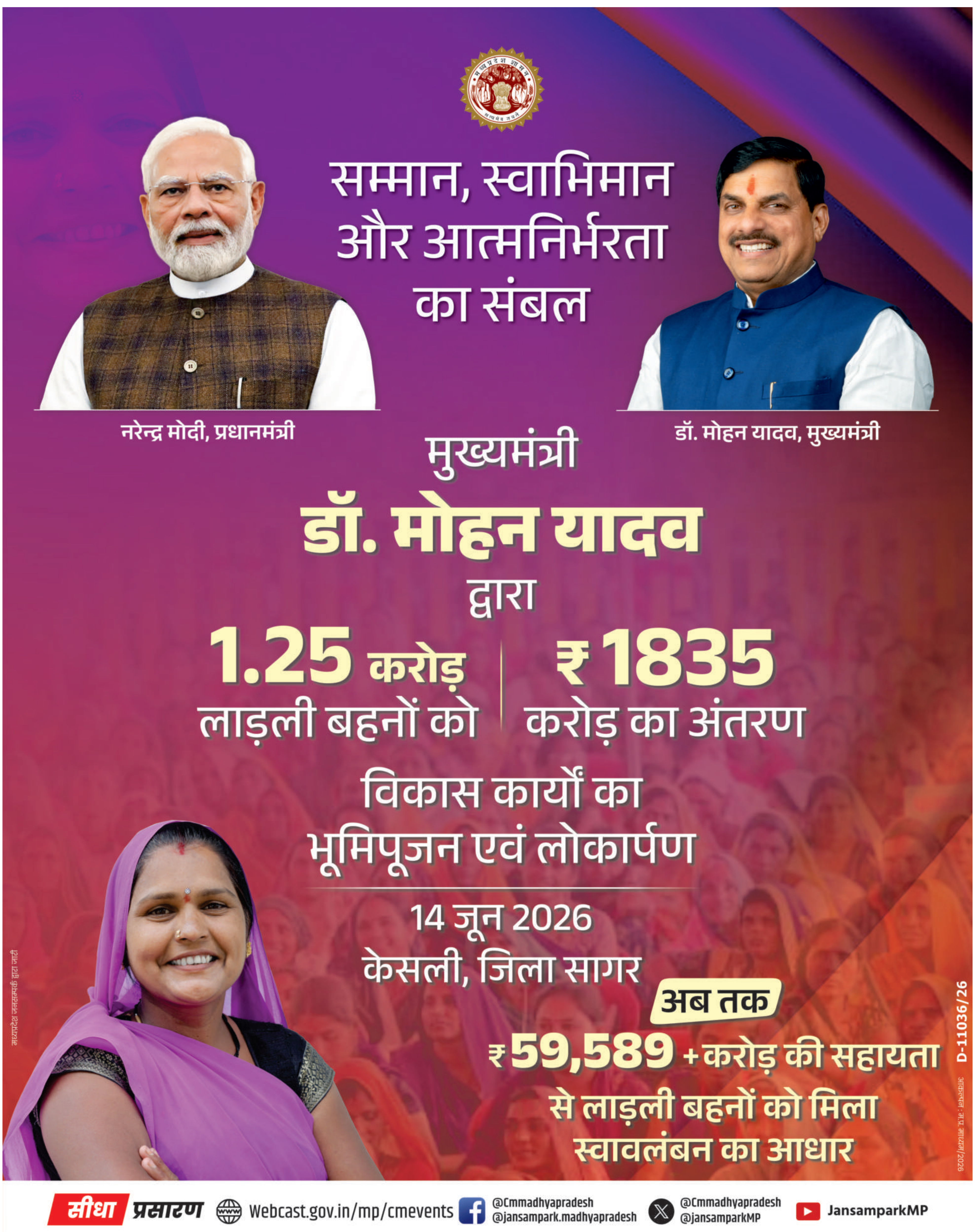

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 14 जून 2026

10 मनुष्य को धर्म, भक्ति, वैराग्य, ज्ञान का मार्ग दिखाती है...

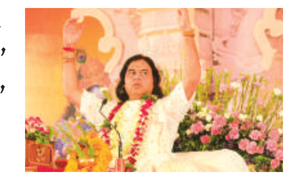

11 सांसों की माला पे... से शुरू हुआ कारवां मीरा, कबीर...

12 साल में राजाभोज एयरपोर्ट की 'ऊंची उड़ान', अफसोस...इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू नहीं हो सकी

महेश दादलानी ▶▶ संतनगर

15 जून को मनेगा यात्री सुविधा दिवस ↑ यात्री संख्या में चार गुना वृद्धि हुई ↑ 8 शहरों से सीधी कनेक्टिविटी

अलग खबर

भोपाल के राजा भोज विमानतल ने पिछले 12 वर्षों में विकास और आधुनिकीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। यात्रियों की संख्या, उड़ानों की कनेक्टिविटी, आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं में हुए व्यापक सुधारों ने भोपाल एयरपोर्ट को मध्य भारत के सबसे आधुनिक और यात्री-अनुकूल हवाई अड्डों में शामिल कर दिया है। राजाभोज एयरपोर्ट पर 15 जून को यात्री सुविधा दिवस मनाया जाएगा, लेकिन अफसोस की बात यह है कि इन बारह वर्षों में एयरपोर्ट का ऐतिहासिक विस्तार तो हुआ है, लेकिन एक भी इंटरनेशनल फ्लाइट भोपाल से शुरू नहीं हो सकी है।

फाइल फोटो

4.16 लाख से बढ़कर 15.81 लाख से अधिक हो चुके यात्री

यात्री संख्या में चार गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में लगभग 4.16 लाख यात्री थे, जो वर्ष 2025-26 में 15.81 लाख से अधिक हो चुके हैं। विमान संचालन 5,300 से बढ़कर 14,500 से अधिक हो चुका है। इसके अलावा हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार भी हुआ है। 2014 में केवल 5 शहरों से सीधी उड़ानें थी। जबकि वर्तमान में दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, रायपुर, पुणे, बेंगलुरु और नवी मुंबई सहित 8 शहरों से सीधी कनेक्टिविटी है। 1 जुलाई 2026 से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (जेवर) के लिए सीधी उड़ानें प्रारंभ होने जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संचालन की दिशा में बड़ा कदम लेते हुए वर्ष 2023 में भोपाल एयरपोर्ट को इमिग्रेशन एवं कस्टम्स चेक पोस्ट घोषित किया गया।

हाईटेक सुविधाओं से लैस है एयरपोर्ट

राजाभोज विमानतल पर यात्री सुविधाओं में व्यापक विस्तार हुआ है। वर्तमान में 8 फूड एवं बेवरेज आउटलेट है। जिसमें 11 रिटेल आउटलेट। प्रीमियम कमर्शियल लाउंज। स्पा सुविधा। फ्री वाई-फाई के साथ डिजीयात्रा सुविधा भी उपलब्ध है। फ्लाईब्रेरी (बुक शेयरिंग पहल), चेयर पर चार्जर, रीक्लाइनर चेयर एवं बच्चों के लिए विशेष प्ले एरिया। आधुनिक एवं सेंसर आधारित विश्वस्तरीय वॉशरूम की सुविधाएं एयरपोर्ट पर है।

सरकार के सेवाओं को और बेहतर बनाने के प्रयास

राजा भोज विमानतल पर 15 जून को 'यात्री सुविधा दिवस' मनाया जाएगा। इस अवसर पर यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं, नवाचारों एवं ग्राहक सेवा पहलों की जानकारी दी जाएगी तथा यात्रियों से फीडबैक प्राप्त कर सेवाओं को और बेहतर बनाने के प्रयास किए जाएंगे। राजा भोज विमानतल का यह विकास प्रदेश की आर्थिक प्रगति, पर्यटन और बेहतर हवाई संपर्क को नई गति प्रदान कर रहा है तथा आने वाले वर्षों में यह विमानतल मध्य भारत के प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में अपनी पहचान और मजबूत करेगा।

एयरसाइड एवं सुरक्षा में बड़ा सुधार

राज भोज एयरपोर्ट पर 4 आधुनिक पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज (एरोब्रिज) स्थापित है। सीएटी -I से सीएटी-II आईएलएस प्रणाली में अपग्रेडेशन, जिससे कम दृश्यता में भी सुरक्षित उड़ान संचालन संभव है। अत्याधुनिक एडवांस्ड वेदर ऑब्जर्वेशन सिस्टम लगा है। 32 मीटर ऊंचा नया अत्याधुनिक एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर से विमानों की संचालन किया जाता है। आधुनिक एयरपोर्ट रेस्क्यू एंड फायर फाइटिंग स्टेशन का निर्माण हो चुका है। भोपाल एयरपोर्ट चौबीसों घंटे संचालित हो रहा है।

खबर संक्षेप

मौसम खराब होने से भटकी मुंबई-रायपुर फ्लाइट भोपाल डाइवर्ट

संतनगर। मौसम खराबी के चलते शनिवार को इंडिगो एयरवेज की मुंबई-रायपुर उड़ान को भोपाल डाइवर्ट किया गया। मौसम साफ होते ही यह उड़ान वापस रवानी हुई। इंडिगो एयरवेज की मुंबई-रायपुर उड़ान मौसम खराबी के कारण राजाभोज एयरपोर्ट पर लैंडिग की अनुमति मिलने तक दो तीन चक्कर आसमान पर मंडराती रही। लैंडिंग की अनुमति मिलने ही उसकी राजाभोज एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग करवाई गई। करीब दोपहर 2.45 बजे फ्लाइट के आने के बाद मौसम साफ होने पर लगभग आधे घंटे बाद उसे वापस रवाना किया गया। मालूम हो कि एयरपोर्ट पर के2 सिस्टम लगा हुआ है, जिसका कारण खराब मौसम में भी उड़ाने आवाजाही कर सकती है। इसका फायदा उड़ान को सुरक्षित रखने में होता है।

रेलवे एप से टिकट बुकिंग पर 3 फीसदी छूट अब 14 जुलाई तक

भोपाल। यात्रियों को रेलवे एप से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 फीसदी की छूट दी जा रही है। भोपाल रेल मंडल प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने बताया कि योजना तहत 3 प्रतिशत छूट 14 जून तक प्रयोगिक तौर पर दी जा रही थी। इस योजना को एक माह ओर बढ़ाया गया। जिससे अब रेल यात्री 14 जुलाई तक इस योजना का लाभ ले सकेंगे। इस योजना के चलते एक तरफ जहां किराया कम देना पड़ रहा है। तो वहीं यात्रियों को टिकट काउंटर पर लंबी कतार में खड़ा नहीं होना पड़ता है। डिजिटल बुकिंग से समय की बचत के साथ-साथ नकद लेन-देन में कमी आएगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और प्रणाली सुचारु बनेगी। यह पहल पर्यावरण के अनुकूल भी है, क्योंकि कागज की खपत कम होगी। यात्रियों को कम समय में कम रकम में यात्रा की सहूलियत मिलेगी। गरीबों को इस योजना का काफी फायदा होगा।

तेज हवा से कई जगह गिरे पेड़, तीन से चार घंटे अंधेरे में रही कॉलोनियां

बारिश से सड़कों पर जलभराव ट्रैफिक जाम, घंटों बिजली गुल

राजधानी में अंदरुनी सड़कों पर पानी भरने से आवाजाही बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में शनिवार को शाम हुई तेज हवा और बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। कुछ देर की बारिश के बाद ही कई प्रमुख मार्गों और चौराहों पर जलभराव की स्थिति बन गई, जबकि तेज हवा के कारण शहर के अलग-अलग इलाकों में पेड़ और शाखाएं गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। जलभराव, ट्रैफिक जाम के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के अधिकांश इलाकों में तीन से चार घंटे बिजली गुल रही।

सबसे ज्यादा दिक्कत प्रभात चौराहे और उसके आसपास के क्षेत्र में देखने को मिली, जहां सड़क पर पानी भरने और वाहनों के दबाव के कारण करीब दो घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। डीआईजी बंगला चौराहे पर बारिश का पानी भर जाने से वाहन चालकों को परेशानी हुई।

- ▶▶ होशंगाबाद रोड पर मेट्रो स्टेशन के नीचे एवं डीआईजी बंगला चौराहे पर भरा पानी
- ▶▶ प्रभात चौराहे पर दो घंटे ट्रैफिक जाम, निशातपुरा आरओबी के पास भी यातायात प्रभावित

मेट्रो स्टेशन के नीचे सड़क पर भरा पानी।

फतेहगढ़ में बाढ़ कंट्रोल रूम, 0755-2540220 पर करें कॉल

जिले में बारिश के दौरान आम लोगों की मदद के लिए बाढ़ आपदा की स्थिति से निपटने जिला कार्यालय भोपाल नगर निगम कार्यालय सदर मंजिल फतेहगढ़ में नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जो 15 जून से 15 अक्टूबर तक 24 घंटे काम करेगा। आम लोग बारिश के दौरान पानी भरने, पेड़ गिरने या अन्य आपदा से जुड़ी शिकायत यहां कर सकते हैं। कंट्रोल रूप से चौबीस घंटे मदद पहुंचाई जाएगी। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के प्रभारी डिप्टी कलेक्टर लाखन चौधरी ने बताया कि बाढ़ कंट्रोल रूम का फोन नंबर 0755-2540220 और 0755-2701401,0755-2542222 होगा। कंट्रोल रूम का सहायक प्रभारी कृष्णा रावत को बनाया गया है।

जगह-जगह बिजली के हुए फाल्ट मैदानी अमला मौके पर पहुंचा

तेज हवा और बारिश शुरू होते ही अधिकांश इलाकों में बिजली गुल हो गई। जगह-जगह फाल्ट हुए। करीब एक हजार शिकायतें बिजली कंपनी के काल सेंटर को मिलीं। तीन से चार घंटे शहर के अधिकांश इलाकों में बिजली गुल रही। कई जगह ट्रांसफार्मर में खराबी आने की सूचना बिजली कंपनी को मिली। इस पर मैदानी अमला तुरंत मौके पर पहुंचा।

गोविंदपुरा, बरखेड़ा सहित शहर के कई क्षेत्रों में पेड़ गिरे

एमपी नगर क्षेत्र में सीवेज नेटवर्क का काम चलने के कारण आवाजाही प्रभावित रही। एमपी नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे जलभराव हुआ। जबकि निर्माणाधीन स्थलों पर कीचड़, जलभराव, गड्ढों से वाहन चालकों की आवाजाही मुश्किलभरी रही। तेज हवा के चलते शहर के कई इलाकों में पेड़ों के गिरने की शिकायतें भी निगम को मिलीं। गोविंदपुरा, बरखेड़ा सहित शहर के कई क्षेत्रों में पेड़ गिरे।

बारिश के बाद 7 डिग्री गिरा शहर का पारा, राहत घुली

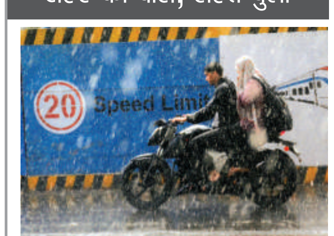

शहर में शनिवार को हुई बारिश के बाद लोगों को तेज गर्मी और उमस से राहत मिल गई। बारिश के बाद तेज हवाओं से पारे में करीब 7 डिग्री की गिरावट रही। शहर में दिन का पारा दशमलव 3 डिग्री गिरकर 39.1 डिग्री रहा, जो शाम 5 बजे के करीब पारा 31 डिग्री रहा। बारिश के बाद शाम 6 से 7 बजे के बीच तापमान 24 डिग्री तक पहुंचने से गर्मी और उमस से काफी राहत रही। देर रात तक बादल छाए रहने और हवाओं की रफ्तार मध्यम रहने से राहत रही। इससे रात के पारे में भी कुछ गिरावट की उम्मीद है। शनिवार को रात का पारा 4.4 डिग्री गिरकर 24.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.8 डिग्री कम है। इसमें रविवार को और कमी आ सकती है।

सारंगपुर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया

भोपाल एटीएस ने मास्टरमाइंड नईम कुरैशी को उप्र से पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में एटीएस ने मामले के मास्टरमाइंड और सीनियर एजेंट नईम कुरैशी को शनिवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की एटीएस रिमांड पर भेज दिया गया है।

जांच एजेंसियों के अनुसार नईम कुरैशी को उत्तर प्रदेश के सारंगपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। एटीएस सूत्रों का दावा है कि आरोपी देश की महत्वपूर्ण और संवेदनशील जानकारियां विदेशी तत्वों तक पहुंचाने के नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। एजेंसी अब उसके संपर्कों और गतिविधियों की गहन जांच कर रही है।

एटीएस को तलाशी के दौरान जिहादी साहित्य, कुछ संदिग्ध दस्तावेज और मदरसों से जुड़े वित्तीय लेनदेन से संबंधित सामग्री मिलने का दावा किया गया है। इसके अलावा जब्त किए गए मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के नंबरों से संपर्क के संकेत मिले हैं। अभी जांच जारी है।

उप्र के कई शहरों की तस्वीरें व वीडियो पाकिस्तान भेज रहा था

सूत्रों के मुताबिक आरोपी नईम कुरैशी विदेशी संपर्कों से संवाद के लिए बोटिम एप का उपयोग करता था। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि उत्तर प्रदेश के कई शहरों की तस्वीरें और वीडियो पाकिस्तान भेजे जा रहे थे। एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि इन जानकारियों का उद्देश्य क्या था और इनके पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे। जांच अधिकारियों को आशंका है कि आरोपियों का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हो सकता है। एटीएस का मानना है कि यह नेटवर्क कथित तौर पर स्लीपर सेल की तर्ज पर काम कर रहा था। इसी वजह से भोपाल सहित अन्य स्थानों पर छापेमारी और पूछताछ का सिलसिला जारी है। एटीएस, केंद्रीय एजेंसियों और अन्य सुरक्षा संस्थानों के साथ मिलकर पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

आरोपी नईम ने मोहम्मद फराज को ट्रेनिंग दी थी

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि नईम कुरैशी ने भोपाल निवासी मोहम्मद फराज को ट्रेनिंग दी थी। जांच एजेंसियों का दावा है कि फराज को अफगानिस्तान भेजने की योजना में भी नईम की भूमिका थी। इस संबंध में कई इलेक्ट्रॉनिक और दस्तावेजी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

अब जुलाई से चलेंगी ई-बसें, शहर की आधी आबादी से रहेंगी दूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर की लाइफ लाइन मानी जाने वाली सड़कों पर मेट्रो निर्माण, टेनलेन प्रोजेक्ट, सीवेज नेटवर्क का चल रहा काम

निर्माण कार्यों के कारण बसों के रूट सीमित रखने की तैयारी

शहर में प्रस्तावित ई-बस सेवा शुरू होने के बाद भी एक बड़ी आबादी को इसका सीधा लाभ नहीं मिलेगा। कारण मेट्रो निर्माण, टेनलेन प्रोजेक्ट और सीवेज नेटवर्क के कार्यों का चलना है। जिससे ई-बसों के रूट सीमित रखने की तैयारी की जा रही है। जबकि आधुनिक ई-बसों के संचालन के लिए चौड़ी सड़कों और पर्याप्त टर्निंग स्पेस वाले चौराहों की जरूरत होगी। अप्रैल-मई में शुरू होने वाली यह सेवा अब जुलाई तक टल गई है। भोपाल को अब तक बसों की आपूर्ति भी नहीं हुई है।

इन रूटों पर बसों का संचालन होना मुश्किल

- ▶▶ *भदभदा से रत्नागिरी-दूरी करीब 13 किमी*
- ▶▶ *रत्नागिरी से गांधी नगर-दूरी करीब 11 किमी*
- ▶▶ *भदभदा से करोंद-दूरी करीब 17 किमी*
- ▶▶ *पुल बोगदा से रायसेन रोड-दूरी करीब-7 किमी*

जुलाई में शुरू होगा बसों का संचालन, तैयारी पूरी

बीसीएलएल के डायरेक्टर और एमआईसी मेंबर मनोज राठौर का कहना है कि बसों के लिए एक डिपो तैयार है। बसें जून के अंत तक भोपाल पहुंचेगी। संचालन जुलाई से शुरू होने की उम्मीद है। शासन स्तर पर टिकटिंग व रूट को लेकर प्लानिंग को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है।

एक डिपो लगभग तैयार, दूसरे का काम अब तक शुरू नहीं

आधुनिक बसों के खड़े होने व उनके मेंटेनेंस के लिए शहर में 40-40 करोड़ रुपए के दो डिपो बनना हैं। संत नगर में एक डिपो बनकर तैयार है, लेकिन दूसरे का काम शुरू नहीं हो सका। आरिफ नगर बस टर्मिनल का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन आसपास मेट्रो निर्माण कार्य चलने से बसों का संचालन मुश्किल है।

ऑनलाइन टिकटिंग के लिए एजेंसी तय नहीं

ई-बस परियोजना के तहत यात्रियों को ऑनलाइन टिकटिंग, आधुनिक बस स्टॉप, चार्जिंग स्टेशन और डिजिटल निगरानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी हैं, लेकिन अभी तक ऑनलाइन टिकटिंग संचालन के लिए एजेंसी का अंतिम चयन नहीं हो सका है।

टनल के लिए जमीन के नीचे बेस तैयार

भारी-भरकम मशीनें, तकनीकी एक्सपर्ट की निगरानी में चल रहा काम

भोपाल। शहर के नादरा बस स्टैंड पर निर्माणाधीन दूसरे अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन पर जमीन के नीचे बेस तैयार है। यहां टनल प्वाइंट पर खुदाई करने के अलावा प्लेटफार्म तैयार करने का काम तकनीकी टीम की मौजूदगी में हो रहा है।

गेहूं खरीदी में गड़बड़ी आई सामने

खरीदा मिट्टी मिला गेहूं, डीएसओ को हटाया, एएसओ सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सागर जिले में सरकारी गेहूं खरीदी में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। यहां एक वेयरहाउस में गेहूं की बोरियों में भारी मात्रा में मिट्टी मिलने के बाद जिला आपूर्ति नियंत्रक को हटा दिया है, जबकि सहायक आपूर्ति अधिकारी की मिलीभगत सामने आने पर सस्पेंड कर दिया गया है। जबकि गेहूं खरीदने वाले स्व-सहायता समूह के पदाधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। इसके साथ ही पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। सागर जिले में गेहूं खरीदी के दौरान गंभीरिया के लक्ष्मी नगर स्थित श्रीदेव प्रभाकर वेयरहाउस में खरीदे गए गेहूं में मिट्टी मिलने के बाद सहायक आपूर्ति अधिकारी निशांत पांडे को सस्पेंड कर दिया है, वहीं जिला आपूर्ति नियंत्रक ज्योति बघेल को सागर जिले से हटाकर भोपाल मुख्यालय में अटैच कर दिया है।

■ समूह के पदाधिकारियों पर केस

कोलार के कजलीखेड़ा में 35 मकानों को किया जमींदोज, परिवारों को किया शिफ्ट

छावनी पठार में एनएच चौड़ीकरण के लिए हटाए 52 मकान-दुकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल से रायसेन जाने वाले नेशनल हाइवे चौड़ीकरण के लिए शनिवार को हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया की टीम ने 52 मकान-दुकानों को जमींदोज कर दिया। इधर कोलार के कजलीखेड़ा में भी एसडीएम पीसी पांडे की टीम ने 35 मकान और दुकानों को हटाया है। इस तरह दोनों जगहों से अवैध रूप से बने 89 मकान और दुकानों को बुलडोजर की मदद से ढहाया गया है। कब्जे से हटाई गई जमीन की कीमत सात करोड़ रुपए आंकी गई है।

मकान को तोड़ती जेसीबी।

नेशनल हाईवे की जमीन पर सालों से कब्जा

हुजूर एसडीएम ने बताया कि छावनी पठार में नेशनल हाईवे की जमीन पर सालों से कब्जा था। जिस पर 52 मकान और दुकानें बना दी गई थी। पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू की गई, जो दोपहर तक चली। इस दौरान जेसीबी की मदद से कच्चे-पक्के निर्माण जमींदोज कर दिए गए। रहवासी परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। रहवासियों ने कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन उन्हें समझाइश देकर छोड़ दिया गया।

अमले ने 5 एकड़ सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाया

कोलार रोड स्थित कजलीखेड़ा में 5 एकड़ सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाया गया। दोपहर 12 बजे के बाद कार्रवाई की शुआत हुई। कजलीखेड़ा थाने के पुलिस बल की मौजूदगी में 35 मकानों को जमींदोज कर दिया गया। कई लोगों ने तो 4 से 5 हजार वर्गफीट जमीन पर कब्जा कर फार्म हाउस बना रखे थे।

जैकेट एक का शेष...

बिल में छिपे ...

रहे थे। मुख्यमंत्री के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ 2028, करोड़ों श्रद्धालुओं का आस्था पर्व है। उन्होंने निर्देशित किया कि साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मैदानी पुलिस कार्यों की त्रैमासिक समीक्षा की नई व्यवस्था शुरू : कॉन्फ्रेंस में डीजीपी मकवाणा ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप पुलिस कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। प्रदेश में डायल-112 सेवा, अपराध नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण तथा नई आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

पुलिस विभाग ...

अलग-अलग पदों पर भर्ती की जा चुकी है। राज्य सरकार हर साल भर्ती करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंधन कर रही है। हमारा प्रयास है कि स्वीकृत पदों में से कोई भी पद खाली न रहे।

'भारत इनोवेट्स' ...

भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड शामिल होंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि अगले कुछ दिनों में मैं फ्रांस और स्लोवाकिया में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लूंगा। इनमें द्विपक्षीय बातचीत, बहुपक्षीय बैठकें और भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद शामिल है। मेरा ध्यान आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर रहेगा।

जी7 शिखर सम्मेलन और विवटेक में भी लेंगे हिस्सा: विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में स्लोवाकिया के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 16 और 17 जून को फ्रांस के एवियन में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दोबारा फ्रांस लौटेंगे। इस दौरान वह जी7 देशों, आमंत्रित साझेदार देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। 18 जून को प्रधानमंत्री पेरिस जाएंगे, जहां वह अतिरिक्त द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेने के साथ-साथ यूरोप के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप कार्यक्रम 'विवटेक' शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

इमैनुएल मैक्रों के साथ होगी द्विपक्षीय वार्ता : नीस में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच द्विपक्षीय बैठक भी होगी। दोनों नेता भारत-फ्रांस विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करेंगे।

स्लोवाकिया की ...

वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी से भी मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, ऑटोमोबाइल विनिर्माण और रेलवे अवसंरचना क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा होने की संभावना है।

जैकेट दो का शेष...

जोरहाट एयरबेस पर...

बलिदान पर गहरा दुख जताया गया है। वायुसेना का कहना है कि स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर शनिवार को भारतीय वायुसेना का एएन-32 मालवाहक विमान लैंडिंग के तुरंत बाद आग की चपेट में आ गया था। इस घटना के बाद एयरबेस पर अफरा-तफरी मच गई और तुरंत इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने अपना काम शुरू कर दिया गया था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक जैसे ही विमान रनवे पर उतरा, उसमें अचानक आग लग गई और उससे घना धुआं उठने लगा। यह नजारा काफी भयावह था, जिसे देखते ही एयरपोर्ट और वायुसेना की फायर और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गईं। **सोवियत दौर में बना था मालवाहक विमान:** एएन-32 विमान, जो सोवियत दौर में बना था, भारतीय वायुसेना के लिए कई दशकों से एक अहम ट्रांसपोर्ट विमान रहा है। खासतौर पर पूर्वोत्तर और पहाड़ी इलाकों में सामान और जवानों को पहुंचाने में इसका बड़ा योगदान रहा है।

वैश्विक कृषि सहयोग ...

देशों की सामूहिक पहल वैश्विक कृषि व्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने मेघदूत गार्डन में वृक्षारोपण कर 'ब्रिक्स वाटिका' की स्थापना की।

खाद्य सुरक्षा, व्यापार ...

सीमांत किसान, पूरी चर्चा के केंद्र में रहे। चौहान ने कहा कि सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए 'इंदौर डिक्लेरेशन' का मूल केंद्र किसान है। इसमें खाद्य सुरक्षा, पोषण, कृषि व्यापार, नवाचार, निवेश, जलवायु-सहनीय खेती और सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि ब्रिक्स देशों की सामूहिक इच्छाशक्ति और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

प्राकृतिक खेती के ...

अनुसंधान संस्थान इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में 'ब्रिक्स नेटवर्क ऑन डिजिटल एग्रीकल्चर' की स्थापना का भी निर्णय लिया गया। यह नेटवर्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भू-स्थानिक तकनीक, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा आधारित कृषि समाधानों पर सहयोग को बढ़ावा देगा। इसका समन्वय भारत में आईआईटी दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

किसानों के बीज...

पहल के तहत सदस्य देशों के बीच कृषि आदानों, बीजों, आनुवंशिक संसाधनों और तकनीकी सूचनाओं का आदान-प्रदान मजबूत किया जाएगा। इससे किसानों को बेहतर संसाधनों और जानकारी तक पहुंच मिल सकेगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पहले से स्थापित ब्रिक्स एग्रीकल्चरल रिसर्च प्लेटफॉर्म को और मजबूत बनाते हुए 'नॉलेज टू एक्शन हब' के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक सीमित न रहकर सीधे किसानों के खेतों तक पहुंचे। उन्होंने इसे 'लैब टू लैंड' मॉडल को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बैठक में निष्पक्ष, समावेशी और पारदर्शी बहुपक्षीय कृषि व्यापार व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई। खाद्य हानि (फूड लॉस) कम करने और खाद्यान्न अपव्यय रोकने के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

लेफ्टिनेंट जनरल ...

किया है। उन्होंने भारतीय सेना की युद्धक क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अधिकारी ने विभिन्न परिचालन वातावरणों में हर स्तर पर कमान संभाली है। उनके कमांड असाइनमेंट में डेजर्ट सेक्टर में एक आर्मर्ड रेजिमेंट शामिल है। उन्होंने पश्चिमी थिएटर में एक आर्मर्ड ब्रिगेड की भी कमान संभाली है। जम्मू-कश्मीर में काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स का नेतृत्व भी किया है। लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली।

विभिन्न कमांड में...

पश्चिमी कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दक्षिणी कमान का नेतृत्व किया। यह दो परिचालन सेना कमानों की कमान संभालने का दुर्लभ सम्मान है। उन्होंने ढाई साल से अधिक समय तक महत्वपूर्ण थिएटरों में रणनीतिक निगरानी प्रदान की।

आधुनिकीकरण में ....

में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। वह हायर कमांड कोर्स और नेशनल डिफेंस कॉलेज के स्नातक हैं। उन्होंने पेरिस में प्रतिष्ठित कमांड एंड स्टाफ कोर्स में भी भाग लिया है। यह उनकी व्यापक रणनीतिक सोच को दर्शाता है। साथ ही समकालीन सैन्य मामलों की उनकी गहरी समझ को भी प्रदर्शित करता है।

लेडी डॉक्टर पर ...

कमेटी को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। प्रस्तावित कमेटी में एक रिटायर्ड फैकल्टी सदस्य, तीन सीनियर फैकल्टी सदस्य और बाहरी सदस्य के तौर पर एक पत्रकार शामिल हैं, ताकि निष्पक्ष जांच हो। हालांकि सेजल पवार ने शुक्रवार को लिखित माफीनामा सौंपा, जिसमें उन्होंने माना कि उनके कुछ बयान गलत थे और उनसे लोगों को परेशानी हो सकती है। सेजल पवार ने पुरुष शव दान करने वालों के बारे में असंवेदनशील टिप्पणी की थी। इसके बाद महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने प्रणित मोरे, सेजल पवार और दर्शकों में शामिल एक अन्य व्यक्ति हिमांशु जांगरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हिमांशु जिन्होंने डेट पर खर्च किए गए पैसे के बदले शारीरिक संबंध बनाने के बारे में टिप्पणी की थी, इस विवाद के कारण पहले ही अपनी नौकरी खो चुके हैं।

इंडिगो के विमान....

विमान इंजीनियरों की मदद से टॉयलेट में लगे स्पीकर बॉक्स के अंदर से काले प्लास्टिक टेप में लिपटे दो पाउच बरामद किए। इसमें बिस्कुट भरे हुए थे। कस्टम्स एक्ट, 1962 का उल्लंघन करके इसे भारत में तस्करी करने की कोशिश की गई थी। बरामद सोने पर अपना दावा करने के लिए कोई आगे नहीं आया। नतीजतन एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत सोने को लावारिस मानकर ज़ब्त कर लिया गया। पाउच में मिले गोल्ड को 999.0 शुद्धता (24 कैरेट) पाई गई है।

परीक्षा में निष्पक्षता ...

का मकसद परीक्षा केंद्रों पर एक समान मानक स्थापित करना और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देना है। परीक्षा कर्मयोगी कार्यक्रम को चार अलग-अलग मॉड्यूल में विभाजित किया गया है, जो परीक्षा प्रक्रिया के हर चरण को कवर करते हैं।

दुनिया सत्य का नहीं ...

केवल उन्हीं की सुनती है, जिनके पास ताकत होती है। उन्होंने कहा, दुनिया आपको केवल तभी सुनेगी, जब आप ताकतवर होंगे। यदि आप सच्चे हैं, तो यह आपकी बात नहीं सुनेगी। यदि आप मजबूत हैं, तो भले ही आप झूठ के रास्ते पर चलें, कोई आपत्ति नहीं करेगा। भले ही आप जाकर वेनेजुएला पर कब्जा कर लें, कोई कुछ नहीं कहेगा, क्योंकि आप मजबूत हैं। दुनिया ऐसी ही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू समाज को मजबूत बनाने, उसे एकजुट करने और अपनत्व की भावना से जोड़ने का कार्य कर रहा है, जैसा कि हम हमेशा से एक राष्ट्र रहे हैं, हैं और रहेंगे-और यह एक हिंदू राष्ट्र है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि जब संघ हिंदू कहता है, तो उसका मतलब केवल पूजा की एक पद्धति से नहीं होता।

सीएम ने कहा-...

मीडिया संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम पीएम नरेंद्र मोदी के 12 सालों के सुशासन व विकास के कामों पर फोकस था। उन्होंने कहा कि मप्र में ही पिछले दो साल में अनेकों विकास कार्य हुए। बाबा महाकाल का महालोक बनाया गया। एक संकल्प से धार्मिक पर्यटन का बढ़ा बदलाव आया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार 25 साल से सीएम और पीएम के रूप में सेवा का कार्य कर रहे हैं। 12 वर्ष प्रति बारह का अंक हमारे लिए उत्साहवर्धक है। सिंहस्थ भी बारह वर्ष में ही होता है। जीआईएस हमने भोपाल में आयोजित कर नया कीर्तिमान बनाया। न्याय प्रणाली में भारतीयता का तत्व वापस आया है।

18 वर्षों तक...

साकार करने का प्रयास किया गया है। प्रधान ने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों की भागीदारी बढ़ी है और विभिन्न सरकारी योजनाओं का सबसे अधिक लाभ महिलाओं को मिला है। देश में ढाई लाख से अधिक स्टार्टअप युवाओं को रोजगार और नवाचार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने मप्र को कृषि आधारित आर्थिक गतिविधियों के क्षेत्र में देश का मॉडल राज्य बताते हुए कहा कि राज्य ने कृषि विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सर्विस सेक्टर, एक्सपोर्ट में भारत आगे है। पिछले 12 साल में कई पहल की गई हैं।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जिला बैतूल (मप्र.)
E-Mail: dmbetul@mp.gov.in
क्र. 2/0160/2026/वित्त स्था. बैतूल दिनांक 13/06 /2026

// निविदा सूचना //

जिला कलेक्टर कार्यालय अंतर्गत विभिन्न शासकीय कार्यालयों/अधिकारियों को शासकीय कार्य दायित्व निर्वहन के लिए मितव्ययी दर पर किराए से वाहन लेने हेतु वाहन किराया की न्यूनतम दर प्राप्त करने हेतु खुली निविदा GEM PORTAL के माध्यम से BID NO: GEM/2026/B/7648931 एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) के लिए BID NO: GEM/2026/B/7659961 Date: 12-06-2026 निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक और पात्र निविदाकार, निविदाओं से संबंधी जानकारी, नियम व शर्तें GEM PORTAL पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं। सभी पात्र निविदाकार सादर आमंत्रित है।

डिप्टी कलेक्टर, बैतूल

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल (म.प्र.)
पता - आकाशवाणी के सामने, बैतूल, जिला-बैतूल (म..प्र.) पिन: 460001
E-Mail dfotsbetul@mp.gov.in Fax/Phone: 07141-234266

खंड - I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन
ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 875/ ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 09/06/2026 वनमंडलाधिकारी, दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत वन्य एवं वन्यप्राणी तथा अन्य वन संपदा की प्रभावी सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये वित्तीय वर्ष 2026-27 (31 मार्च 2027 तक) के लिए मासिक किराये पर वाहन अनुबंधित करने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्यालय का नाम	वाहन संख्या	वाहन का प्रकार	सत्यंकार की निधि (रू.में)	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	परिक्षेत्र अधिकारी आमला (सा.)	01	बोलेरो / स्कार्पियों	20,000	500/-
2	परिक्षेत्र अधिकारी ताप्ती (सा.) मुख्या. बैतूल	01	बोलेरो / स्कार्पियों		
3	परिक्षेत्र अधिकारी मुलताई (सा.)	01	बोलेरो / स्कार्पियों		
4	परिक्षेत्र अधिकारी आठनेर (सा.) मुख्या. मोर्शी	01	बोलेरो / स्कार्पियों		
5	परिक्षेत्र अधिकारी भैसदेही (सा.)	01	बोलेरो / स्कार्पियों		
6	परिक्षेत्र अधिकारी सावलमेंढा (सा.)	01	बोलेरो / स्कार्पियों		
7	वनचौकी अंधेरबावडी परिक्षेत्र सावलमेंढा (सा.)	01	बोलेरो / स्कार्पियों		
8	दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल, उड़नदस्ता	01	बोलेरो / स्कार्पियों		

1-निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं।
2-इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर (दिनांक) 13-06-2026 समय 11:00 AM से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
3-ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लिखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
4-ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5-ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल - https://www.mptenders.gov.in/

क्रमांक	विवरण	दिनांक	समय
1	Publishing Date	13-06-2026	निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाइट - https://www.mptenders.gov.in/ पर दर्शित है।
2	Document Download/Sale start Date	13-06-2026	
3	Bid Submission start Date	14-06-2026	
4	Bid Submission Closing Date	29-06-2026	
5	Bid Opening Date	30-06-2026	

जी-14318/26 स्वच्छता ही सेवा
वनमंडलाधिकारी
दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल

हरिभूमि क्लासीफाइड — आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन — संपर्क सूत्र : 9407279644

भोपाल की सबसे कम कीमत में सबसे ज्यादा सुविधा के साथ — क्लासेस रात्रि 10 बजे तक उपलब्ध है। DCA PGDCA में प्रवेश लेने पर ... FREE GYM+CPCT +LIBRARY एक साल तक फ्री — और साथ में Free DCA, PGDCA की All Subject की Books, Q Bank Notes आदि भी फ्री उपलब्ध है। ONLY LIBRARY 299/- भोपाल कम्प्यूटर एकेडमी (अधिकृत: माखनलाल विश्वविद्यालय) Plot No. 15, NIRMAL TOWER, NEAR APSARA CINEMA, ABOVE SBI BANK, ASHOKA GARDEN, BHOPAL M. 86027-11111

हरिभूमि भोपाल बाजार — विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473
प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर — साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल मो. 7772079910

WE PROVIDE THE BEST SOLAR ENERGY — भारत का सबसे सस्ता और अच्छा सोलर — COMPLETE Solar Solutions — Sirf ₹72,000 Mein! Solar Lagaye 3.3kW Bachat ka Naya Tareeka! BEST OFFER — Na 2 Lakh Mein.. Na 1.5 Lakh Mein.. HURRY UP! Contact us 99932-41867 — सोलर लगवाने से पहले एक बार हमसे जरूर संपर्क करें। BRANDS we deal with! TATA POWER SOLAROOF, WAAREE, adani Solar, ECE INDIA — Aura Mall, Bhopal, 462010

Medical Help Line — विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद — सफेद दाग — सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव — Timing 10:30 am to 8:00 pm — Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC — कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409 — 5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे। 18 से 80 वर्ष तक लाभदायक — लिंगको 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ायें, नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 09083218330 — R-01-06-2026,to 16-07-26

वैवाहिकी — वधु चाहिए — अग्रवाल गोत्र- गोयल उम्र- 34, हाइट 5'-10" व्यवसायी युवक सांवला (म.प्र.) निवासी वर के लिए सेजूएट एवं गृहकार्य में दक्ष वधु चाहिए। तलाकशुदा भी मान्य। सर्व वैश्य मान्य। वधु पक्ष फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप करें- सम्पर्क करें 9131604310 9300328290

हरिभूमि — आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना — Rs.1200/- 12X4 cm — अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm — 1 अप्रैल 2025 से लागू

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय — बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध — UG COURSE: B.A., BCA, BBA, BPES, BSC, B.Com (Economics/Computer) — PG COURSE: M.A: HINDI, ENGLISH, MATHS, ECONOMICS, POLITICAL SCIENCE, SOCIOLOGY & SOCIAL WORK; M.Com: ACCOUNTS & MANAGEMENT; B.Lib: (Librarian Science); B.Ed.: BACHELOR OF EDUCATION (ONLINE COUNSELLING) — DIPLOMA COURSE: PG DCA: DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION; D.EL.ED: DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION — Mob. 9827208070, 9425346230, 9893194695, 9981291288 — पता: डी-1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल | www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

शब्द पहेली - 6256

बाएँ से दाए
1. असह्य,नागवार-5
4. कली-3
6. पराया,पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी,सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल,धोखा-3
16. पक्षी,उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा,पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत,मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल,जान-2
27. रसदार-3
28. जगत,दुनिया-2
29. नग,मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र,राधेय-3
5. वश,अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली,शुद्ध-3
13. हठ करना,रोना -4
15. हारा हुआ,पराजित-3
16. मशवरा,सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना,स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी,चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6255 का हल

■	अ	ह	म	क	■	जा	य	दा	द	■
ल	■	क	म	र	■	न	म	न	■	अ
व	स	■	ता	त	■	का	ज	■	हा	र
कु	ली	न	■	ल	ह	र	■	रा	ज	मा
श	ब	न	म	■	म	■	आ	स	मा	न
■	■	■	सा	फ	स	फा	ई	■	■	■
अ	च	र	ज	■	फ	■	ना	ला	य	क
व	म	न	■	ह	र	म	■	ल	की	र
ता	न	■	स	जा	■	हा	र	■	न	त
र	■	क	र	म	■	व	ज	न	■	ब
■	ग	फ	ल	त	■	त	क	दी	र	■

सूडोकु नवताल - 6266

★★★☆☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6265 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

महंगाई व टैक्स के दौर में

एफडी क्या सचमुच बढ़ा रही है बचत

तैयारी
बिजनेस डेस्क

फिक्स्ड डिपॉजिट आज भी पूंजी की सुरक्षा और स्थिर आय के लिए एक मजबूत विकल्प है, लेकिन केवल एफडी के भरोसे लंबी अवधि में बड़ी संपत्ति बनाना आसान नहीं है। महंगाई और टैक्स मिलकर इसके वास्तविक रिटर्न को काफी कम कर सकते हैं। इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार एफडी के साथ अन्य निवेश विकल्पों का संतुलित उपयोग करना चाहिए। आखिरकार निवेश की असली सफलता बैंक बैलेंस बढ़ने में नहीं, बल्कि समय के साथ आपकी क्रय शक्ति बढ़ने में छिपी होती है।

खास बातें

1. 5 प्रतिशत महंगाई के बीच एफडी कैसे बन रहा है सीमित कमाई का साधन
2. विशेषज्ञों ने दी निवेश की रणनीति बदलने की सलाह
3. सुरक्षित निवेश तो है, लेकिन लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण के लिए अकेली एफडी काफी नहीं

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लंबे समय से सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का प्रतीक माना जाता रहा है। निश्चित ब्याज, पूंजी की सुरक्षा और आसान प्रक्रिया के कारण लाखों निवेशक अपनी बचत एफडी में लगाते हैं। लेकिन बदलते आर्थिक माहौल में केवल ब्याज दर को देखकर निवेश का आकलन करना पर्याप्त नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी निवेश की वास्तविक सफलता इस बात से तय होती है कि वह महंगाई और करों का असर झेलने के बाद निवेशक की क्रय शक्ति को कितना बढ़ा पाता है। यदि एफडी पर मिलने वाला रिटर्न महंगाई दर के बराबर या उससे कम है, तो खाते में रकम बढ़ने के बावजूद वास्तविक लाभ सीमित रह जाता है। खासकर उच्च आयकर स्लैब वाले निवेशकों के लिए टैक्स कटने के बाद एफडी का रिटर्न और कम हो जाता है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या एफडी केवल धन सुरक्षित रखने का साधन है या फिर वास्तव में संपत्ति निर्माण का भी प्रभावी माध्यम है।

पूंजी सुरक्षा के लिए बेहतर, लेकिन वेल्थ क्रिएशन के लिए जरूरी है विविध निवेश रणनीति

महंगाई क्यों कम कर देती है

- मान लीजिए किसी निवेशक को एफडी पर 6 प्रतिशत ब्याज मिलता है और उसी अवधि में महंगाई दर 5 प्रतिशत रहती है। ऐसे में निवेशक का वास्तविक लाभ केवल 1 प्रतिशत के आसपास रह जाता है।
- वित्तीय सलाहकार इसी कारण ₹रियल रिटर्न₹ पर जोर देते हैं। रियल रिटर्न का अर्थ है निवेश से मिलने वाला वास्तविक लाभ, जो महंगाई घटाने के बाद बचता है।
- रियल रिटर्न = निवेश पर रिटर्न – महंगाई दर
- यदि एफडी का ब्याज 4.9 प्रतिशत और महंगाई 5 प्रतिशत है, तो निवेशक की क्रय शक्ति बढ़ने के बजाय घट भी सकती है।

एसबीआई की एफडी दरें क्या बताती हैं?

- 5 प्रतिशत महंगाई को आधार मानें तो छह महीने तक की छोटी अवधि वाली कई एफडी योजनाएं महंगाई को मात देने में संघर्ष करती दिखाई देती हैं। इन पर मिलने वाला ब्याज 3.05 प्रतिशत से 4.9 प्रतिशत के बीच है।
- हालांकि 1 से 3 वर्ष की अवधि वाली एफडी अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। इस अवधि में एसबीआई करीब 6.25 से 6.4 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है, जिससे वास्तविक रिटर्न लगभग 1.25 से 1.4 प्रतिशत तक पहुंचता है। दिलचस्प बात यह है कि 5 से 10 वर्ष तक की लंबी अवधि की एफडी में भी महंगाई के बाद वास्तविक लाभ बहुत अधिक नहीं बढ़ता। यानी केवल लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से बड़ा लाभ मिलने की गारंटी नहीं है।

टैक्स के बाद और घट जाता है रिटर्न

महंगाई के अलावा टैक्स भी एफडी निवेशकों की कमाई को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए 6.4 प्रतिशत ब्याज वाली एफडी पर।

- शून्य टैक्स स्लैब में रिटर्न: 6.4%
- 20% टैक्स स्लैब में रिटर्न: 5.12%
- 30% टैक्स स्लैब में रिटर्न: 4.48%
- यानी 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले निवेशक के लिए 6.4 प्रतिशत का ब्याज प्रभावी रूप से 4.48 प्रतिशत रह जाता है, जो 5 प्रतिशत महंगाई से भी कम है। ऐसे में वास्तविक रिटर्न नकारात्मक हो सकता है।

लिक्विड फंड बन सकते हैं विकल्प

कम अवधि के निवेश के लिए लिक्विड फंड भी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, एक प्रमुख लिक्विड फंड ने पिछले एक वर्ष में 6.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जो अधिकांश एफडी योजनाओं के बराबर या उनसे बेहतर रहा। हालांकि एफडी की तरह लिक्विड फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती। ये बाजार से जुड़े होते हैं और समय के साथ इनमें उतार-चढ़ाव संभव है।

फिर भी एफडी क्यों है पसंदीदा?

एफडी की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण इसकी सुरक्षा और निश्चितता है। निवेशक को पहले से पता होता है कि उसे कब और कितना पैसा मिलेगा। एफडी विशेष रूप से इन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है:

- सेवानिवृत्त व्यक्ति
- आपातकालीन फंड रखने वाले निवेशक
- 1 से 3 वर्ष के लक्ष्यों के लिए बचत करने वाले लोग
- कम जोखिम पसंद करने वाले निवेशक

कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं?

- बेहतर महंगाई-समायोजित रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार निम्न विकल्पों पर विचार कर सकते हैं।
- लिक्विड फंड
- मनी मार्केट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड
- आरबीआई फ्लोटिंग रेट सेविंग्स बॉन्ड
- लंबी अवधि के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड

हर महिला को जरूर अपनानी चाहिए ये 5 वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स

बिजनेस डेस्क

आज की महिलाएं सिर्फ परिवार और करियर की जिम्मेदारियां ही नहीं निभा रहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बदलते दौर में वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति निर्माण महिलाओं की प्राथमिकताओं में शामिल हो चुका है। हालांकि, कई महिलाएं अभी भी निवेश, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पातीं, जिससे भविष्य में आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सही वित्तीय योजना और अनुशासित निवेश के जरिए महिलाएं न केवल अपने वर्तमान को सुरक्षित बना सकती हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आर्थिक आधार भी तैयार कर सकती हैं। नियमित निवेश, आपातकालीन फंड, पर्याप्त बीमा और वित्तीय निर्णयों में सक्रिय भागीदारी जैसे कदम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। आइए जानते हैं ऐसी पांच महत्वपूर्ण वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स, जिन्हें अपनाकर महिलाएं अपने भविष्य को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बना सकती हैं।

निवेश को करें ऑटोमेटिक

नियमित निवेश की आदत बनाने का सबसे आसान तरीका है निवेश को ऑटोमेट करना। इसके लिए सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) या फिर आरडी में निवेश कर सकते हैं और हर महीने नियमित निवेश कर सकते हैं। ऑटोमैटिक निवेश की सुविधा से करियर में बदलाव या आय में उतार-चढ़ाव के दौरान भी निवेश जारी रहता है। इससे समय के साथ कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है और बिना ज्यादा निगरानी के अच्छी संपत्ति बनाई जा सकती है।

रिटायरमेंट के लिए अलग फंड बनाएं

रिटायरमेंट प्लानिंग को टालना भविष्य में आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसे में करियर की शुरुआत से ही आय का एक हिस्सा रिटायरमेंट फंड के लिए अलग रखना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी खर्च और अन्य दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए भी अलग निवेश योजना बनाना फायदेमंद रहता है। समय-समय पर इन निवेशों की समीक्षा करना भी जरूरी है।

अपने फैसले खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

वित्तीय फैसलों की जिम्मेदारी खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

मजबूत इमरजेंसी फंड तैयार करें

जीवन में कब कौन सी चुनौती सामने आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, स्वास्थ्य संबंधी समस्या या कोई अन्य अप्रत्याशित खर्च आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा कवरेज ही काम आता है।

ईपीएफ का छिपा फायदा

8.25% ब्याज, लेकिन असली रिटर्न 11.8%

विशेषज्ञों का मानना है कि ईपीएफ केवल बचत का माध्यम नहीं, बल्कि रिटायरमेंट योजना की रीढ़ है। नियमित योगदान, चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ, कर छूट और सरकारी निगरानी इसे एक भरोसेमंद निवेश बनाती है। यदि कर्मचारी नौकरी के शुरुआती वर्षों से ही ईपीएफ को गंभीरता से लें और बीच में निकासी से बचें, तो रिटायरमेंट तक एक बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारत में नौकरीपेशा लोगों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) लंबे समय से रिटायरमेंट बचत का एक भरोसेमंद माध्यम रहा है। हर महीने वेतन से कटने वाली राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज कर्मचारियों को भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि कई लोग ईपीएफ को केवल एक अनिवार्य बचत योजना मानते हैं और इसकी तुलना म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार या अन्य निवेश विकल्पों से करते हुए इसे कम रिटर्न वाला निवेश समझ बैठते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ईपीएफ की वास्तविक ताकत केवल इसकी घोषित ब्याज दर में नहीं, बल्कि इसके साथ मिलने वाले कर लाभ और पूंजी सुरक्षा में छिपी है। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। पहली नजर में यह रिटर्न सामान्य लग सकता है, लेकिन यदि कर लाभों को भी जोड़कर देखा जाए तो पुराने टैक्स रिजीम में 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले कर्मचारियों के लिए इसका प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार ईपीएफ को नौकरीपेशा लोगों के लिए सबसे मजबूत और सुरक्षित रिटायरमेंट निवेश विकल्पों में गिनते हैं।

कैसे बढ़ जाता है ईपीएफ का वास्तविक रिटर्न?

अधिकांश निवेशक किसी भी योजना का मूल्यांकन केवल उस पर मिलने वाले ब्याज या रिटर्न के आधार पर करते हैं। लेकिन ईपीएफ के मामले में यह तरीका पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। इसकी वजह यह है कि ईपीएफ निवेश पर कर छूट का अतिरिक्त लाभ मिलता है। मान लीजिए कोई कर्मचारी एक वर्ष में ईपीएफ में 1 लाख रुपये का योगदान करता है। यदि वह पुराने टैक्स रिजीम में है और 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब के अंतर्गत आता है, तो

टैक्स छूट, टैक्स-फ्री ब्याज और सुरक्षित निवेश का लाभ

आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत उसे लगभग 30 हजार रुपये तक की टैक्स बचत मिल सकती है। इसका मतलब यह हुआ कि कर्मचारी की जेब से वास्तविक रूप से केवल 70 हजार रुपये का खर्च हुआ, लेकिन ब्याज पूरे 1 लाख रुपये पर मिलेगा। 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर के हिसाब से एक वर्ष में 8,250 रुपये का ब्याज प्राप्त होगा। यदि इस ब्याज को वास्तविक निवेश यानी 70 हजार रुपये के अनुपात में देखा जाए तो प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत के बराबर बैठता है। यही वह गणित है जिसे कई कर्मचारी नजरअंदाज कर देते हैं और केवल घोषित ब्याज दर देखकर ईपीएफ के वास्तविक लाभ का आकलन नहीं कर पाते।

ईपीएफ की बड़ी ताकत है ईपीएफ टैक्स सुविधा

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार **EPF** की सबसे बड़ी विशेषता इसका ईईई टैक्स ढांचा है। भारत में बहुत कम निवेश विकल्प ऐसे हैं जो यह तीनहरा लाभ प्रदान करते हैं। पहला लाभ निवेश के समय मिलता है। कर्मचारी द्वारा ईपीएफ में जमा की गई राशि पर धारा 80सी के तहत कर छूट का दावा किया जा सकता है। दूसरा लाभ निवेश अवधि के दौरान मिलता है। ईपीएफ खाते में जमा राशि पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह कर मुक्त होता है। तीसरा लाभ निकासी के समय मिलता है। यदि कर्मचारी ने पांच वर्ष या उससे अधिक समय तक लगातार सेवा की है, तो ईपीएफ से निकाली गई राशि भी कर मुक्त रहती है। यानी निवेश से लेकर निकासी तक तीनों चरणों में कर राहत मिलती है। यही वजह है कि ईपीएफ को कर-कुशल निवेश विकल्प माना जाता है।

नए टैक्स रिजीम में भी बना हुआ है आकर्षण

सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम में धारा 80सी के तहत मिलने वाली अधिकांश कर छूट समाप्त कर दी गई है। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि ईपीएफ का महत्व कम हो गया है। हालांकि ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। भले ही नए टैक्स रिजीम में ईपीएफ योगदान पर कर छूट न मिले, लेकिन खाते में मिलने वाला ब्याज अभी भी कर मुक्त रहता है और निर्धारित शर्तों के तहत निकासी पर भी टैक्स नहीं लगता। इसलिए यह योजना आज भी रिटायरमेंट बचत के लिए एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है। हालांकि वर्तमान नियमों के अनुसार कर्मचारी के 2.5 लाख रुपये से अधिक वार्षिक योगदान पर मिलने वाले अतिरिक्त ब्याज के एक हिस्से पर कर लगाया जा सकता है। यह प्रावधान मुख्य रूप से उच्च आय वाले कर्मचारियों पर लागू होता है।

सही होम लोन के चुनाव से मिलेगा बड़ा फायदा

मोरेटोरियम, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन व बैलून पेमेंट से अति. लाभ | होम लोन का चयन करने से पहले विकल्पों को अच्छी तरह समझें

बिजनेस डेस्क

आज के समय में अपना घर खरीदना अधिकांश लोगों का सपना होता है, लेकिन लगातार बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण यह सपना पूरा करना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में होम लोन लाखों लोगों के लिए घर खरीदने का सबसे बड़ा सहारा बनता है। हालांकि होम लोन लेते समय अधिकांश लोग केवल ब्याज दर और ईएमआई पर ध्यान देते हैं, जबकि बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार कई तरह के लोन विकल्प भी उपलब्ध कराती हैं। इन विकल्पों में मोरेटोरियम लोन, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम और बैलून पेमेंट लोन प्रमुख हैं। प्रत्येक योजना की अपनी विशेषताएं, फायदे और कुछ सीमाएं हैं। इसलिए किसी भी होम लोन का चयन करने से पहले इन विकल्पों को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

मोरेटोरियम लोन देता है राहत

मोरेटोरियम लोन उन लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है जो कुछ समय के लिए आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हों या भविष्य में उनकी आय बढ़ने की संभावना हो। इस योजना में उधारकर्ता को एक निश्चित अवधि तक नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। हालांकि यह सुविधा पूरी तरह मुफ्त नहीं होती। मोरेटोरियम अवधि के दौरान भी लोन पर ब्याज लगातार जुड़ता रहता है। बाद में यह ब्याज मूल बकाया राशि में जोड़ दिया जाता है।

नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना

वर्तमान समय में बड़ी संख्या में लोग निर्माणाधीन परियोजनाओं में घर खरीदते हैं। ऐसे खरीदारों के लिए नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम आकर्षक विकल्प हो सकती है। इस योजना में घर का कब्जा मिलने तक खरीदार को नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। कई मामलों में बिल्डर इस अवधि के दौरान ब्याज या ईएमआई का खर्च वहन करता है। इससे खरीदार पर तत्काल वित्तीय बोझ कम हो जाता है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद मानी जाती है जो वर्तमान में किराए के मकान में रह रहे हैं और साथ ही नया घर भी खरीद रहे हैं। इससे उन्हें एक साथ किराया और ईएमआई दोनों का बोझ नहीं उठाना पड़ता। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुविधा की लागत अक्सर किसी न किसी रूप में प्रॉपर्टी की कीमत में शामिल हो सकती है। इसलिए ग्राहकों को योजना के सभी नियम और शर्तें ध्यान से पढ़नी चाहिए।

बैलून पेमेंट लोन बेहतर

बैलून पेमेंट लोन पारंपरिक होम लोन से थोड़ा अलग होता है। इसमें शुरुआती वर्षों के दौरान ईएमआई अपेक्षाकृत कम रखी जाती है, जिससे मासिक भुगतान का दबाव कम रहता है। लेकिन लोन की अवधि के अंतिम चरण में उधारकर्ता को एक बड़ी राशि एकमुश्त चुकानी होती है। इसी बड़े अंतिम भुगतान को बैलून पेमेंट कहा जाता है। यह विकल्प उन लोगों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें भविष्य में आय में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद हो। उदाहरण के लिए किसी कर्मचारी को बड़े बोनस, ईएसओपी (ईएसओपी) से लाभ या वेतन में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की संभावना हो। वहीं व्यवसायियों को भविष्य में किसी बड़े लाभ की उम्मीद हो सकती है। हालांकि यदि अनुमानित आय वृद्धि नहीं होती तो अंतिम भुगतान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसलिए इस विकल्प को चुनते समय वित्तीय स्थिति का वास्तविक आकलन करना जरूरी है।

लोन लेते समय रखें ध्यान

होम लोन का कोई भी विशेष विकल्प चुनने से पहले केवल कम ईएमआई या शुरुआती राहत को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। यह समझना जरूरी है कि लंबे समय में कुल भुगतान कितना होगा और अतिरिक्त सुविधाओं की वास्तविक लागत क्या है। ग्राहकों को लोन की कुल अवधि, कुल ब्याज भुगतान, संभावित जोखिम और अपनी भविष्य की आय की स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। इसके अलावा सभी नियमों और शर्तों को विस्तार से पढ़ना भी जरूरी है।

जरूरत अनुसार चुनें सही विकल्प

हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और जरूरत अलग होती है। इसलिए कोई भी एक लोन योजना सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। जहां मोरेटोरियम लोन अस्थायी राहत प्रदान करता है, वहीं नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना निर्माणाधीन मकान खरीदने वालों के लिए फायदेमंद हो सकती है। दूसरी ओर बैलून पेमेंट लोन उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें भविष्य में अधिक आय की उम्मीद हो। विशेषज्ञों का मानना है कि सही जानकारी और सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के साथ चुना गया होम लोन न केवल घर खरीदने का सपना पूरा करता है, बल्कि लंबे समय तक वित्तीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

पति-पत्नी दोनों कमाते हैं तो सही बजट, नियमित संवाद जरूरी

डबल इनकम, डबल सुरक्षा : नौकरीपेशा दंपतियों के लिए कुछ जरूरी वित्तीय नियम

बेहतर आर्थिक भविष्य के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच, मेडिकल इमरजेंसी फंड और पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा परिवार को अचानक आने वाले खर्चों से बचा सकते हैं। इसके अलावा जीवन बीमा भी परिवार की आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में जब पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं, तो परिवार की आय बढ़ने के साथ-साथ आर्थिक अवसर भी बढ़ जाते हैं। घर खरीदने, बच्चों की शिक्षा, बेहतर जीवनशैली और सुरक्षित रिटायरमेंट जैसे बड़े लक्ष्य अपेक्षाकृत आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि दोहरी आय के साथ वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। कई बार खर्च, बचत और निवेश को लेकर स्पष्ट योजना न होने से मतभेद और आर्थिक असंतुलन पैदा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि डबल इनकम वाले दंपतियों के लिए नियमित वित्तीय चर्चा, साझा बजट, व्यक्तिगत और संयुक्त खर्चों के बीच संतुलन, पर्याप्त बीमा और अनुशासित निवेश बेहद जरूरी हैं। यदि दोनों साथी मिलकर स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करें और उनके अनुसार योजना बनाएं, तो न केवल वर्तमान जरूरतें बेहतर ढंग से पूरी की जा सकती हैं, बल्कि भविष्य की आर्थिक चुनौतियों का सामना भी आसानी से किया जा सकता है। छोटी-छोटी वित्तीय आदतें लंबे समय में बड़ी सफलता की नींव बनती हैं।

'मेरा, तुम्हारा और हमारा' फॉर्मूला अपनाएं

शादी के बाद भी आर्थिक स्वतंत्रता का महत्व बना रहता है। इसके लिए आय को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। एक हिस्सा साझा खर्चों और पारिवारिक लक्ष्यों के लिए, जबकि बाकी दोनों पार्टनर के व्यक्तिगत खर्चों के लिए रखा जा सकता है। इससे जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत जरूरतों के बीच संतुलन बना रहता है।

पैसों को लेकर खुलकर करें बातचीत

अक्सर दंपति आय और खर्चों को लेकर नियमित चर्चा नहीं करते, जिससे कई बार गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर महीने एक तय समय पर बैठकर आय, खर्च, बचत और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करनी चाहिए। इससे वित्तीय फैसले पारदर्शी बनते हैं और आपसी विश्वास भी मजबूत होता है।

सही वित्तीय योजना से रख सकते हैं सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव

मिलकर बनाएं संतुलित बजट

दोनों की कुल आय को ध्यान में रखते हुए मासिक बजट तैयार करना जरूरी है। इसमें घर का किराया, राशन, बच्चों की जरूरतें, यात्रा और अन्य नियमित खर्चों के साथ भविष्य के लक्ष्यों के लिए भी राशि निर्धारित करनी चाहिए। एक व्यवस्थित बजट अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद करता है।

बचत और निवेश को बनाएं आदत

दोहरी आय का सबसे बड़ा लाभ तभी मिलता है जब उसका एक हिस्सा नियमित रूप से बचत और निवेश में लगाया जाए। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह देते हैं। इसके बाद जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार म्यूचुअल फंड, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में निवेश किया जा सकता है।

छोटी आदतें, बड़ा फायदा

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक सफलता किसी एक बड़े फैसले से नहीं, बल्कि रोजमर्रा की छोटी और अनुशासित आदतों से हासिल होती है। नियमित संवाद, सही बजट, पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्थित निवेश के जरिए डबल इनकम वाले दंपति अपने सपनों को तेजी से पूरा कर सकते हैं और भविष्य को अधिक सुरक्षित बना सकते हैं।

भारत ने पहली बार अपने 12 परमाणु हथियारों को सक्रिय स्थिति में रखा है। अब देश के शस्त्रागार को केवल 'भंडारित' के बजाय 'परिचालन रूप से तैनात' माना गया है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम चीन और पाकिस्तान की ओर से बढ़ते खतरों के बीच भारत की द्वितीय-प्रहार क्षमता को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। अब हमारे पास 190 परमाणु बम हैं। हालांकि, 2003 में उद्घोषित की गई अपनी परमाणु सैन्य सुरक्षा रणनीति के तहत भारत अपनी तरफ से प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा। आज उच्च तकनीकी विकास, 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने स्थिति को पूरी तरह पलट दिया है। हथियारों व सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी राष्ट्रों पर निर्भर रहने वाला भारत आज हथियार बाजार का एक बड़ा खिलाड़ी बन गया है। देश पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का स्वयं निर्माण करने जा रहा है। बेशक, रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, लेकिन अभी भी देश को एक लंबा सफर तय करना है। आंकड़े बताते हैं कि सफर लंबा जरूर है, लेकिन मुश्किल नहीं है। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

आक्रामक हुई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति !

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय
विदेशी मामलों के जानकार

क्या भारत अब रक्षात्मक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के स्थान पर आक्रामक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अनुसरण करेगा? यह यक्ष प्रश्न तब उभरा है, जबकि स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट संक्षेप में एसआईपीआरआई द्वारा इस ज्वलंत तथ्य को उद्घाटित किया गया कि आधुनिक इतिहास में पहली दफा भारत द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों पर लैस करके 12 न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों को सक्रिय स्थिति में अपने सुरक्षात्मक मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है। अभी तक सभी बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर बम भारत के अलग-अलग गोदामों में सुरक्षित रखे गए थे। न्यूक्लियर बम की सक्रिय स्थिति में तैनाती के निर्णय को भारत की राष्ट्रीय सैन्य सुरक्षा रणनीति में बुनियादी बदलाव करार दिया गया है।

विश्व पटल पर यक्ष प्रश्न उभरा है कि क्या भारत द्वारा अपनी परंपरागत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का परित्याग कर दिया गया है? क्या भारत अब रक्षात्मक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के स्थान पर आक्रामक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अनुसरण करेगा? यह यक्ष प्रश्न तब उभर कर विश्व के सामने उपस्थित हुआ है, जबकि स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट संक्षेप में एसआईपीआरआई द्वारा इस ज्वलंत तथ्य को उद्घाटित किया गया कि आधुनिक इतिहास में पहली दफा भारत द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों पर लैस करके 12 न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों को सक्रिय स्थिति में अपने सुरक्षात्मक मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है।

गौरतलब है कि एसआईपीआरआई विश्व स्तर पर आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों की खरीद फरोख्त और विश्व पटल पर अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण पर खर्च की जाने वाली अकूत धन दौलत का जायजा लेने के लिए शोध कार्य अंजाम देता है। एसआईपीआरआई के बताए तथ्यों का भारत सरकार द्वारा कदाचित खंडन नहीं किया गया है। अतः अंतरराष्ट्रीय तौर पर इस तथ्य को स्वीकार कर लिया गया है कि अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन और उत्तरी कोरिया की तरह भारत ने भी अपने न्यूक्लियर बमों को बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ सन्नद करके अपने सैन्य सुरक्षा मोर्चों पर बाकायदा तैनात कर दिया है। अभी तक सभी बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर बम भारत के अलग-अलग अस्त्र शस्त्र सैन्य गोदामों में सुरक्षित रखे गए थे। न्यूक्लियर बम को सक्रिय स्थिति में तैनात करने के निर्णय को भारत की राष्ट्रीय सैन्य सुरक्षा रणनीति में बुनियादी बदलाव करार दिया जा रहा है।

सुरक्षात्मक सैन्य रणनीति

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के इस बदलाव से क्या यह समझ लिया जाए कि भारत परंपरागत सुरक्षात्मक सैन्य रणनीति का परित्याग करके, क्या भारत आक्रामक सैन्य सुरक्षा रणनीति की तरफ बढ़ गया है? सन् 2003 में भारत ने अपने परमाणु सैन्य रणनीति का सैद्धांतिक तौर पर खुलासा कर दिया था। भारत सरकार द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में बाकायदा ऐलान किया गया था कि भारत द्वारा न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग तभी किया जाएगा, जब भारत पर न्यूक्लियर आक्रमण अंजाम दिया जाएगा। भारत अपनी तरफ से प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा। भारत आज 2003 में उद्घोषित की गई, अपनी परमाणु सैन्य सुरक्षा रणनीति पर बाकायदा कायम है। भारत द्वारा परमाणु अस्त्र-शस्त्रों की सैन्य मोर्चे पर तैनाती के निर्णय ने वस्तुतः सारी दुनिया को अचंभित किया है। क्योंकि भारत को विश्व पटल पर शांति का मसीहा और बुद्ध और गांधी का देश स्वीकार किया जाता है।

अपनी घोषित नीति पर अडिग

अन्याय पूर्ण हिंसक आक्रमण का जवाब न्यायपूर्ण प्रतिहिंसक कार्यवाही द्वारा प्रदान करने का सैद्धांतिक आधार महात्मा बुद्ध द्वारा ही प्रतिपादित किया गया था और महात्मा गांधी द्वारा भी कायरता और हिंसा के मध्य विकल्प चुनने की स्थिति में हिंसा को ही विकल्प चुनने के लिए कहा था। न्यूक्लियर अस्त्र शस्त्रों की सैन्य मोर्चे पर तैनाती के बावजूद न्यूक्लियर बम द्वारा पहले इस्तेमाल करके प्रहार न करने की अपनी घोषित नीति पर भारत सदैव डटा रहेगा। अतः यह कहना एकदम अनुचित होगा कि भारत ने अपनी सुरक्षा सैन्य रणनीति में कोई बुनियादी बदलाव अंजाम दिया है। भारत की परमाणु बमों से लैस पनडुब्बियां क्रमशः आईएनएस अरिहंत, आईएनएस अरिघात और आईएनएस अरिदमन हैं, जो कि हिंद महासागर में तैनात कर दी गई। परमाणु अस्त्र शस्त्रों के जो आंकड़े विश्व पटल पर उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक विश्व के परमाणु बमों से लैस देशों के पास कुल मिलाकर 12187 परमाणु बमों का जखीरा विद्यमान हैं।

हमारे पास 190 परमाणु बम

परमाणु बमों की संख्या में से तकरीबन 4012 सैन्य मोर्चेबंदी पर तैनात किए गए हैं। तकरीबन 2200 परमाणु बमों को हाई रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ सन्नद करके हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि उनको किसी भी वक्त दागा जा सके। रूस के पास अनुमानित तौर पर 6700 परमाणु बम हैं। अमेरिका के पास अनुमानित तौर से 5500 परमाणु बम हैं। चीन के पास अनुमानित रूप से तकरीबन 685 परमाणु बम हैं। भारत के पास केवल 190 परमाणु बम हैं और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु बम हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च अमेरिका करता है जो कि 954 बिलियन डॉलर है। भारत द्वारा वर्तमान बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केवल 93 बिलियन डॉलर रखे गए हैं। परमाणु संपन्न देश बनने के लिए भारत की ऐतिहासिक यात्रा अत्यंत दुश्वार और कठिनाइयों से परिपूर्ण रही है। विश्व पटल पर सबसे पहला परमाणु बम अमेरिका द्वारा वैज्ञानिक ओपनहाइमर के निर्देशन में निर्मित किया गया था। भारत को परमाणु संपन्न देश बनने की राह में सबसे अधिक रुकावट अमेरिका द्वारा ही उत्पन्न की गई थी। जबकि पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनाने में सबसे अधिक मदद भी अमेरिका द्वारा की गई। चीन द्वारा जब सन् 1964 में कामयाब परमाणु परीक्षण करके परमाणु बम निर्मित कर लिए गए तो फिर भारत ने भी परमाणु संपन्न देश बनने की दिशा में सोचना प्रारंभ किया।

पाकिस्तान को बड़ा पैगाम

भारत द्वारा फिलहाल 12 परमाणु बमों की राष्ट्रीय सुरक्षा मोर्चे पर तैनाती वस्तुतः पाकिस्तान को सबसे बड़ा पैगाम है, क्योंकि पाकिस्तान प्रायः भारत को परमाणु बम आक्रमण की धमकियां दिया कर है। लॉन्ग रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ परमाणु बम को सन्नद करने का भारतीय निर्णय यकीनन विस्तारवादी चीन को भी एक स्पष्ट पैगाम है। अब चीन का हर इलाका भारतीय परमाणु बमों की रेंज में आ गया है। अपनी ऐतिहासिक परंपराओं का निर्वाह करते हुए, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति कदापि आक्रमणकारी नहीं होगी, किंतु अपनी राष्ट्रीय रक्षात्मक रणनीति के तहत परमाणु बम का इस्तेमाल करने में जरा भी संकोच नहीं करेगी।

खास बातें

- वर्तमान बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केवल 93 बिलियन डॉलर रखे गए
- भारत ने सन् 2003 में घोषित की थी अपनी परमाणु सैन्य रणनीति
- प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा देश
- अब पाक के साथ चीन का इलाका भी भारतीय परमाणु बमों की रेंज में आया

प्रारंभ हुई 'मेक इन इंडिया' की उपलब्धि

सफलता

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

गुजरात के वडोदरा में भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र ने एक नए इतिहास की रचना की है। भारत में निर्मित सी-295 सैन्य परिवहन विमान सफलतापूर्वक अपनी पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर चुका है। यह विमान गुजरात के वडोदरा स्थित फाइनल असेंबली लाइन से उड़ान भरकर 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया है। टाटा और एयरबस की साझेदारी से बने इस प्रोजेक्ट में 56 विमान बनाए जाएंगे। मेक इन इंडिया की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। इसके अंतर्गत वर्तमान में यह योजना 27 प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, लेकिन विमान के क्षेत्र में यह पहली बार हुआ और सरकार इसको अपना सबसे बड़ा प्रोडक्ट बताने में सार्थक हुई। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि यदि सरकार का यह कदम सार्थक सिद्ध हो गया तो निश्चित तौर पर विश्व पटल पर भारत की उपस्थिति बड़े स्तर पर दर्ज हो जाएगी, लेकिन सवाल यही है कि क्या एक परीक्षण से इसको सफल मान लिया जाए या अभी और प्रतीक्षा करनी चाहिए। हालांकि संबंधित अधिकारियों के अनुसार यह हर तकनीकी पहलू में पास हो चुका है, तभी इसकी सफलतापूर्वक उड़ान हुई है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस सफल परीक्षण उड़ान के बाद यह कार्यक्रम अब अपने अगले चरण में पहुंच गया है और उम्मीद है कि इसी साल भारतीय वायुसेना को भारत में बना पहला सी-295 विमान सौंप दिया जाएगा। भारतीय वायुसेना वर्तमान में मुख्य रूप से यूक्रेन, रूस, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, और स्वदेशी रूप से भारत में निर्मित विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करती है, जो सभी एक विशेष विमान हैं और इस श्रृंखला में सी-295 भी शामिल होने जा रहा है। यह पूरा कार्यक्रम करीब इक्कीस हजार करोड़ रुपये का है, जिसके तहत कुल सी-295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। यह विमान भारतीय वायुसेना के पुराने एवीआरओ-748 विमानों की जगह लेंगे, जो 1960 के दशक से सेवा में हैं। यदि यह विमान संपूर्ण रूप से वर्चस्व में आ जाता है तो देश को सालाना कई अरबों का फायदा हो सकता है। चूंकि इस तरह के विमानों को हम विदेशों से ही खरीदते हैं, जिससे कई अरब रुपये बाहर चला जाता है। यदि यही पैसा देश में रहता है तो हमारी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत होगी। यदि भारत में विमानों के पार्ट्स अपने वाहनों के अलावा बनाने के लिए बाहरी देशों में बेचें जाए तो इससे भी भारत को आर्थिक तौर पर मजबूती मिलेगी। जैसा कि बताया जा रहा है कि नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने की क्षमता, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है और करीब 37 भारतीय कंपनियां इस सप्लाई चेन का हिस्सा हैं। यदि 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण करने में सार्थक हो चुके और सभी संबंधित कंपनियां भारतीय हैं तो सफलता का स्तर बहुत बड़ा व सक्षम भविष्य के लिए अच्छा संकेत हैं। वैसे तो बीते कई वर्षों से हम बहुत सारी ऐसी चीजों का निर्माण कर रहे हैं जिससे बाहरी आत्मनिर्भरता धीरे-धीरे खत्म हो रही है। यदि इस विमान के क्षेत्रों में हम संपूर्ण सफलता पा लेते हैं तो यह वाकई नए भारत की नई तस्वीर बन जाएगी। वैसे सी-295 फॉर्मेट पहले से कई देशों में इस्तेमाल हो रहा है। यह विमान सैनिकों और सामान की ढुलाई, मेडिकल इवैक्यूएशन, निगरानी और टोही मिशन के साथ-साथ आपदा राहत और मानवीय सहायता जैसे कार्यों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी विश्वसनीयता और उपयोगिता इसे आधुनिक सैन्य जरूरतों के लिए बेहद उपयोगी बनाती है। इस विमान का फॉर्मेट वैसे तो अपने अपने देश में बनाया हुआ कामयाब है, लेकिन अब भारत की बारी है। इस बार इस विमान को विशेष बनाने के लिए इसे खराब मौसम बचाव, दुर्गम क्षेत्रों (जैसे हिमालय और नॉर्थ-ईस्ट) और छोटी या कच्ची हवाई पट्टियों से आसानी से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह विषम परिस्थिति में क्षतिग्रस्त व प्रभावित न हो। इस विमान को लेकर भारत सरकार व नागरिकों में एक अद्भुत व सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। जहां दशक भर विपक्ष 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को लेकर तंज कसता रहा, वहीं सत्ता पक्ष इस प्रोजेक्ट से मुंहतोड़ जवाब देने की बात कर रहा है। लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि देश की प्रगति करना किसी भी सरकार का धर्म, फर्ज व कर्तव्य माना जाता है। इसमें न तो विपक्ष सरकार को नीचा दिखाने की कोशिश करे और न ही सरकार इसमें अपने आप शाबाशी ले। आज भारत जैसे देश को हर स्थिति में अपनी सुरक्षा मजबूत करने की अनिवार्यता है। बहरहाल सी-295 के सफल परीक्षण के बाद अब बाकी विमानों की भी प्रतीक्षा रहेगी।

नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है।

रक्षा निर्माण क्षमता में आएगी आत्मनिर्भरता

क्षमता

अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

इस सूचना से निश्चय ही पूरे देश का आत्मविश्वास बढ़ा होगा कि भारत महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का स्वयं निर्माण करने जा रहा है। इसमें भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारी विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की जगह तीन निजी कंपनियों, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, एलएंडटी- बीईएल-डायनामेटिक कंसोर्टियम और भारत फोर्ज-बीईएमएल-डेटा पैटर्न्स कंसोर्टियम को चुना गया है। सरकार की घोषणा के साथ अलग-अलग तरह की टिप्पणियां आ रहीं हैं। 15,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत चुनी गई प्राइवेट कंपनी आंध्र प्रदेश में एक नई ग्रीनफील्ड सुविधा केंद्र स्थापित करेगी।

इस केंद्र में एएमसीए के पांच प्रोटोटाइप तैयार किए जाएंगे। ये निजी कंपनियां रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) के साथ मिलकर काम करेंगी। पूरी परियोजना आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में 650 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही नई सुविधा में किया जाएगा। सरकार ने चुनी गई कंपनियों को पहला प्रोटोटाइप तैयार करने के लिए 30 महीने की समय सीमा दी है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह देश का पहला स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान होगा। यह रक्षा निर्माण क्षमता में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दृष्टि से अब तक का सबसे बड़ा कदम है।

जैसा हम जानते हैं कि भारत को अमेरिका और रूस ने एफ-35 और सुखोई-57 विमान देने का ऑफर दिया था, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने घरेलू स्तर पर इसे तैयार करने की ओर कदम बढ़ाया है तो इसका अर्थ है कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा उत्पादन निर्माण एवं निर्यात के क्षेत्र में प्रगति के कारण हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। अभी तक की योजना के अनुसार पहला प्रोटोटाइप 2028 से 2032 के बीच उड़ान भर सकता है, जबकि बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू होने के बाद विमान 2035 के बाद भारतीय वायुसेना में शामिल हो सकता है।पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी से निर्मित होगा, इसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। इससे रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी के एक ऐसे दौर की शुरुआत होगी, जो हम अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में देखते हैं। भारतीय वायुसेना अभी मुख्य रूप से चौथी और 4.5 पीढ़ी के विमानों पर निर्भर है। दूसरी ओर चीन पहले से ही एडवांस स्टेल्थ कॉम्बैट फाइटर का इस्तेमाल कर रहा है और उसने 6वीं पीढ़ी के प्रोटोटाइप जैसे चेंगदू जे-36 और शेनयांग जे-50 भी पेश किए हैं। समाचार यह भी है कि पाकिस्तान आने वाले सालों में चीन के जे-35ए स्टेल्थ फाइटर जेट को अपनी वायुसेना में शामिल कर सकता है। भारत के पास उनके समानांतर स्वयं को सशक्त करने के लिए एक रास्ता बाहर से खरीद का भी था, किंतु जब हम रक्षा बाजार में स्वयं आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर काम कर रहे हैं, उसमें सफलताएं मिल रही हैं, हमारे वैज्ञानिक तकनीशियन और निजी क्षेत्र भी अपनी उपयोगिता साबित करने का संकेत दे रहे हैं तो फिर हमें स्वयं स्वदेशी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना चाहिए। एचएएल जैसी सार्वजनिक कंपनी पर सारी जिम्मेदारी छोड़कर हम विश्व की रक्षा प्रतिस्पर्धा में खड़ा नहीं हो सकते। निजी क्षेत्र की कंपनियों को आगे लाना और सरकारी कंपनियों के साथ उनकी साझेदारी सबसे व्यावहारिक और उपयुक्त रास्ता है। मुख्य बात कुशलतापूर्वक योजना बनाने और उसके पहले ठोस आधारभूमि तैयार कर लेने में है। कहा जा सकता है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारत का रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ हो जाएगा तथा यह रक्षा क्षेत्र में निर्यात भी कर सकेगा, इसकी कल्पना पहले नहीं की जा सकती थी। भारत के कुछ ब्रांड ने तो दुनिया में स्थान बनाना आरंभ कर दिया है। ये हैं ब्रह्मोस , पिनाका, आकाश मिसाइलें, स्वाति रडार और 155 एम एडवांस्ड टावर आर्टिरीगंज यानी एटीएजीएस। इन्हें अर्मेनिया से लेकर फिलीपींस तक कई देशों ने अपनी रक्षा प्रणाली में शामिल किया है। इन्हीं आधारों पर भारत ने 2030 तक 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसलिए उम्मीद रखनी चाहिए कि नियत समय पर हम पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए तैयार कर वायु सेना को सौंपने तथा आगे लड़ाकू विमान के रक्षा बाजार में भी उतरने की क्षमता हासिल कर सकेंगे।

भारत ने 2030 तक 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसलिए उम्मीद रखनी चाहिए कि नियत समय पर हम पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए तैयार कर वायु सेना को सौंपने तथा आगे लड़ाकू विमान के रक्षा बाजार में भी उतरने की क्षमता हासिल कर सकेंगे।

अर्थव्यवस्था-कूटनीति को साधने का उपकरण

रक्षा निर्यात

डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ स्तंभकार

एक समय वह था, जब भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर हुआ करता था। सैन्य साजो-सामान व भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सेना विदेशी मुल्कों में निर्मित उपकरणों पर निर्भर रहती थी। आज उच्च तकनीकी विकास, 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने स्थिति को पूरी तरह पलट दिया है। हथियारों व सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी राष्ट्रों पर निर्भर रहने वाला भारत आज हथियार बाजार का एक बड़ा खिलाड़ी बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर 38,424 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 14,802 करोड़ रुपये (62.66 प्रतिशत) अधिक है। अब सरकार ने 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रूपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

साल 2024-25 में रक्षा उत्पादन एक लाख 54 हजार करोड़ रुपये था। दरअसल साल 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने घरेलू रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने व देश को रक्षा क्षेत्र में निर्यातक (आपूर्तिकर्ता) राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने का रोडमैप तैयार किया। रोडमैप मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के जरिए धरातल पर उतरता दिखाई दिया। रक्षा बाजार में भारत का दबदबा कायम करने के लिए सरकार ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान जैसे बड़े कदम उठाए। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 74 प्रतिशत तक कर दिया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि रक्षा क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के आने से देश में अनुसंधान और विकास में सुधार हुआ और वैश्विक स्तर पर भारत की विश्वसनियता बढ़ी। सरकार के इन नीतिगत प्रयासों के परिणामस्वरूप रक्षा उपकरणों का आयात घटा और निर्यात को बढ़ावा मिला। इन नीतिगत परिवर्तनों के चलते रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत का दबदबा कायम हुआ। सरकार ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई रक्षा वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाए । इससे देश के भीतर न केवल रक्षा उपकरणों के निर्माण में तेजी आई बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारत मजबूत हुआ। नई उभरती शक्तियां जो पश्चिमी देशों या अन्य महाशक्तियों पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती थी उनके लिए भारत एक सस्ता और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। इसका एक फायदा यह हुआ कि सहयोगी देशों को रक्षा साजो-सामान और प्रशिक्षण देकर हिंद प्रशात क्षेत्र और अन्य जगहों पर भारत ने अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाया। 80 से अधिक देशों को हथियार और रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है।

पहले रक्षा उपकरण बनाने का काम केवल सरकारी कंपनियों तक ही सीमित था। जब सरकार ने निजी कंपनियों के लिए रक्षा उद्योग के द्वार खोले, उसके बाद टाटा एडवांस्ट सिस्टम्स (टीएएसएल), लार्सन एंड टुब्रो डिफेंस (एलएंडटी), महिंद्रा डिफेंस सिस्टम, अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, एमएसएस डिफेंस, पारस डिफेंस और डेटा पैटर्न्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की भागदीदारी बढ़ने के बाद रक्षा उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई। निसंदेह रक्षा निर्यात में हुई इस ऐतिहासिक वृद्धि से न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की कूटनीतिक साख बढ़ी है। कुल मिलाकर कहा जाए तो भारत का रक्षा क्षेत्र एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। डोकलाम विवाद और ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन और पाकिस्तान भारत को अलग-अलग मोर्चो पर घेरने की कोशिशों में जुटे हैं। सीमावर्ती राज्यों में कई चरमपंथी संगठन सक्रिय हैं। ऐसे में भारत ने भी दुनिया के दूसरे देशों की तरह सेना के आधुनिकीकरण और परंरागत सशस्त्रों के बजाए भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए निवेश करने की जो योजना शुरू की है, निसंदेह भविष्य में उसके परिणाम सकारात्मक देखने को मिलेंगे। हालांकि रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, लेकिन अभी भी भारत को एक लंबा सफर तय करना है। आंकड़े बताते हैं कि सफर लंबा जरूर है, लेकिन मुश्किल नहीं है।

भारत ने भी दुनिया के दूसरे देशों की तरह सेना के आधुनिकीकरण और परंरागत सशस्त्रों के बजाए भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए निवेश करने की जो योजना शुरू की है, निश्चित रूप से भविष्य में उसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

पीएम मोदी ने की नई पीढ़ी के योगदान की प्रशंसा

युवा भारतीय देश और दुनिया के भविष्य को दे रहे आकार

पीएम ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और तकनीक से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को मजबूत रूप से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हाल ही में 12 साल पूरे किए हैं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने देश के युवाओं के लिए सरकार की योजनाओं, प्रयासों और उपलब्धियों को गिनाया है।

भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन में से एक

सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को दे रही मजबूती

पीएम नरेंद्र मोदी

उद्यमशीलता को दिया बढ़ावा

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए मजबूती से काम कर रही है। पिछले 12 वर्षों की एक खास बात यह रही है कि भारत के युवाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। 'स्टार्टअप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्किल इंडिया' और 'अटल इनोवेशन मिशन' जैसी पहलों के जरिए एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार हुआ है जो नवोन्मेष, उद्यमिता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देता है।

छोटे कस्बों और गांवों से आगे आए युवा

पीएम ने लिखा कि आज भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन में से एक है और इनमें से कई सफलता की कहानियां हमारी युवा शक्ति लिख रही है, और वह भी छोटे कस्बों और गांवों से। पीएम ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और तकनीक से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे।

खेलों में भी बढ़ा रहे देश का गौरव

पीएम मोदी ने खेल जगत में युवाओं ने प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने लिखा कि हमारे युवाओं ने खेल के क्षेत्र में भी देश का मान बढ़ाया है। कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में युवा भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि खेलों का मजबूत इकोसिस्टम, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों को मिलने वाला अधिक समर्थन युवा प्रतिभाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है और उन्हें खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

यूपी के युवक ने पीएम को लिखा भावुक पत्र

कहा- आप राष्ट्र की 'अमूल्य' धरोहर, करोड़ों के प्रेरणा स्रोत

कानपुर। यूपी के एक युवा प्रतियोगी परीक्षा आकांक्षी ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक भावुक पत्र लिखकर वैश्विक अस्थिरता, संघर्षों और उनसे उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच उनके

नेतृत्व पर अटूट विश्वास व्यक्त किया है। कानपुर निवासी आशुतोष यादव ने अपने पत्र में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। ऐसे समय में पीएम मोदी द्वारा आत्मनिर्भरता, संयम और राष्ट्रीय हित पर दिया जा रहा जोर करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। यादव ने लिखा कि आप केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशा, विश्वास और प्रेरणा के प्रतीक हैं। आप इस राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। हम कठिनाइयों का सामना कर लेंगे लेकिन भारत के स्वाभिमान, पहचान और संप्रभुता को कभी आंच नहीं आने देंगे।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़ में कैशियर पर फायरिंग, हालत नाजुक

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के पॉश इलाके सेक्टर-11 स्थित एक मेडिकल स्टोर में घुसकर हथियारबंद

बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने दुकान के काउंटर पर बैठे कैशियर को अपना निशाना बनाया और उसे गोलियों से भून दिया। इस जानलेवा हमले में कैशियर गंभीर रूप से घायल हो गया है।

असम में आधार कार्ड जारी करने पर रोक

गुवाहाटी। अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए असम सरकार ने 18 साल से

अधिक आयु के लोगों को आधार कार्ड जारी करने पर रोक लगाने का फैसला किया है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि विशेष परिस्थितियों में संबंधित जिले के उपायुक्त (डीसी) को राज्य सरकार के पास प्रस्ताव भेजना होगा।

पटियाला में लिवर संक्रमण का प्रकोप, 27 प्रभावित

पटियाला। पटियाला के डोगरा मोहल्ला क्षेत्र में हेपेटाइटिस ए के मामलों की संख्या 27 तक पहुंच

चुकी है। स्वास्थ्य विभाग को आशंका है कि दूषित पेयजल और सीवेज मिश्रित पानी इस संक्रमण की मुख्य वजह हो सकता है। कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं जबकि बाकी लोगों की निगरानी की जा रही है।

गोवा सीएम के काफिले में घुसी एसयूवी, 5 अरेस्ट

पणजी। उत्तरी गोवा में सीएम प्रमोद सावंत के काफिले में एक अज्ञात एसयूवी के घुसने के बाद

पुलिस ने एक कांस्टेबल समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना गुरुवार रात अमोना में उस समय हुई, जब सीएम संखेलिम से पणजी जा रहे थे। गाड़ी में सवार लोग शराब के नशे में पाए गए।

पूर्ववर्ती ममता सरकार पर सीएम सुवेंदु अधिकारी का बड़ा एक्शन

बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट पर 635 करोड़ के भुगतान की होगी जांच

विस्तृत जांच के बाद किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार पूरे मामले की विस्तृत जांच कराएगी और यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को पूर्ववर्ती ममता बेनर्जी सरकार के कार्यकाल में आयोजित बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) को लेकर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सम्मेलन के आयोजन के नाम पर 635 करोड़ रुपए एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को भुगतान किए गए थे। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार पूरे मामले की विस्तृत जांच कराएगी और यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कोलकाता के न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व 12वर्ष पूरे होने और राज्य सरकार के एक मास पूरे होने पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सीएम ने यह बात कही।

सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने कई वर्षों तक बड़े पैमाने पर बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट का आयोजन किया और हर बार राज्य में भारी निवेश आने के दावे किए गए। हालांकि, इन दावों के अनुरूप जमीनी स्तर पर उद्योगों का विस्तार और रोजगार सृजन अपेक्षित स्तर पर नहीं दिखाई दिया।

दावों के अनुरूप जमीनी स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं

पता करेंगे राशि किन मदों में खर्च की गई, वास्तविक उपयोग क्या रहा

भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता मामलों में ढिलाई नहीं देंगे

सीएम सुवेंदु अधिकारी

पूर्व सीएम ममता बेनर्जी

सीएम ने आरोप लगाया कि बीजीबीएस के आयोजन के नाम पर 635 करोड़ रुपए एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को भुगतान किए गए। उन्होंने कहा कि सरकार यह पता लगाएगी कि यह राशि किन मदों में खर्च की गई, उसका वास्तविक उपयोग क्या था और भुगतान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता हुई या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगी। कानून के दायरे में आने वाले किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान या प्रभाव के आधार पर राहत नहीं मिलेगी।

कल्याण बेनर्जी के बदले सुर

अभिषेक बेनर्जी को बताया बेटे समान

हाल ही में कल्याण बेनर्जी ने ममता बेनर्जी को अल्टीमेटम दिया था कि वे अपने भतीजे अभिषेक बेनर्जी और उनमें से किसी एक को चुन लें। हालांकि अब कल्याण बेनर्जी के सुर बदले नजर आ रहे हैं और ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अभिषेक बेनर्जी मेरे बेटा जैसा है। पिता का कर्तव्य है कि वह बेटे की सभी गलतियों को माफ कर दे।

... अब सांसद सुदीप बंदोपाध्याय हुए बागी

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय शनिवार को

बागी सांसद शताब्दी रॉय के साथ दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर पहुंचे। बागी सांसद जगदीश बसुनिया ने कहा कि सभी बागी सांसद रविवार को पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात करने वाले हैं। इसके बाद वे लोकसभा अध्यक्ष से भी मिलेंगे।

सहायक सुमित रॉय की तलाश जारी

अभिषेक बेनर्जी के घर तड़के 3 बजे पुलिस ने की छापेमारी

पश्चिम मेदिनीपुर के सलबोनी थाने की टीम, एक डीएसपी के नेतृत्व में

और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के साथ, शनिवार सुबह करीब 3 बजे दक्षिण कोलकाता के कालीघाट रोड स्थित अभिषेक बेनर्जी के आवास पर पहुंची। इसके कुछ ही देर बाद कालीघाट थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। टीम ने कई बार घर का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर दो घंटे इंतजार के बाद पुलिस ने राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की मदद से प्रवेश द्वार का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया।

ऋतब्रत बेनर्जी का दावा

64 विधायकों का समर्थन स्पीकर करा लें फ्लोर टेस्ट

टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बेनर्जी ने दावा किया है कि बड़ी

संख्या में असंतुष्ट तृणमूल विधायक उनके समर्थन में हैं। उनका कहना है कि इस संबंध में आवश्यक जानकारी विधानसभा अध्यक्ष को उपलब्ध करा दी गई है।

इंडी गठबंधन में दिखी दरार

पूर्व सीएम का आरोपः भाजपा को फायदा पहुंचाते हैं राहुल

पूर्व सीएम पी. विजयन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

राहुल का राजनीतिक रवैया कतई ठीक नहीं

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व सीएम पी. विजयन ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी की आलोचना करते हुए विजयन ने कहा कि उनका राजनीतिक रवैया विपक्षी इंडी गठबंधन को मजबूत नहीं करता बल्कि कई बार इसका फायदा भाजपा को मिलता है। राहुल गांधी ने हाल ही में इंडी गठबंधन की बैठक में पी विजयन को राजनीतिक प्रतिद्वंदी होने के कारण गले न लगाने की बात कही थी। राहुल गांधी के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विजयन ने कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन किसे गले लगाता है। पूर्व सीएम विजयन ने दावा किया कि इंडी गठबंधन की बैठकों में केवल वामपंथी दलों ने ही नहीं, बल्कि अन्य गैर-कांग्रेसी दलों के नेताओं ने भी कांग्रेस के रुख पर आपत्ति जताई थी।

पीएम से मिले गले, विजयन से बनाई दूरी

विजयन ने कहा कि आज जो स्थिति बनी है, वह कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी के रवैये की वजह से बनी है। उनका रवैया इंडी गठबंधन को मजबूत नहीं करता। जैसा कि मैं पहले भी कह चुका हूं, इससे अक्सर भाजपा को फायदा मिलता है। राहुल गांधी अपने ऐसे कदमों से अनजाने में भाजपा के हितों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। सीपीआई (एम) के महासचिव एमए बेबी ने राहुल गांधी और कांग्रेस से सवाल किया कि जब राहुल गांधी पीएम मोदी को गले लगा सकते हैं, तो फिर सियासी मतभेदों का हवाला देकर केरल के पूर्व सीएम पिनाराई विजयन से दूरी क्यों बनाते हैं।

इंडी गठबंधन को आत्ममंथन की जरूरत

एमए बेबी ने कांग्रेस नेताओं की तरफ से सीपीआई (एम) और एलडीएफ पर भाजपा से सीक्रेट डील के आरोप लगाने और विजयन को अरेस्ट करने की मांग उठाने को लेकर भी नाराजगी दिखाई। एमए बेबी ने सवाल उठाया कि एक ही इंडिया गठबंधन का सदस्य होते हुए, राहुल गांधी, पिनाराई विजयन को गिरफ्तार करने की मांग कैसे कर सकते हैं? मुझे लगता है कि इंडिया गठबंधन के हर घटक दल को आत्ममंथन और आत्म-आलोचना करने की जरूरत है ताकि इंडिया गठबंधन को और मजबूत बनाया जा सके।

राममंदिर दानपात्र गबन मामला

ट्रस्टी चंपत राय की मौजूदगी में पूर्व कर्मी के घर मिले 12 लाख

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

आरोपी लवकुश मिश्रा का घर

अयोध्या जिले के रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में राम मंदिर दानपात्र से कथित धन गबन के मामले में जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई की गई। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में हुई छापेमारी में आरोपी लवकुश मिश्रा के घर से 12 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। मामले में बरामद धनराशि के स्रोत और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच जारी है। 27 वर्षीय लवकुश मिश्रा राम मंदिर में कर्मी के रूप में कार्यरत रहा है। इसी मामले में जांच एजेंसियों ने उसके घर पर कार्रवाई की। ग्रामीणों के मुताबिक, लवकुश मिश्रा पहले कार मिस्त्री के रूप में काम करता था। राम मंदिर में नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति बदली।

राउत के बयान पर भड़की भाजपा

नए स्तर पर पहुंच गई विपक्ष की हताशा, पीएम का किया अपमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) नेता संजय राउत की ओर से पीएम नरेंद्र मोदी को 'अघोरी' कहे जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि विपक्ष की हताशा अब एक नए स्तर पर पहुंच गई है। संजय राउत ने केवल पीएम मोदी का ही नहीं, बल्कि गुजरात का भी अपमान किया है। राउत ने पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि उन्होंने राजनीति में मोदी जैसा

शहजाद पूनावाला संजय राउत

'अघोरी' और क्रूर व्यक्ति पहले कभी नहीं देखा। पीएम का पूरा व्यक्तित्व डर पैदा करता है। मोदी उसी मिट्टी से आते हैं जहां औरंगजेब का जन्म हुआ था। पूनावाला ने कहा कि ये बयान विपक्ष की हताशा का परिणाम है।

सुदर्शन ने जीता 'ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026'

ग्लोबल वार्मिंग कलाकृति के लिए मिला अवार्ड

भुवनेश्वर। ओडिशा के प्रसिद्ध रेत कलाकार पद्मश्री सुदर्शन पटनायक को रूस में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सैंड स्कल्पचर महोत्सव में रूस ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026 से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित होने वाले वाले वह पहले भारतीय सैंड आर्टिस्ट बन गए हैं। यह सम्मान उन्हें सैंड आर्ट के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और ग्लोबल वार्मिंग विषय पर बनाई गई प्रभावशाली रेत की मूर्ति के लिए प्रदान किया गया। 3 मीटर ऊंची रेत की मूर्ति पृथ्वी के दो विपरीत स्वरूपों को दर्शाती है।

जनसांख्यिकीय बदलाव पर गृह मंत्री शाह ने जताई चिंता

सीमावर्ती जिलों में 'अध्ययन' कर चुनौतियों से निपटने के दिए निर्देश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकी में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को शनिवार को निर्देश दिया कि वह सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या के स्वरूप में आए परिवर्तनों का विस्तृत अध्ययन करे। समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि समिति अवैध प्रवासन और अन्य अस्वाभाविक कारणों से हो रहे बदलावों का आकलन करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों, महानगरों तथा औद्योगिक नगरों का दौरा करे। गृह मंत्रालय ने देशभर में घुसपैठ और अन्य अस्वाभाविक कारणों से हो रहे जनसंख्या संबंधी परिवर्तनों का मूल्यांकन करने तथा इन चुनौतियों से निपटने के उपाय सुझाने के लिए इस उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

समिति की बैठक लेते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

देश की संप्रभुता को खतरा

शाह ने कहा कि जनसंख्या संरचना में बदलाव एक गंभीर विषय है, जो केवल देश की संप्रभुता से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, सामाजिक ढांचे में गहरे परिवर्तनों तथा जनजातीय समाज के संरक्षण से भी जुड़ा हुआ है। समिति अवैध घुसपैठ और अन्य अस्वाभाविक कारणों से भारत में हो रहे जनसंख्या संबंधी परिवर्तनों का व्यापक आकलन कर इससे लिए योजनाबद्ध तथा समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करे।

दक्षिण-पश्चिम मानसून पर छाया अल नीनो का साया

देश के 25 राज्यों में 18 जून तक आंधी-पानी और ओलावृष्टि के आसार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तेजी से आगे बढ़ रहे दक्षिण-पश्चिम मानसून और उत्तरी सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में व्यापक बदलाव आया है। पिछले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर से तटीय कर्नाटक तक गरज और चमक के साथ बारिश हुई है। साथ ही, अलग-अलग क्षेत्रों में 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान ने भी कहर बरपाया है। बिहार में बिजली गिरने से 10 लोगों की जान चली गई है, पंजाब में भी वर्षा जनित घटनाओं में 3 लोगों की जान चली गई है। मौसम में यह बदलाव कम से कम 18 जून तक जारी रहने की प्रबल संभावना है।

50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी तूफान आया

बिहार में बिजली गिरने से 9 की मौत

हिमाचल प्रदेश के शिमला में बारिश

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, यूपी और हरियाणा के कई जिलों में आंधी-तूफान और गरज के साथ बारिश हुई। राजस्थान में भी तेज हवाएं चलीं और छिटपुट बारिश दर्ज की गई। बिहार में बारिश के दौरान बिजली गिरने से खगड़िया में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि भागलपुर, मधेपुरा, सहरसा और भोजपुर जिलों में एक-एक की जान गई।

उत्तर-पूर्वी हिस्से में बारिश और बर्फबारी

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, चंडीगढ़, पंजाब और छत्तीसगढ़ में भी व्यापक वर्षा हुई। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, ओडिशा और तटीय कर्नाटक में भारी बारिश दर्ज की गई। हिमाचल प्रदेश में रोहतांग सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। कुल्लू और लाहौल घाटी में झमाझम बारिश दर्ज की गई। केरल में कुछ जगहों पर 12-20 सेमी तक वर्षा रिकॉर्ड की गई।

40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी

मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, दिल्ली, यूपी और राजस्थान में 18 जून तक अलग-अलग स्थानों पर गरज और चमक के साथ बारिश होने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान जताया। अंडमान निकोबार द्वीप समूह, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और पूर्वोत्तर भारत के असम समेत सभी राज्यों में भी अगले 4 दिनों तक अधिक बारिश होगी।

विदेश मंत्रालय ने जहाज के कप्तान से सीधे बातचीत कर की पुष्टि सभी नाविक सुरक्षित

भारतीय नाविकों वाले जहाज 'लियाकी फ्रीडम' पर नहीं हुआ हमला, खबरें गलत

▶▶सरकार ने आमजन से की अपील, सोशल मीडिया पर उड़ती अफवाहों पर न करें यकीन

▶▶जयशंकर ने रुबियो से बातचीत में जहाजों पर हो रहे हमलों, 3 भारतीयों की मौत को लेकर जताया कड़ा विरोध

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को दो टूक अंदाज में सोशल मीडिया में जारी उन सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। जिनमें यह कहा जा रहा था कि ओमान के तट के पास भारतीय सवार मार्शल द्वीप के ध्वज वाले एक व्यापारिक जहाज एमटी 'लियाकी फ्रीडम' पर अमेरिका के हमले में 4 भारतीय नाविकों की मौत हो गई है। मंत्रालय ने जहाज के मार्शल यानी कप्तान से सीधे संपर्क साधकर इस बात की पुष्टि की है कि चालक दल के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हैं। जहाज पर किसी भी तरह का कोई हमला या आगजनी नहीं हुई है। इसलिए इस संबंध में मीडिया में जो भी खबरें चल रही हैं। वह पूरी तरह से गलत और निराधार हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार ने जनता से भी यह अपील की है कि वह सोशल मीडिया पर चल रही ऐसी किसी भी अफवाह पर आंख मूंदकर भरोसा न करें।

फैक्ट चेक ने खोली फर्जीवाड़े की पोल

मंत्रालय ने एक्स पर अपने आधिकारिक फैक्ट चेक के माध्यम से भी जहाज पर हमले संबंधी सभी खबरों को फर्जी बताया और उनकी सोशल मीडिया पर भी पोल खोलकर रख दी है। **india sentin** नामक एक एक्स हैंडल के जरिए एक पोस्ट की गई थी। जिसमें यह लिखा था कि एक सप्ताह के अंदर भारतीय चालक दल वाले चौथे जहाज एमटी लायिकी फ्रीडम पर ओमान के तट के पास अमेरिका ने हमला कर दिया है और उसमें चार लोगों की मौत हो गई है। सीधे संपर्क साधकर एमईए ने जमीनी सच्चाई का पता लगाया। फिर लाल रंग के साथ फेक (गलत खबर) का ठप्पा लगाकर पोस्ट को पूरी तरह से फर्जी और भ्रामक करार दे दिया।

मामले पर यूं फैला भ्रम

इस पूरे मामले पर ऊहापोह की स्थिति तब उत्पन्न हुई। जब फारवर्ड सीमैन्स यूनियन ऑफ इंडिया ने कहा कि उनका लियाकी फ्रीडम जहाज से संपर्क नहीं हो पा रहा है। जहाज का संपर्क टूट गया है। क्योंकि उसका वेरी हाई फ्रीक्वेंसी रेडियो (वीएचएफ) काम नहीं कर रहा है। इन सबके बीच अच्छी बात यह रही कि यूनियन सैटेलाइट के माध्यम से जहाज की लोकेशन का पता लगा पा रही थी।

विदेशी ध्वज वाले थे जहाज

गौरतलब है कि अमेरिकी नौसेना ने अपनी हेलफायर मिसाइल से जिन तीन भारतीय सवार जहाजों पर हमला किया। उनमें से एक भी भारतीय ध्वज वाला नहीं था। बल्कि सभी विदेशी ध्वज वाले जहाज थे। एमटी मारिवेक्स और एमटी सेटेबेलो पलाऊ ध्वज वाले जहाज थे। जबकि एमटी जलवीर पश्चिम-अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ के ध्वज वाला जहाज था। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया था कि इनमें से दो जहाज अमेरिका के वित्त विभाग द्वारा प्रतिबंधित थे। जबकि एक अन्य जहाज अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन की सूची में शामिल है। जहाजों पर अमेरिकी प्रतिबंध का मूल सार यही है कि यह युद्ध के बीच ईरान और रूस के तेल का क्रय-विक्रय करने में लगे हुए हैं।

कार्यवाहक अमेरिकी राजदूत को किया तलब

व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों की कड़ी निंदा करते हुए भारत ने बीते सप्ताह भर के भीतर लगातार दो बार अमेरिका के कार्यवाहक राजदूत जेसन मीक्स को तलब कर विरोध जताया है। साथ ही उन्हें यह भी कहा कि वह मामले पर नई दिल्ली की चिंताओं को वाशिंगटन डीसी में अपने उच्च-अधिकारियों के समक्ष रखें। जिससे जल्द से जल्द इन हमलों को रोका जा सके। भारत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों कुवैत के अमीर से बातचीत में क्षेत्र में तेजी से बदलते हालात पर गंभीर रूप से चिंता जताई थी। साथ ही उन्होंने होर्मुज और अन्य अंतरराष्ट्रीय जल-क्षेत्रों में स्वतंत्र, निर्बाध समुद्री आवाजाही को बनाए रखने पर जोर दिया था। पीएम ने कहा था कि भारत की यही मांग है कि इस तनाव का जल्द से जल्द संवाद और कूटनीति की मदद से हल निकाला जाना चाहिए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इलाके में व्यापारिक जहाज पर किए जा रहे हमलों की निंदा करते हुए कहा कि भारत इन्हें कतई स्वीकार नहीं करेगा। इन सबके बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक हालिया हुई परिचर्चा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और वरिष्ठ राजदूत पी.हरीश ने भी जहाजों पर हो रहे हमलों के मामले की निंदा करते हुए इन पर तत्काल आधार पर रोक लगाने की मांग की थी।

खाड़ी में 18 हजार से ज्यादा भारतीय नाविक

केंद्रीय बंदरगाह, पोत-परिवहन मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि दुनियाभर में भारत के नाविकों की कुल संख्या 3.2 लाख है। जबकि अकेले खाड़ी क्षेत्र में इनकी संख्या 18 हजार से ज्यादा है। मौजूदा तनाव के बीच भारत के 13 जहाज क्षेत्र में फंसे हुए हैं। जिनमें सवार भारतीय नाविकों की संख्या 562 है। फारस की खाड़ी के पश्चिम में 329 और ओमान की खाड़ी के पूर्व में 233 नाविक हैं।

खबर संक्षेप

भारतीय मूल के शख्स को मिली लंदन में सजा

लंदन। ब्रिटेन की अदालत ने भारतीय मूल के गगनदीप सिंह को महिला के अपहरण, टॉर्चर और रेप मामले में 34 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट में बताया गया कि आरोपी ने 24 वर्षीय महिला को लंदन के एक घर में बंधक बनाकर घंटों तक प्रताड़ित किया। पीड़िता को पीटा गया, जलाया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। महिला शुरुआत में पुलिस के पास जाने से डर रही थी, लेकिन उसकी मां ने सबूत संभालकर रखे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच के बाद गगनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया।

खैबर पख्तूनख्वा में 72 घंटे में 21 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए पिछले 72 घंटों में 21 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। मीडिया को मिली जानकारी के शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई खुफिया सूचनाओं के आधार पर उत्तरी वजीरिस्तान जिले में की गई। मारे गए आतंकवादियों में चार प्रमुख कमांडर भी शामिल हैं, जो सुरक्षा बलों पर हमलों और आम नागरिकों की हत्याओं समेत कई गंभीर वारदातों में वांछित थे।

खामेनेई के अंतिम संस्कार का ऐलान

तेहरान। करीब चार महीने से पहले अमेरिका-इजराइल के हमलें में जान गंवा चुके ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम की घोषणा की गई है। जानकारी मिली है कि ये कार्यक्रम 6 दिन तक चलेगा। यह कार्यक्रम 4 जुलाई से शुरू होकर 9 जुलाई को मशहद शहर में उनके दफन के साथ खत्म होगा। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार 4 से 9 जुलाई के बीच विदाई समारोह, अंतिम संस्कार और दफन से जुड़े सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वायुसैन्य अकादमी में हुए दीक्षांत परेड समारोह में रक्षा मंत्री बोले

युवाओं के कंधों पर लगे पंख बैज नहीं बल्कि प्रत्येक भारतवासी का भरोसा

»मानवता की सेवा में भी अग्रणी रही है वायु सेना

»राष्ट्र सेवा की नई यात्रा की शुरुआत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को हैदराबाद के डिंडीगुल स्थित वायुसैन्य अकादमी में हुए संयुक्त दीक्षांत परेड समारोह में कुल 231 युवा फ्लाइट कैडेट, अधिकारी के रूप में वायुसेना में कमीशन हुए हैं। जिसमें 194 पुरुष और 37 महिलाएं शामिल हैं। इस आयोजन में देश की वायुसेना में कमीशन होने वाले कैडेटों में पिछले साल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) खड़कवासला से उत्तीर्ण होकर निकली 5 महिलाओं को भी बल में आधिकारिक रूप से कमीशन प्रदान किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह अकादमी के 217वें पाठ्यक्रम की संयुक्त स्नातक परेड थी। जिसकी रक्षा मंत्री ने समीक्षा की और उसके बाद उन्होंने युवा कैडेटों को वायुसेना में आधिकारिक रूप से शामिल होने के प्रमाण के रूप में कमीशन किया।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

नौसेना, तटरक्षक बल और वियतनामी अधिकारियों को सम्मानित किया गया

इस अवसर पर भारतीय नौसेना के नौ अधिकारियों, भारतीय तटरक्षक बल के तीन अधिकारियों तथा वियतनाम के दो अधिकारियों को 'विंग्स' प्रदान किए गए। वहीं, नौवहन प्रशिक्षण पूरा करने वाले तीन अधिकारियों को 'ब्रेवेट' से सम्मानित किया गया।

भारतीय वायु सेना राष्ट्र की ढाल और तलवार दोनों

रक्षा मंत्री ने कहा कि वे ऐसी सेवा का हिस्सा बनने जा रहे हैं जिसने हमेशा राष्ट्र के लिए ढाल और तलवार दोनों की भूमिका निभाई है। 1947-48 के कश्मीर युद्ध में श्रीनगर एयरलिफ्ट और 1971 के युद्ध में निर्णायक हवाई अभियानों ने इतिहास रचा। 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना ने अदम्य साहस और सटीकता का परिचय देते हुए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जिससे उसकी पेशेवर क्षमता और दक्षता का प्रदर्शन हुआ।

360 डिग्री बनाए रखें सतर्कता

उन्होंने भविष्य की युद्ध प्रणालियों, रणनीतियों को समझने, अपनाने, आत्मसात करने और जरूरत पड़ने पर उनमें बदलाव करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि आधुनिक युद्ध में न तो दुश्मन दिखाई देता है और न ही उसके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हथियार। रडार, ड्रोन, उपग्रह, सेंसर और रोबोटिक्स जैसी प्रणालियों की वजह से हथियारों का पता लगाना असंभव हो जाता है। इसे देखते हुए कैडेटों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए। राजनाथ सिंह ने सभी मोर्चों पर निर्णायक बढ़त हासिल करने के लिए नवाचार, क्रियान्वयन और प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व में ये माना जाता था कि प्रमुख शक्तियों को हर मोर्चे पर बढ़त प्राप्त है। जबकि आज अपेक्षाकृत छोटी शक्तियां भी अपने छोटे घातक हथियारों और नई रणनीतियों की बदौलत बड़े प्लेटफार्म को भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। वायुसेना कमीशन की इस प्रक्रिया को बल की विभिन्न शाखाओं में कैडेटों के शामिल होने से पहले की कवायद मानती है। क्योंकि इसके बाद उनके असली प्रशिक्षण की शुरुआत होती है। फिर उन्हें युद्धक और गैर युद्धक जैसी शाखाओं में तैनात किया जाता है।

कई मौकों पर आपको अपने निर्णय मिनटों या सेकंडों में लेना पड़ता है

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अधिकारियों के कंधों पर लगे पंख केवल बैज नहीं बल्कि प्रत्येक भारतवासी का भरोसा है। आप जिस जिम्मेदारी को संभालने वाले हैं। वह इतनी जटिल है कि कई मौकों पर आपको अपने निर्णय मिनटों या सेकंडों में नहीं बल्कि उससे भी कम समय में लेने होंगे। ऐसे में सभी को उच्च स्तर के मानकों और आचरण को बनाए रखना होगा। जो दूसरों को भी प्रेरित करे।

देहरादून में राष्ट्रपति ने पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया

एनडीए के पहले महिला बैच की कैडेट्स अधिकारी के रूप में पासआउट हुईं

सुखोई 30 एमकेआई, सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संग एनडीए की पहली महिला बैच की 9 थलसेना अधिकारी

एजेंसी ▶▶ देहरादून

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया। यह अवसर भारतीय सेना और देश की महिलाओं के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए के पहले महिला बैच की कैडेट्स अधिकारी के रूप में पासआउट हुई हैं।

भव्य फ्लाइपास्ट और एरोबेटिक प्रदर्शन रहे आकर्षण का केंद्र

परेड के दौरान वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के नेतृत्व में फ्लाईपास्ट का आयोजन किया गया। इसमें पिलाटस पीसी-7 एमके II, हॉक, किरण और चेतक जैसे प्रशिक्षण विमानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आकाश गंगा टीम, महिला वायु योद्धा ड्रिल टीम शक्ति, सु-30 एमकेआई, सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया।

9 महिला कैडेट भारतीय थलसेना में शामिल हुईं

आईएमए की पासिंग आउट परेड में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 महिला कैडेट भारतीय थलसेना में अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। यह उपलब्धि भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद खुला था रास्ता

इससे पहले एनडीए में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति नहीं थी। जून 2022 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद महिलाओं के लिए एनडीए के द्वार खुले थे। इस निर्णय ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका को नई दिशा प्रदान की और आज उसका ऐतिहासिक परिणाम देखने को मिला।

आईएमए से 515 कैडेट हुए पासआउट

इस वर्ष आईएमए से कुल 515 कैडेट पासआउट हुए, जिनमें 16 देशों के 34 विदेशी कैडेट भी शामिल हैं। पासआउट होने वाले कैडेट्स में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 कैडेट भी शामिल रहीं, जिन्होंने कठिन प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कदम रखा।

वायुसेना में भी शामिल हुईं पहली महिला एनडीए कैडेट्स

भारतीय वायुसेना अकादमी में आयोजित कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड के दौरान भारतीय वायुसेना के 217वें कोर्स के तहत 231 फ्लाइट कैडेट्स ने प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण पूरा किया। इनमें 194 पुरुष और 37 महिला कैडेट शामिल थीं। इन 37 महिला कैडेट्स में से 5 एनडीए की पहली महिला बैच की थीं, जिन्हें भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त हुआ।

सुखोई, सारंग और सूर्यकिरण टीम ने किया रोमांचक प्रदर्शन

कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड का समापन भव्य एयर शो के साथ हुआ। भारतीय वायुसेना के सुखोई लड़ाकू विमान, सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे।

भूस्खलन से यात्री हुए परेशान

पुंछ में भारी बारिश के बाद भूस्खलन एनएच-144 पर फंसे 200 से ज्यादा वाहन

एजेंसी ▶▶ पुंछ

जिले में पिछले कुछ घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश के चलते पुंछ को जोड़ने वाले एनएच-144 लसाना के पास पर अचानक भारी भूस्खलन हो गया, जिससे मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया। सड़क बंद होने के कारण हाईवे के दोनों ओर 200 से अधिक छोटे-बड़े वाहन फंस गए। अचानक आए इस भूस्खलन से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई लोग घंटों तक सड़क पर ही फंसे रहे। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन की टीमें तुरंत सक्रिय हो गईं। भारी बारिश के बीच भी जवानों ने बिना देरी किए सड़क से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। प्रशासन ने इस पूरे ऑपरेशन को युद्धस्तर पर अंजाम दिया।

नेटवर्क ने 9 हजार से अधिक नकली वेबसाइट्स बनाई थीं

एआई से बनाईं हजारों फर्जी वेबसाइट्स चीनी गिरोह के खिलाफ कोर्ट पहुंचा गूगल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गूगल इस समय अपने ही सबसे एडवांस एआई टूल जेमिनी के गलत इस्तेमाल से परेशान है। इसी सिलसिले में गूगल ने न्यूयॉर्क की एक अदालत में एक कथित चीनी साइबरक्राइम नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ा मुकदमा दायर किया है। मुकदमे के मुताबिक, इस चीनी गिरोह का नाम आउटसाइडर इंटरप्राइज है, जो चीन से चलाया जा रहा था और आपस में बातचीत व तालमेल के लिए टेलीग्राम का इस्तेमाल करता था। इसने जेमिनी का इस्तेमाल कर 131 फिशिंग किट्स तैयार किए, जिनकी मदद से बेहद कम समय में फर्जी वेबसाइट्स बनाई जा सकती थीं। मुकदमे में दावा किया जा रहा है कि इस नेटवर्क ने 9,000 से अधिक नकली वेबसाइट्स बनाई थीं। जो गूगल, यूट्यूब, यूएस पोस्टल सर्विस और न्यूयॉर्क के ई-जेडपास जैसी सेवाओं और संस्थानों की हूबहू नकल करती थीं।

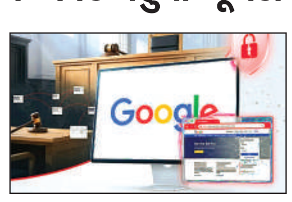

डीआरडीओ ने किया बीएमडी क्षमता का सफल परीक्षण, रक्षा मंत्री ने दी बधाई

अब नहीं चलेगी दुश्मन की हमला करने की कोई चाल, रक्षा तैयारियों को मिली और ताकत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू, वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के मुश्किल दौर में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बड़ी और महत्वपूर्ण कामयाबी हासिल करते हुए मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता (बीएमडी) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसके लिए संगठन की पूरी टीम को बधाई दी है। डीआरडीओ अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने भी संगठन के वैज्ञानिकों की टीम और उद्योग जगत को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी है।

चुनिंदा देशों में शामिल हुआ भारत

मंत्रालय ने बताया कि इन सफल परीक्षणों के साथ अब भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है। जिनके पास अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों आईसीबीएम तक को रोकने की क्षमता वाली बीएमडी प्रणाली मौजूद है।

शत्रु की लंबी दूरी की मिसाइलों पर वार

परीक्षण के जरिए डीआरडीओ ने देश की रक्षा तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान की है। जिसमें दुश्मन के हर तरह के खतरों से दो-दो हाथ करने के लिए तकनीकी रूप से अहम सफलता मिली है। इन सभी परीक्षणों का असली उद्देश्य शत्रु की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के खिलाफ मल्टी लेयर्ड डिफेंस और मध्यम दूरी की एंटी शिप क्षमता को प्रदर्शित करना था। इन तमाम परीक्षणों का अवलोकन डीआरडीओ और रक्षा अधिकारियों द्वारा किया गया है।

शांति समझौते को लेकर शाहबाज शरीफ का बड़ा दावा

ईरान-अमेरिका के बीच 24 घंटे में इलेक्ट्रॉनिक साइन होने की संभावना, टेक्निकल लेवल पर होगी बातचीत

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि हम शांति समझौते के पहले से ज्यादा करीब हैं। शरीफ ने कहा कि अगले 24 घंटे में इसके फाइनल होने की उम्मीद है, जिसके तुरंत बाद पाकिस्तान शांति समझौते पर इलेक्ट्रॉनिक तरीके से हस्ताक्षर की तैयारी कर रहा है और उसके बाद अगले हफ्ते टेक्निकल लेवल पर बातचीत होगी।

शांति समझौता स्थायी शांति के लिए एक मजबूत आधार

उन्होंने कहा कि हम बातचीत के दौरान लगातार सहयोग के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का धन्यवाद करना चाहते हैं और इस क्षेत्र में अपने भाइयों के समर्थन के लिए हम उनका दिल से आभार व्यक्त करते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि यह ऐतिहासिक शांति समझौता स्थायी शांति के लिए एक मजबूत आधार बनेगा।

ईरान आखिरी जीत तक अपनी बात पर अडिग- गालिबाफ

ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गालिबाफ में शनिवार को कहा कि ईरान अंतिम जीत तक अपनी बात पर अडिग रहेगा। गालिबाफ ने 12 दिन तक चले युद्ध की पहली बरसी पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, हमारे हमेशा के घर, ईरान पर इजराइली और अमेरिकी सरकारों के आपराधिक हमलों के पहले दौर की शुरूआत को एक साल बीत चुका है।

भारत को मिलेगी जल्द आतंरिक्ष में बड़ी उपलब्धि

भारत में कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस पहला प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-I' अंतरिक्ष में उड़ान के लिए तैयार है। यह आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा

रॉकेट विक्रम में कंप्यूटर से चलने वाले रोबोटिक पुर्जे लगे हैं

सही रास्ता पकड़ने की तकनीक विकसित की गई है

भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1' उड़ान के लिए तैयार, श्रीहरिकोटा से रचा जाएगा इतिहास

एजेंसी ▶▶ श्रीहरिकोटा

भारत के लिए जल्द ही अंतरिक्ष में एक बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है। हैदराबाद की स्टार्टअप कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस का प्राइवेट रॉकेट विक्रम-1 अंतरिक्ष में उड़ान के लिए तैयार है। जिसकी तस्वीर भी जारी हो गई है। श्रीहरिकोटा में विक्रम-1 रॉकेट के स्टेज-2 इंटीग्रेशन का काम पूरा हो चुका है। यानि यह रॉकेट उड़ान भरने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। यानि भारत अब अंतरिक्ष में इतिहास रचने की उल्टी गिनती शुरू कर चुका है।

विक्रम-1 की तस्वीर जारी

स्काईरूट एयरोस्पेस की तरफ से विक्रम-1 रॉकेट की तस्वीर भी जारी की गई है। जो उड़ान के लिए अब तैयार नजर आ रहा है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन स्पेस सेंटर में यह तैयार किया गया है। यह रॉकेट चार चरणों वाला है। जिसमें दूसरे चरण का काम पूरा हो चुका है। इस चरण को कलाम-250 के नाम दिया गया है।

भारत के लिए होगी बड़ी उपलब्धि

विक्रम-1 जब अंतरिक्ष में उड़ान भरेगा तो यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि हगी. क्योंकि यह रॉकेट 24 मीटर ऊंचा है। जो अपने साथ 350 किलोग्राम तक के छोटे सैटेलाइट्स को पृथ्वी की निचली कक्षा ले जा सकता है। यह रॉकेट जब लॉन्च होगा तो भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा जिनके पास अपना प्राइवेट रॉकेट होगा।

विक्रम-1 रॉकेट की खासियत

विक्रम-1 रॉकेट की खासियत इसे भारत में ही तैयार किया गया है। यह है मजबूत और हल्का है। इसकी बॉडी स्टील से भी मजबूत बनाई गई है। जिसमें कार्बन कम्पोजिट मटीरियल का इस्तेमाल किया गया है। जब रॉकेट में अंदर से ठोस ईंधन जलता है तो इसमें भारी गर्मी होती है। रॉकेट को इस गर्मी से बचाने के लिए रबर की एक खास सुरक्षा कवच दी गई है। इसमें सही रास्ता पकड़ने की तकनीक विकसित की गई है। ताकि यह हवा के थपेड़ों और ग्रेविटी के बीच में भटकेका नहीं। इसमें कंप्यूटर से चलने वाले रोबोटिक पुर्जे लगे हैं, जो उड़ान भरने के दौरान इसके नोजल को सही दिशा में घुमाते रहेंगे। रॉकेट का जो हिस्सा बेकार हो जाता है वह पलक झपकते ही इसे खुद से अलग कर लेगा।

ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा दिलाने का झांसा देकर रेस्टोरेंट संचालक से 18 लाख 34 हजार रुपए की ठगी

फेसबुक पर महिला से दोस्ती होने के बाद दोगुना लाभ होने का दिया था प्रलोभन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टीटी नगर थाना क्षेत्र में रेस्टोरेंट संचालक से साइबर महिला जालसाज और उसके साथियों द्वारा ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। रेस्टोरेंट संचालक की फेसबुक पर महिला से दोस्ती हुई थी। बाद में महिला ने पार्टनरशिप में ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का कहकर दोगुना से अधिक मुनाफा होने का प्रलोभन दिया। इसके बाद रेस्टोरेंट संचालक से उक्त रकम अपने खाते में जमा करा ली। फ्राड में वाट्स एप ग्रुप का एडमिन भी शामिल है, जिससे रेस्टोरेंट संचालक की बातचीत होती थी।

पुलिस के अनुसार वैशाली नगर कोटरा सुल्तानाबाद निवासी पवन अग्रवाल (57) ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि तनु अग्रवाल ने फेसबुक के माध्यम से वाट्सएप मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। उसने कहा कि मेरे साथ पार्टनर होकर ट्रेडिंग करोगे तो रोजाना घर बैठे मुनाफा होगा। इसके लिए उसने ऑनलाइन ट्रेडिंग आईडी वाट्सएप ग्रुप पर भेजी। आईडी

पर लिंक करते ही पासवर्ड तनु 1212 के माध्यम से लिंक खुल जाती थी। एडमिन ने प्रलोभन दिया कि आप जितनी राशि जमा करेंगे, उससे दोगुना से अधिक लाभ होगा।

प्रलोभन में आकर पवन ने 4 अप्रैल 2026 को 96 हजार रुपए जमा कर दिए जबकि तनु अग्रवाल ने अपनी ओर से छह लाख 70 हजार रुपए की राशि जमा की। तनु अग्रवाल की जमा राशि सिर्फ लिंक में ही नजर आई। उक्त राशि कभी खाते में नहीं दिखी। इस प्रकार दोनों की ओर से कुल 7 लाख 66 हजार रुपए जमा किए गए। ट्रेडिंग करने के बाद 12 लाख का मुनाफा लिंक में दिखाई देने लगा। लालच में पवन अग्रवाल ने थोड़ी-थोड़ी राशि खाते में जमा की गई। वह करीब 18 लाख 34 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा कमाने के लालच में जमा कर चुके थे।

18 लाख 34 हजार वापस मांगे तो उन्होंने और रुपए मांगे

इस बार तनु अग्रवाल और उसके साथियों ने इंकम टैक्स, पैनाल्टी अथवा बैंक ट्रांसफर के नाम पर भी रकम जमा कराई थी। संदेह होने पर जब मैंने चैट के माध्यम से उनसे कहा कि न तो मैंने ट्रेडिंग की है और न ही अब तक मुझे लाभ मिला है। मैंने अब अपनी रकम 18 लाख 34 हजार रुपए वापस मांगी तो उन्होंने कहा कि हम आपकी पूरी रकम लौटा देंगे, लेकिन इससे पहले आपको सात लाख 22 हजार रुपए और जमा कराना होंगे। फरियादी ने कहा कि मैं अपनी जीवन भर की कमाई दे चुका हूं, अब मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं है तो जालसाजों ने कहा कि रकम तो आपको देना होगी, अन्यथा आपका पैसा नहीं मिलेगा।

तनु ने दी डिजिटल गिरफ्तार की धमकी

पवन अग्रवाल का कहना है साइबर फ्राड का अहसास होते ही उसने साइबर सेल में शिकायत दर्ज करा दी, क्योंकि तनु अग्रवाल भी इस धोखाधड़ी में शामिल है। इसलिए पुलिस में शिकायत करने के बाद भी वह लगातार पवन को प्रताड़ित करती रही। उसने मुझे डिजिटल गिरफ्तारी का डर भी दिखाया। उसने धमकी दी कि छह लाख 70 हजार रुपए पार्टनरशिप में जमा किए थे वो भी उसे देना होंगे। अगर मेरी रकम नहीं लौटा रहा तो अपनी पुलिस शिकायत वापस ले।

चलती कार में लगी आग हडकंप, मची अफरा-तफरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के गोविंदपुरा स्थित चार वाल के पास शनिवार को एक चलती थार गाडी में अचानक आग लग गई। इससे अफरा-तफरी मच गई और लोग कार में सवार लोगों को बचाने दौड़े। आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर दमकल और पुलिस मौके पर पहुंची तथा आग पर काबू पाया गया। आग से वाहन पूरी तरह से जल गया।

आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। आग से वाहन में सवार लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

खबर संक्षेप

श्री जाखला धाम मंदिर में स्टील की थालियां भेंट की

औबेदुल्लागंज। जय प्रकाश शर्मा मित्र मंडल द्वारा क्षेत्र में प्लास्टिक मुक्त आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए स्टेनलेस स्टील के बर्तन एवं खंड वाली थालियों के उपयोग का जन-जागरुकता अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ क्षेत्र के श्री जाखला धाम मंदिर से किया गया है। इस अवसर पर व्यापारी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी अशोक मित्तल एवं उनकी धर्मपत्नी राजकुमारी मित्तल, मानसी मित्तल द्वारा थालियां एवं गिलास का सेट सहयोग के रूप में भेंट किया। इस अवसर पर कमलेश मेघानी भी मौजूद रहे।

पचौरी ने गोयल को दी जन्मदिन की बधाई

औबेदुल्लागंज। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के जन्मदिन के अवसर पर बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी और सुदीर्घ जीवन की कामना की है।

पटवा ने पीयूष गोयल को दी जन्मदिन की बधाई

औबेदुल्लागंज। विधायक सुरेंद्र पटवा ने भाजपा के वरिष्ठ सदस्य, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं थी। इसके साथ ही आरोग्य एवं सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना की।

मौसेरे भाई ने युवती के साथ किया दुष्कर्म

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित करोंद में मौसेरे भाई द्वारा शादी का प्रलोभन देकर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। करीब तीन साल तक आरोपी युवती का दैहिक शोषण करता रहा। शादी का दबाव बनाने वह टाल-मटौल करता रहा। बाद में यह कहकर शादी से मुकर गया कि मौसेरे भाई-बहन होने के कारण शादी नहीं हो सकते। पीड़ित युवती ने थाने जाकर दुष्कर्म की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शुभांक

कल्याण:	8361		
दिन:	579	17	449
रात:	390	28	350
तारा:			
दिन:	258	51	227
रात:	400	42	679

तालाब किनारे फिसलन होने से युवक गहरे पानी में जा गिरा

परिवार के साथ पार्क घूमने गया युवक हाथ धोते समय तालाब में डूबा, मौत

» ***शनिवार दोपहर** करीब डेढ़ बजे मां व अन्य परिजन के साथ नीलम पार्क घूमने गया था*

» ***परिजन हमीदिया** अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित नीलम पार्क के छोटे तालाब में डूबने से 18 साल के युवक की मौत हो गई। वह परिजन के साथ शनिवार दोपहर नीलम पार्क घूमने गया था, तभी हाथ धोते समय गहरे पानी में गिर गया। उसे जब तक बाहर निकाला जाता उसकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस के अनुसार जोगीपुरा बरखेड़ी जहांगीराबाद निवासी अनस कुरैशी पिता सोहेल कुरैशी (18) प्राइवेट काम करता था। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी मां व अन्य परिजन के साथ नीलम पार्क घूमने गया था। वहां पार्क से लगे छोटे तालाब में हाथ धोने लगा। तालाब किनारे फिसलन होने से वह फिसलकर गहरे पानी में जा गिरा। युवक की मां व अन्य परिजन ने बेटे को डूबता देख शोर मचाया, लेकिन जब तक लोग मदद के लिए पहुंचते, अनस पानी में डूब चुका था। वहां मौजूद लोगों ने उसे पानी से बाहर निकाला। परिजन उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दो साल के मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र में दो साल के मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बेसुध होने पर मकान मालिक का बेटा उसे जेके अस्पताल लेकर पहुंचा था। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर मासूम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार 2 साल का आयुष, अपनी मां प्रीति के साथ कजलीखेड़ा में रहता था। प्रीति के तीन बच्चे हैं। बड़ा बेटा दस साल का है, जबकि उससे छोटा पांच साल का और सबसे छोटा दो साल का आयुष था। प्रीति के पति ने उसे छोड़ दिया है। प्रीति अपने तीनों बच्चों का भरण पोषण खुद करती है। वह तीनों बच्चों को छोड़कर कबाड़े की दुकान पर काम करने जाती है। शुक्रवार सुबह वह काम पर गई थी। तीनों बच्चों घर पर थे। उसके छोटे बेटे आयुष को बुखार आ रहा था। शाम को बड़ा बेटा आयुष लेकर सीढ़ियों से नीचे उतरा। मकान मालिक की नजर पड़ी तो आयुष बेसुध था। उसने अपने बेटे से कहकर उसे प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया।

कोकता में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि वह शराब पीने का आदी था। पुलिस के अनुसार प्रेम सिंह यादव (25) कोकता, ट्रांस्पोर्ट नगर में रहता था और मजदूरी करता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे और दो बेटियां है। परिजन ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे प्रेम सिंह ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने के कारण किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया था। इस दौरान प्रेम सिंह साड़ी के फंदे से हुक पर फांसी लगा चुका था। परिजन उसे फांसी के फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पीएम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया है।

दो युवकों को गिरफ्तार कर 13.40 ग्राम एमडी और 11.60 ग्राम स्मैक किया जब्त

बागसेवनिया पुलिस ने आरआरएल ब्रिज के नीचे पार्क से पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बागसेवनिया पुलिस ने नर्मदापुरम रोड आरआरएल ब्रिज के नीचे पार्क से दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से 13.40 ग्राम एमडी और 11.60 ग्राम स्मैक जब्त किया है। उक्त कार्रवाई पुलिस ने शुक्रवार रात करीब साढ़े 11 बजे के आसपास की है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर एमडी और स्मैक पाउडर के बारे में पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार 12 जून शुक्रवार रात करीब साढ़े 11 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि नर्मदापुरम रोड आरआरएल ब्रिज के नीचे बने पार्क के अंदर दो युवक खड़े हैं उनके पास स्मैक पाऊडर और एमडी पाउडर रखा हुआ है।

सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस आरआरएल ब्रिज के नीचे दुर्गानगर पार्क के अंदर पहुंची। वहां दो संदिग्ध युवक बैठे हुए नजर आए। पार्क की घेराबंदी की गई और दोनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम साहिल गिरी पिता सत्यनारायण गिरी (22) गिरी मोहल्ला, रेत बाजार के पास बागसेवनिया और दूसरे ने अपना नाम आकाश कश्यप पिता संतकुमार कश्यप (23) गिरी मोहल्ला, रेत बाजार, बागसेवनिया बताया। तलाशी लेने पर संतकुमार कश्यप की लोअर के दाहिनी जेब से पांच पुडियां मिली, जिसमें स्मैक पाउडर रखा हुआ था। जब्त स्मैक पाउडर का वजय मय प्लास्टिक की डिब्बी के 11.60 (-0.03) ग्राम निकला। इसी प्रकार जब्त की गई एमडी का वजन प्लास्टिक डिब्बी के 13.40 (-0.05) ग्राम था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। उनसे एमडी और स्मैक पाउडर के बारे में पूछताछ की जा रही है।

तस्करों को गांजा बेचने वाला गिरफ्तार

सुराग मिलने पर पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम, दो किलो गांजा बेचा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्राइम ब्रांच पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्त में आए दो आरोपियों को अवैध गांजा बेचने वाले आरोपी को जिला सीहोर के एक गांव से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने करीब एक माह पूर्व आरोपियों को दो किलो गांजा बेचा था। आरोपी से उसके नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार आरोपियों अर्जुन गोस्वामी और मनीष शुक्ला से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर तस्दीक के लिए टीम ग्राम बांसगेहन थाना शाहगंज जिला सीहोर पहुंची। वहां गांव के

बाहर एक संदिग्ध खड़ा दिखाई दिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम महेश चौहान (46) निवासी ग्राम बांसगेहन जिला सीहोर का होना बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अर्जुन गोस्वामी और मनीष शुक्ला को करीब एक माह पहले दो किलो गांजा बेचना स्वीकार किया। लिहाजा पुलिस ने प्रकरण में आरोपी महेश चौहान को हिरासत में लेकर क्राइम ब्रांच भोपाल लाया गया। आरोपी से मादक पदार्थ के नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। प्राप्त तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी महेश चौहान के खिलाफ शाहगंज थाने में पांच और क्राइम ब्रांच में एक अपराध पंजीबद्ध है।

एसटीएफ ने की कार्रवाई

नशीला कफ सिरप मामले में फरार पांच आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तारी के लिए पांच हजार से तीस हजार रुपए तक का इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नशीला कफ सिरप मामले में फरार पांच आरोपियों को एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार किया है। टीम ने भोपाल के गांधीनगर स्थित पटेल सिटी में संचालित अवैध फैक्ट्री मामले में फरार 5 इनामी आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे नेटवर्क से अब तक करीब 2.5 करोड़ रुपए का माल जब्त किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि एसटीएफ ने 28-29 मई की रात छापामार कार्रवाई कर पटेल सिटी स्थित फैक्ट्री का खुलासा किया था। यहां से 49,920 ऑनरेक्स कफ सिरप की बोतलें बरामद हुई थीं। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर मुबारकपुर स्थित गोदाम से 23,125 और नशीले सिरप की बोतलें जब्त की गई थीं। मामले में शामिल मुख्य आरोपी अर्जुन मालवीय (30 हजार इनाम) को बैतूल से, शिवांग टिटोरिया (20 हजार इनाम) को दिल्ली से, नीरज चेलानी (20 हजार इनाम) को इंदौर-भोपाल मार्ग से गिरफ्तार किया गया। वहीं नवाब खान और शरीफ खान को सीहोर से गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी भोपाल में तैयार नशीले कफ सिरप को महाकौशल और विंध्य क्षेत्र में अवैध रूप से सप्लाई करते थे।

ग्रामीणों का आरोप, अधिकारी जानकारी होने के बाद भी नहीं कर रहे कार्रवाई

काली मिट्टी का हो रहा अवैध उत्खनन, प्रशासन को लाखों रुपए की रॉयल्टी का हो रहा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर परिषद के वार्ड 3 अंतर्गत खिल्लीखेड़ा, नूरगंज, तामोट एवं गौहरगंज क्षेत्र में काली मिट्टी के कथित अवैध उत्खनन का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से बड़े पैमाने पर काली मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा है, जिससे शासन को लाखों रुपए की रॉयल्टी का नुकसान हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि उत्खनन का कार्य खुलेआम जारी है, जबकि संबंधित विभागों के अधिकारियों को इसकी जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि कुछ प्रभावशाली लोगों

अवैध उत्खनन करते हुए।

एवं राजनीतिक संरक्षण के कारण अवैध उत्खनन पर रोक नहीं लग पा रही है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार तामोट क्षेत्र में रूप से अवैध उत्खनन का कार्य लगातार संचालित हो रहा है। लोगों का सवाल है कि यदि यह गतिविधियां नियमों के विरुद्ध हैं तो प्रशासन द्वारा अब तक कठोर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पटवारी से लेकर तहसील एवं एसडीएम कार्यालय तक मामले की जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई का अभाव कई तरह के सवाल खड़े करता है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जनपद सदस्यों और पंचों जताई नाराजगी

तामोट ग्राम पंचायत में नहीं हो रहा गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामोट

ग्राम पंचायत के निर्माण कार्यों को लेकर ग्रामवासियों एवं जनपद सदस्यों और पंचों में रोष व्याप्त है। गांधी चौक बाजार में नाली इस तरह से बन रही है जो गुणवत्तापूर्ण नहीं है और हल्का पाइप डाला जा रहा है। जहां नाली की आवश्यकता नहीं थी, वहां नाली बना रहे हैं।

तामोट ग्राम पंचायत के पंच और उपसरपंच सभी ग्राम वासियों ने नाली के निर्माण पर नाराजगी जताई है। नाली के कारण आने-जाने वालों को और वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। जनपद सदस्य सुलेखा चौहान ने बताया कि तामोट का तो भगवान ही मालिक है, तामोट में क्या होता है, क्या नहीं होता है यह

जनपद सदस्यों को नहीं बताते। भाजपा नेता बाबूलाल ने कहा कि सब पंचों और उपसरपंचों की राय लेकर कार्य करना चाहिए, मगर तामोट की पंचायत पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है।

अध्यक्ष विजय सिंह कटैत ने कार्यकारिणी को किया भंग

भेल भोपाल के वर्कर्स यूनियन की नई कार्यकारिणी घोषित, संजय अध्यक्ष और कमलेश बने महामंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल के ठेंगड़ी भवन में आयोजित हैवी इलेक्ट्रिकल्स वर्कर्स यूनियन 1797 (बीएचईएल) की आम सभा में सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है। चुनाव अधिकारी व भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर की देखरेख में नई टीम की घोषणा हुई। भेल वर्कर्स यूनियन संघ के अध्यक्ष विजय सिह कठैत के द्वारा कार्यकारिणी को भंग किया गया। भारतीय मजदूर संघ की रीति नीति के अनुसार संजय शर्मा के द्वारा पैनल प्रस्तुत की गई अन्य कोई

नवीन कार्यकारिणी का गठन के बाद फोटो शूट कराते हेवू के सदस्य।

पैनल ना हो कारण चुनाव अधिकारी के द्वारा नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। भारतीय मजदूर संघ का संजय चौधरी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष, कमलेश नागपुरे को महामंत्री निर्वाचित किया गया। नवगठित कार्यकारिणी बीएचईएल में नई ऊर्जा, उत्साह एवं संकल्प के साथ कर्मचारियों के हितों की रक्षा, संगठन की मजबूती एवं उनके अधिकारों के संरक्षण हेतु निरंतर कार्यरत रहेगी। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर, संभाग प्रभारी मेघा दुबे, प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र चंदेल, प्रदेश मंत्री राजन नायर, सर्वपंथ समादर मंच के संयोजक अनिल एडविन, भोपाल जिलाध्यक्ष हीरा रानवें, जिला मंत्री रघुराज दांगी, सफाई मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष सोनू डागर सहित अनेक गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही हेवू बीएमएस बीएचईएल के सदस्यों ने सहभागिता की।

शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यशाला के अंतिम दिन कीर्ति तोलानी ने कहा

शिक्षक मनोरंजक एक्टीविटी के माध्यम से छोटे बच्चे को दें ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

कार्यशाला के अंतिम दिन पहुंची कीर्ति तोलानी शिक्षकों के साथ।

सुधार सभा द्वारा संचालित संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। सर्वप्रथम विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने अतिथियों का परिचय दिया एवं बताया कि आज के सेमीनार का विषय है (नो मोर सिलो लर्नर) इसके अंतर्गत वह बच्चे आते हैं जो धीरे-धीरे ही सीख पाते हैं। इसके बाद उन्होंने बताया कि शिक्षकों का प्रयास सराहनीय है, परंतु इसमें और सुधार की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में सुधार सभा के अध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी ने बताया कि शिक्षा का क्षेत्र ऐसा क्षेत्र है, जहां बच्चों का भविष्य निर्धारित होता है। इसलिए इस साल हमें ऐसे कदम उठाने हैं, जिससे बच्चों का रिजल्ट शत-प्रतिशत आए, क्योंकि बच्चे देश का भविष्य है और उनका भविष्य निर्धारित करना शिक्षकों के ही हाथ में हैं। कार्यशाला में कीर्ति तोलानी (संसाधन मधुबन एज्यूकेशनल बुक) से पधारी ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया कि हर कक्षा में तीन तरह के बच्चे होते हैं सिलो, मीडियम, फास्ट। आजकल के छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल चला रहे हैं, उन्हें मोबाइल चलाना किसने सिखाया उनके इंटरेस्ट ने। इसी प्रकार शिक्षक मनोरंजक के माध्यम से बच्चे को सिखाएं तो वह अवश्य ही सीखेंगे। बच्चे का मन क्लास में लगे इसके लिए हमें बच्चों के साथ कम्युनिकेशन सेट करना होगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने निगम मुख्यालय का अवलोकन कर की प्रशंसा, कहा-आधुनिक युग में नई तकनीक का उपयोग कर बेहतर जनसुविधा के कार्य करें और भोपाल को स्वच्छता में नंबर-1 बनाएं

ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर बना निगम मुख्यालय अटल भवन इन्वायरमेंट फ्रेंडली, सस्टेनेबल फ्रेंडली भवनः केंद्रीय मंत्री प्रधान

नए भवन को बताया आधुनिक भारत का प्रत्यक्ष साक्षी, केंद्रीय मंत्री ने जनप्रतिनिधियों एवं स्वसहायता समूह की बहनों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल का नवीन मुख्यालय अटल भवन अपनी विभिन्न तकनीकी खूबियों के कारण आधुनिक भारत का प्रत्यक्ष साक्षी है और यहां से स्वच्छता एवं जनसुविधा व विकास योजनाओं को संचालित कर भोपाल को और अधिक सुंदर बनाया जा सकता है।

ग्रीन बिल्डिंग कान्सेप्ट पर अपना मुख्यालय भवन बनाया है वह इंवायरमेंटल फ्रेंडली, सस्टेनेबल फ्रेंडली भवन है और यहां बिजली की भी कम खपत होगी और एयरकंडीशन का भार भी कम पड़ेगा। यह बात केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को नवीन मुख्यालय अटल भवन का महापौर मालती राय एवं निगम आयुक्त संस्कृति जैन द्वारा कराए गए अवलोकन के दौरान कही। उन्होंने नवीन भवन के विभिन्न स्थानों एवं नगर जनसुविधा केन्द्र का अवलोकन किया और ग्रीन बिल्डिंग कान्सेप्ट पर बने इस भवन की सराहना भी की। इससे पहले अटल भवन पहुंचने पर महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने श्री प्रधान का स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री ने अटल भवन एवं यहां जनसुविधा हेतु संचालित नगर जनसेवा केन्द्र का अवलोकन भी किया और यहां की कार्य पद्धति के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, स्वसहायता समूह की बहनों एवं निगम अधिकारियों के साथ संवाद किया और भवन में लगाए गए नेशनल वाटर कूलर की सराहना करते हुए कहा कि निगम के जनप्रतिनिधि आधुनिक युग में नवीन तकनीक का उपयोग कर बेहतर जनसुविधा के कार्य करें और भोपाल को स्वच्छता में नंबर-1 बनाएं। इस मौके पर महापौर ने निगम की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। इस दौरान सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, भाजपा प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी के अलावा महापौर परिषद के सदस्य, जोन अध्यक्ष, पार्षद तथा स्वसहायता समूह की बहनें व निगम अधिकारी मौजूद थे।

शहर के लोगों में है पॉजीटिव एनर्जी

प्रधान ने कहा कि भोपाल अत्यंत सुंदर और स्वच्छ शहर है साथ ही यहां के लोगों में पाजीटिव एनर्जी भी है। इससे तय है कि भोपाल दुनिया के सुंदर शहरों में शामिल होगा।

स्वसहायता समूह की बहनों में कौशल की कमी नहीं

प्रधान ने शनिवार को सुबह स्वसहायता समूह की सदस्यों से आत्मनिर्भर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत हुई भेंट एवं चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि भोपाल में स्वसहायता समूह की बहनों में कौशल की कमी नहीं है और इनके द्वारा बनाए गए उत्पाद भी बहुत अच्छे हैं।

महापौर और आयुक्त की भी प्रशंसा की

प्रधान ने महापौर मालती राय एवं निगम आयुक्त संस्कृति जैन द्वारा स्वसहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे कामों की प्रशंसा करते हुए कहा कि महापौर एवं निगम आयुक्त स्वसहायता समूह की बहनों की मदद करें और इग्नू के अधिकारियों से समन्वय कर इन्हें शिक्षा व आधुनिक तकनीक का ज्ञान उपलब्ध कराए। प्रधान ने कहा कि मुझे आशा है कि इन बहनों में से कई बहनें लखपति-करोड़पति भी बन सकती हैं और भोपाल महिला आधारित उत्पादों का केन्द्र भी बन सकता है।

खबर संक्षेप

रेलवे कोच फैक्ट्री में प्रतियोगिताओं का प्रथम चरण पूर्ण

भोपाल। राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली त्रिस्तरीय हिंदी प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में तीन दिवसीय अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताएं के प्रथम दौर का सफल आयोजन किया गया। मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में कारखाना के तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए, राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और दक्षता का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं के प्रथम दिवस राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के पहले चरण में कॉलेज आवंटन जारी

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के तहत एनसीटीई पाठ्यक्रमों (बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड. आदि) के पहले चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है। आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए 15 जून 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 64 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया। पहले चरण में 32,918 अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की तैयारी आज

भोपाल। आयुष मंत्रालय के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए आज रविवार सुबह 6:15 से 7:35 बजे आयोजित योग कार्यक्रम में मप्र समेत देशभर के आयुष संस्थान के छात्र, इंटर्न, जूनियर डॉक्टर्स, रेजीडेंट डॉक्टर्स व कर्मचारी भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की इस बार की थीम है 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग'। सभी आयुवर्गों के लिए शारीरिक, मानसिक, भावात्मक कल्याण बढ़ाने और स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना कार्यक्रम का उद्देश्य है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि भोपाल समेत प्रदेशभर के 54 आयुष कॉलेजों के 11 हजार से ज्यादा आयुष छात्र व 13 हजार से ज्यादा आयुष कर्मचारी शामिल हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि टोल फ्री नंबर 18003157008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीयन कराया जा सकता है।

सारंग ने विद्यार्थियों से किया संवाद

भोपाल। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने पीएम मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और विकास के स्वर्णिम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे शिक्षण संस्थान संवाद के तहत शासकीय महाविद्यालय नरेला में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की।

बावड़ियाकलां में देवकीनंदन ठाकुर की श्रीमद् भागवत कथा का आरंभ

मनुष्य को धर्म, भक्ति, वैराग्य, ज्ञान का मार्ग दिखाती है भागवत कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी देवकीनंदन ठाकुर महाराज की शनिवार से रुद्राक्ष किंग्स्टन, बावड़ियाकलां में श्रीमद् भागवत कथा शुरू हुई। पहले दिन देवकीनंदन महाराज ने श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान कलयुग के लोगों का कल्याण श्रीमद्भागवत से ही होगा। कलियुग में मनुष्य अनेक प्रकार की मोह-माया और अशांति से घिरा हुआ है।

ऐसे समय में श्रीमद्भागवत कथा ही वह दिव्य साधन है जो मनुष्य के जीवन को सही दिशा प्रदान कर सकता है। भागवत कथा के श्रवण से हृदय में भगवान के प्रति प्रेम जागृत होता है, मन के विकार दूर होते हैं और जीवन में आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भागवत कथा का श्रवण करता है, उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने लगते हैं। कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का मार्ग दिखाती है तथा उसे ईश्वर से जोड़ने का कार्य करती है। कथा शुरू करने से पहले महाराज श्री कथा में प्रवेश करने का नियम बताते हुए कहा नो तिलक, नो एंट्री, यानी बिना तिलक के कथा पंडाल में एंट्री नहीं दी जाएगी। महाराज श्री ने बताया कि बिना तिलक के कोई पूजा भगवान स्वीकार नहीं करते है। भक्त कथा श्रवण के लिए पधारें, वे तिलक लगाकर ही आएं, ताकि कोई विधर्मी कथा में प्रवेश न करे।

अधिक मास में किया गया सत्कर्म का फल कई गुना अधिक

देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा कि अधिक मास में किए गए दान-पुण्य अनंत काल तक फल देते हैं। अधिक मास में प्रत्येक सत्कर्म का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। इस पावन मास में किया गया दान, जप, तप, व्रत और सेवा कार्य न केवल इस जीवन में सुख-शांति प्रदान करता है, बल्कि इसे अनंत काल तक पुण्यफल देने वाला बताया गया है। अधिक मास में अन्नदान, वस्त्रदान, गौ-सेवा, जल सेवा, मंदिर निर्माण या किसी भी प्रकार की जरूरतमंदों की सहायता करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

70 किलो फूलों से भगवान संग खेली होली

इतवारा स्थित श्री हित रसिक राधावल्लभ मंदिर में अधिक मास महोत्सव के अंतिम दिनों में ब्रज की पारंपरिक होली का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिरस, उत्साह और रंगों की छटा से सराबोर हो उठा। इस दौरान करीब 70 किलो पुष्पों से पुष्प होली खेली गई। पुष्पों की वर्षा के बीच संपूर्ण वातावरण ब्रज की होली की अनुभूति कराने लगा। उपस्थित रसिक भक्तों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर प्रेम, सौहार्द और भक्ति का संदेश दिया। रंग, गुलाल, पुष्पों की सुगंध और होली के रसिक पदों से मंदिर परिसर ब्रजधाम की अनुपम छटा से आलोकित हो उठा। श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर आज ब्रज में होरी रे रसिया जैसे होली पदों का सामूहिक गायन किया और ठाकुर जी के साथ होली उत्सव का आनंद लिया। उत्सव का प्रमुख आकर्षण श्री राधावल्लभ लाल के अद्भुत युगल स्वरूप के दर्शन रहे। इस विशेष श्रृंगार में ठाकुर जी आधे भाग में स्वयं और आधे भाग में श्री राधारानी के स्वरूप में विराजमान थे, जिससे भक्तों को राधा-कृष्ण के अभिन्न प्रेम स्वरूप के दिव्य दर्शन प्राप्त हुए।

प्रभु श्रीनाथजी को ब्रज रीत अनुसार हाट दुकान में किया विराजमान

प्रभु श्रीनाथजी का शनिवार को चंदन ही रंग के वस्त्र के साथ सर पर टिपारा एवं मोतियों के आभूषण से श्रृंगार किया। अधिक मास पर आज सबसे आलौकिक उत्सव हुआ। श्री गोकुल बाजार जिसमें प्रभु श्रीनाथजी ब्रज की रीत अनुसार हटरी में विराजमान हुए, हटरी यानी हाट दुकान के रूप जिसमें प्रभु विराजमान होकर समान बेच रहे है। इस बाजार में गोकुल के बाजार के रूप में अलग-अलग दुकान बनाई गई। ऐसे फूल, पान की, सिंगर की कपड़े, साड़ी, खिलौने, सोने चांदी की चूड़ी की अनेक प्रकार की दुकान इस बाजार में सजाई गई। यह बाजार को देखने बहुत संख्या में वैष्णव जन आए।

'समृद्ध एमएसएमई-विकसित मप्र' का होगा आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज उद्यमियों को प्रोत्साहन राशि, भू-आवंटन पत्र और हितलाभ करेंगे वितरित

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश में उद्यमिता को नई दिशा देने के साथ रोजगार सृजन को गति प्रदान कर 'विकसित मध्यप्रदेश' बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए रविवार 14 जून को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में वृहद कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विभिन्न जिलों के एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स तथा अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रोत्साहन राशि का वितरण करेंगे। इस दौरान उद्यमियों को भू-आवंटन पत्र, स्टार्टअप नीति अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न लाभ और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत युवाओं को हितलाभ भी वितरित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री करेंगे उद्यमियों, प्रतिनिधियों से संवाद

मुख्यमंत्री डॉ यादव कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए एमएसएमई उद्यमियों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों से सीधा संवाद भी करेंगे। संवाद के माध्यम से उद्यमी अपने अनुभव साझा करेंगे तथा राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और योजनाओं के प्रभाव के बारे में जानकारी देंगे। साथ ही वे उद्यमिता को और अधिक सरल, सुलभ एवं प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव और अपेक्षाएं भी प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप विभाग द्वारा प्रदेश में औद्योगिक निवेश, उद्यमिता संवर्धन और रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देंगे। प्रमुख सचिव एमएसएमई राघवेंद्र सिंह द्वारा विभाग की प्रमुख उपलब्धियों, योजनाओं एवं भावी कार्ययोजना का उल्लेख किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम 'समृद्ध एमएसएमई–विकसित मध्यप्रदेश' रखी गई है। सूक्ष्म लघु,उद्यम विभाग कार्यक्रम में प्रदेश में औद्योगिक निवेश, उद्यमिता संवर्धन और रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित करेगा।

बजट का शत-प्रतिशत उपयोगः अमृत योजना में देश में 7वें स्थान पर मप्र

15 दिवस में प्रगति न लाने वाले रेड लिस्टेड ठेकेदार होंगे ब्लैक लिस्ट, कटेगी परफॉर्मेंस गारंटी, सख्त दिशा-निर्देश

अमृत 2.0 जलप्रदाय परियोजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की हुई समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने निर्देश दिए कि रेड लिस्ट के संविदाकार यदि 15 दिवस में परियोजनाओं में प्रगति नहीं लाते हैं, तो उनकी परफॉर्मेंस गारंटी की कटौती एवं उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। साथ ही रेड लिस्ट वाली परियोजनाओं के सभी संविदाकारों पर एलडी अधिरोपित किया जाएगा। आयुक्त भोंडवे ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ओर से अमृत 2.0 अंतर्गत संचालित जलप्रदाय परियोजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में संविदाकारों और अधिकारियों को निर्देश दिए। आयुक्त भोंडवे ने बताया कि संविदाकारों के कार्यों में किए गए समयबद्ध भुगतान के संबंध में भारत सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उपलब्ध कराई गई राशि का 100 प्रतिशत उपयोग मार्च, 2026 तक सुनिश्चित कर लिया गया। इस बेहतर वित्तीय और प्रशासनिक प्रबंधन के फलस्वरूप मध्यप्रदेश अमृत योजना के अंतर्गत वर्तमान में देश में 7वें रैंक पर आ गया है।

बैठक में वर्तमान में योजनांतर्गत कम प्रगति वाली पाई गई 122 परियोजनाओं की कार्यगुणवत्ता, समयबद्ध क्रियान्वयन एवं लंबित बिंदुओं की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की गई। आयुक्त भोंडवे ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन कम प्रगति वाली परियोजनाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, जिससे कार्य समय-सीमा में पूरे हो सकें। बैठक में संभागीय संयुक्त संचालक, संभागीय अधीक्षण यंत्री, संभागीय कार्यपालन यंत्री, टीएल, पीडीएमसी एवं आरईपी उपस्थित रहे।

समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक धरोहर के लिए उठा रहा आवाज

बंजारा एकता संकल्प यात्रा केवल माध्यम नहीं,बल्कि अधिकारों की लड़ाई का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बंजारा समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और अधिकारों की आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से सेवागढ़ से दिल्ली तक निकाली जा रही ऐतिहासिक बंजारा एकता संकल्प यात्रा शनिवार को भोपाल पहुंची। इस मौके पर न्यू मार्केट में समाज का महासम्मेलन संपन्न हुआ। इसमें समाज के नेताओं ने एकजुटता दिखाते हुए राजनीतिक दलों और प्रशासन के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई। संस्थापक महाराज ने स्पष्ट किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में बंजारा समाज उसी दल का समर्थन करेगा, जो उनके हितों को समझेगा और जमीनी स्तर पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल एक माध्यम नहीं, बल्कि बंजारा समाज के अस्तित्व, अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई का संकल्प है। सेवागढ़ से शुरू हुई यह अलख अब दिल्ली पहुंचकर ही विश्राम लेगी, जहां देश भर का बंजारा समाज अपनी एकजुटता का परिचय देगा। इस मौके पर समाज के श्याम नायक, रमेश सिंह, पवन रामावत, श्रवण भानवे, चरित्र सिंह, राजासिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

वैकल्पिक मार्ग और सुव्यवस्थित ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था करें अधिकारी

मंत्री गौर ने किया निर्माणाधीन 10 लेन सड़क का औचक निरीक्षण

मंत्री की अधिकारियों को दो-टूक, अगस्त-2027 तक हर हाल में पूरा हो 10 लेन सड़क का काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के रत्नागिरी तिराहे से गांधी नगर तक निर्माणाधीन टेनलेन का शनिवार को मंत्री कृष्णा गौर ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को दो-टूक कहा कि टेनलेन सड़क का काम अगस्त-2027 तक हर हाल में पूरा किया जाए और आम लोगों की आवाजाही में किसी तरह की दिक्कत न हो, इसका ध्यान रखें। उन्होंने वैकल्पिक मार्ग और सुव्यवस्थित ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने निर्माण कार्य में सामने आ रही समस्याओं एवं अव्यवस्थाओं को गंभीरता से लेते हुए इनके जल्द निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसी और प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आम लोगों को यातायात, आवागमन एवं अपनी दैनिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अफसरों से कहा- लापरवाही बर्दाश्त नहीं

गौर ने एनएचएआई के अधिकारियों और निर्माणकर्ता एजेंसी के जिम्मेदरों से कहा कि जनसुविधा, सुगम यातायात एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एनएचएआई के अधिकारी, निर्माणकर्ता एजेंसी के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बार-बार पाइप लाइन टूटने को लेकर दिए निर्देश

गौर ने निर्माण कार्यों के दौरान बार-बार टूट रही पाइप लाइनों से हो रही दिक्कत को लेकर अधिकारियों से कहा कि इसके लिए संबंधित एजेंसियों से तालमेल करके निर्माण कार्य करें। मनमाने और लापरवाही से काम नहीं होना चाहिए।

बीएमएचआरसी में सर्पदंश पर व्याख्यानमाला का आयोजन

80 प्रतिशत मृत्यु सर्प के जहर से नहीं होती, बल्कि सर्पदंश के भय से हो जाती हैः डॉ. ललित कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आईसीएमआर-बीएमएचआरसी में शनिवार को अस्पताल संक्रमण नियंत्रण टीम द्वारा सर्पदंश पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. ललित कुमार, विभागाध्यक्ष पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के द्वारा सर्पदंश के उपरांत प्राथमिक उपचार एवं देखभाल पर व्याख्यान दिया गया। उन्होने बताया कि सांपों की कुल प्रजातियां 300 प्रकार की होती हैं, जिनमें से 50 प्रजातियों के सांप ही जहरीले होते हैं, उनमें से भी चार

प्रकार के विषैले सर्पदंश के मामले होते है। चार प्रकार की प्रजातियों में कोबरा, कॉमन क्रैत, रसेल और सॉ-स्केल्ड वाइपर सांपों से ही ज्यादातर सर्पदंश होता है। इन जहरीले सर्पों के काटने से न्यूरोटॉक्सिक, हीमोटॉक्सिक एवं मायोटोक्सिक प्रभाव देखने को मिलता है। सर्पदंश के लगभग 80 प्रतिशत मामलों में प्रभावित व्यक्ति की मृत्यु सर्प के जहर से नहीं होती बल्कि सर्पदंश के भय से ही हो जाती है। डॉ. ललित ने जानकारी दी कि सर्पदंश के मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। इससे बचाव के लिए मरीज को तुरंत प्राथमिक उपचार और नजदीकी अस्पताल में पहुंचना आवश्यक है।

सरकारी अस्पतालों में एंटी-स्नेक वेनम टीका बिल्कुल मुफ्त उपलब्धः डॉ. मनीषा

बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे देश के गांव के खेतिहर किसान और आदिवासी बहुल क्षेत्रों के ज्यादातर लोगों की मृत्यु सांप के काटने से ही हो जाती है, क्योंकि वहां इसके इलाज के प्रति जागरुकता नहीं होती और न ही इसके लिए त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती है। सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विषैले सांपों के जहर को बेअसर करने वाला एंटी-स्नेक वेनम टीका बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराती है।

झाड़-फूंक या अंधविश्वास में नहीं आएं

व्याख्यानमाला में डॉ. ललित ने बताया कि बारिश के मौसम में सर्पदंश के मामले ज्यादा देखने में आते हैं। उन्होंने कहा कि सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक या अंधविश्वास में नहीं पड़ना चाहिए। इसका तुरंत चिकित्सीय इलाज जरूरी है। सर्पदंश के उपरांत पीड़ित को शांत रखें और उसे घबराने न दें और तुरंत ही नजदीकी अस्पताल ले जाकर उपचार दिलाने को प्राथमिकता दें। डॉ. ललित ने कहा कि सर्पदंश के उपरांत बचाव का एकमात्र इलाज अस्पताल में एंटी-स्नेक वेनम इंजेक्शन लगवाना है।

सरकारी फंड नहीं तो मंदिर पर शासकीय नियंत्रण नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि किसी मंदिर को शासकीय नियंत्रणाधीन मानने के लिए उसे सरकार से वित्तीय सहायता मिलना आवश्यक है। इसी आधार पर जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने सागर के पहलवान बब्बा मंदिर को सरकारी नियंत्रण में लेने संबंधी आदेश निरस्त कर मामला पुनर्विचार के लिए संभागायुक्त के पास भेज दिया।

मंदिर के संस्थापक रामेश्वर प्रसाद तिवारी की ओर से अधिवक्ता आशीष त्रिवेदी, आनंद शुक्ला व अपूर्व त्रिवेदी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति नियम, 2019 के नियम 1(जी) के अनुसार केवल वही मंदिर शासकीय नियंत्रण में आ सकता है, जिसे सरकारी अनुदान प्राप्त हो। प्रश्नगत मंदिर को कभी कोई शासकीय फंड नहीं मिला।

कोर्ट ने पाया कि मंदिर को सरकारी नियंत्रण में लेते समय इस महत्वपूर्ण पहलू पर विचार नहीं किया गया। इसलिए 2 सितंबर 2024 को पारित संभागायुक्त का आदेश विधिसम्मत नहीं ठहराया जा सकता। हाई कोर्ट ने आदेश निरस्त कर अपील पर सभी पक्षों की दलीलों के आधार पर नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिए।

प्रख्यात गायक वेद पांड्या अपनी प्रस्तुति देते हुए।

सांसों की माला पे... से शुरू हुआ कारवां मीरा, कबीर के दोहो तक गया

सूफी कव्वाली की जादुई प्रस्तुति के नाम रहा छतनारा का अनहद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार शाम, छतनारा समूह द्वारा अनहद कार्यक्रम के अंतर्गत विख्यात बैंड अधिरोहा ने सूफी कव्वाली की प्रस्तुति दी। रंगश्री लिटिल बैले ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में कवि निशांत ने होस्ट की भूमिका निभाई। ओपनिंग परफॉर्मन्स के लिए गर्दिशों के हैं मारे हुए ना... गीत के साथ प्रख्यात गायक वेद पांड्या ने एकल प्रस्तुति दी। इसके बाद वेद ने बुल्ले शाह के एक गीत के साथ अपनी प्रस्तुति का अंत किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते हुए कलाकार।

सूफी कलामों को लोगों तक पहुंचाने निभाते हैं 'पुल' की भूमिका

इसके बाद कार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति के तौर पर दुबई और श्रीलंका जैसे देशों में अपनी प्रस्तुति से लोगों का दिल जीतने वाले अधिरोहा बैंड ने कव्वाली की शुरुआत की, जिसमें बैंड के फाउंडर देवेश भूआर्या ने कहा कि एक गायक के तौर पर हम उस पुल की भूमिका निभाते हैं जो सूफी कलामों को लोगों तक पहुंचा सके। इसीलिए हमारा बैंड का मोटो भी है - हम गाते नहीं, कहते हैं!

सूफी संगीत संग मीरा कबीर के दोहो को भी पिरोया सुरों में

देवेश ने जब सांसों की माला पे... गाना शुरू किया तो लोग उनके साथ गाने लगे। इसी के साथ उन्होंने उनके अंदाजे करम...., तैनू तकिया तो लगा मुझे ऐसे...., तू माने या ना माने दिलदारा.... जैसे गानों से श्रोताओं का दिल जीत लिया। उन्होंने सिर्फ सूफी संतों के गीत ही नहीं बल्कि मीरा, कबीर जैसे कवियों की रचनाओं की भी संगीतबद्ध प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में छतनारा की निदेशिका मोहिनी शर्मा ने सभी कलाकारों का स्मृति चिन्ह देकर आभार व्यक्त किया।

डॉ. सुधीर आजाद की फिल्म का चयन

19वें एमआईएफएफ के अंतरराष्ट्रीय खंड में दिखेगी 'द लास्ट लेटर'

भोपाल। भारतीय जीवन की संवेदना, संबंधों की ऊष्मा और डाक विभाग की आत्मीय परंपरा को केंद्र में रखकर बनी डॉ. सुधीर आजाद की फिल्म 'द लास्ट लेटर' का चयन लघु और एनिमेशन फिल्मों के लिए देश के महत्वपूर्ण मंचों में से एक 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2026 के अंतरराष्ट्रीय खंड में किया गया है। फिल्म को महोत्सव की प्रतिष्ठित प्रिज्म श्रेणी में स्थान मिला है। इसकी स्क्रीनिंग 21 जून को सुबह 10.20 बजे मुंबई के एनएफडीसी कॉम्पलेक्स में होगी। यह चयन डॉ. आजाद की रचनात्मक यात्रा के साथ-साथ मप्र के स्वतंत्र और सार्थक सिनेमा के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पोस्टमैन के जीवन के बहाने, भावनात्मक संसार को सामने लाती फिल्म

सुधीर आजाद ने कहा कि यह फिल्म एक पोस्टमैन के जीवन के बहाने उस भावनात्मक संसार को सामने लाती है, जिसे आधुनिक तकनीक की तेज रफ्तार ने धीरे-धीरे पीछे छोड़ दिया है। फिल्म का नायक केवल पत्र पहुंचाने वाला व्यक्ति नहीं है, बल्कि वह गांव, कस्बे और समाज के बीच रिश्तों, प्रतीक्षा, भरोसे और आत्मीयता का वाहक है। वह लोगों के घरों तक सिर्फ खबर नहीं पहुंचाता, बल्कि उनके सुख-दुख, उम्मीदों और स्मृतियों का भी साक्षी बनता है। फिल्म का कथ्य सरल है, लेकिन उसकी संवेदना गहरी है।

रवींद्र भवन में गूंजा ब्रेख्त का कालजयी नाटक, 'काकेशिया का चॉक सर्कल'

युद्ध, सत्ता, न्याय और मानवीय संवेदनाओं के जटिल सवालों को किया मंच पर सजीव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

युद्ध, सत्ता, न्याय और मानवीय संवेदनाओं के जटिल सवालों को मंच पर सजीव करते हुए रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि के टैगोर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के विद्यार्थियों ने विश्वप्रसिद्ध नाटक 'द कॉकेशियन चॉक सर्कल' का प्रभावशाली मंचन रवींद्र भवन में किया। जर्मन नाटककार बर्टोल्ट ब्रेख्त की इस नाट्य रूपी कृति ने दर्शकों को केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि न्याय, उत्तरदायित्व और मातृत्व के गहरे अर्थों पर विचार करने के लिए भी प्रेरित किया। युद्ध, सत्ता, न्याय और मानवीय संवेदनाओं के इस मंचन पर दर्शक मंत्रमुग्ध होकर निहारते रहे।

मंचन रवींद्र भवन में नाटक 'द कॉकेशियन चॉक सर्कल' का मंचन करते कलाकार।

काकेशिया में विद्रोह की आग भड़कने से हुई शुरुआत

कहानी की शुरुआत काकेशिया में विद्रोह की आग भड़कने से शुरू होती है। जनाक्रोश के बीच ग्रैंड ड्यूक की सत्ता ध्वस्त हो जाती है। ग्रैंड ड्यूक की सत्ता के खिलाफ विद्रोह के दौरान गवर्नर की हत्या हो जाती है और उसकी पत्नी अपने छोटे बेटे को छोड़कर भाग जाती है। ऐसे कठिन समय में ग्रुशा नामक एक साधारण सेविका बच्चे को बचाने का जिम्मा उठाती है और युद्ध, भूख तथा अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए उसका पालन-पोषण करती है।

नाटक का मंचन करते कलाकार।

वर्षों बाद हुआ बच्चे के अधिकार को लेकर विवाद खड़ा

वर्षों बाद सत्ता परिवर्तन होने पर बच्चे के अधिकार को लेकर विवाद खड़ा हो जाता है, जो अजदक की अदालत तक पहुंचता है। अपनी अनोखी न्याय-प्रक्रिया के माध्यम से अजदक यह निर्णय देता है कि वास्तविक अधिकार उसी का है, जिसने प्रेम, त्याग और जिम्मेदारी के साथ बच्चे की देखभाल की हो। नाटक न्याय, मानवता और मातृत्व की गहरी संवेदनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है। नाटक में प्रभावशाली तकनीकी पक्ष के साथ साथ रियालिस्टिक सेट डिजाइन दर्शकों को बांधे रखा।

मैं दुनिया को स्त्री की आंखों से देखता हूं...

फिल्म स्क्रीनिंग के मौके पर भोपाल आए अविनाश दास ने किए अनुभव साझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हरिभूमि चर्चा

मेरे बारे में हमेशा से यह कहा जाता है कि मैं स्त्री नजरिये से फिल्म बनाता हूं फिर वो मेरी निर्देशित अनारकली ऑफ आरा हो, जी5 फिल्म 'रात बाकी है' हो या नेटफ्लिक्स सीरीज 'शी' हो... स्त्री प्रधान इन फिल्मों को मैंने स्त्री सोच के आधार पर ही बनाया। क्योंकि मेरे भीतर पुरुष से ज्यादा एक स्त्री है, जो दुनिया के संघर्षों को बड़ी ही कोमलता से या स्त्री नजरिया से देखता हैं। यह कहना है प्रसिद्ध निर्देशक अविनाश दास का, जो भोपाल स्टोरी टेलिंग में आयोजित फिल्म स्क्रीनिंग के मौके पर आए और हरिभूमि से बातचीत में उन्होंने अपने कॅरियर से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की।

वर्तमान मीडिया सरकार से ज्यादा विपक्ष से पूछता है सवाल

मीडिया को हमेशा सरकार से सवाल पूछने वाला होना चाहिए, लेकिन आज का मीडिया विपक्ष से ज्यादा सवाल पूछता है तो यह आज वर्तमान का मीडिया का प्रस्पेशन है और इसे बदलना चाहिए।

20 साल की मीडिया नौकरी में कई आईडिया आए और डंप भी हुए

उन्होंने कहा कि 20 साल तक मीडिया में नौकरी करने के बाद में थक गया था। कई स्टोरी आईडिया मुझे आते थे, लेकिन सभी डंप हो जाते, क्योंकि मैं हिंदी लिटरेचर का व्यक्ति हूं तो मुझे लगा कि मुझे निर्देशन के क्षेत्र में जाना चाहिए, फिर काफी संघर्षों के बाद में इस क्षेत्र में मुकाम हासिल कर पाया।

सेंसर बोर्ड ने नहीं दिया सर्टिफिकेट, कोर्ट की ली शरण

कार्यक्रम में अविनाश द्वारा निर्देशित जावेद जाफरी अभिनीत 'इन गलियों में' फिल्म की स्क्रीनिंग भी रखी गई, जिसके बाद फिल्म से जुड़े कई प्रश्न ऑडियंस ने पूछे, राजनेतिक ढंग से ऐसी मूवी बनाने की हिम्मत के सवाल पर उन्होंने कहा कि बात हिम्मत की नहीं, बल्कि लाखों लोग जिस बात को मानते हैं उसे सरल ढंग से कहने का है। इस फिल्म को सेंसर बर्ड ने सर्टिफिकेट देने से इनकार किया तो हमें कोर्ट से इसके लिए परमिशन लेना पड़ी।

साइंस सेंटर में मनाया 'शून्य छाया दिवस 2026'

लाइव प्रदर्शनों के जरिए पृथ्वी के अक्षीय झुकाव, अक्षांश व सूर्य की स्थिति जानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल में शून्य छाया दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों और विज्ञान प्रेमियों ने इस दुर्लभ खगोलीय घटना का प्रत्यक्ष अवलोकन कर विज्ञान को करीब से महसूस किया।

दूरबीनों से सूर्य और सूर्य धब्बों का अवलोकन कराया

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने ह्यूमन चेन और ह्यूमन सर्कल गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न प्रयोग किए गए, जिसमें लाइव प्रदर्शनों के जरिए पृथ्वी के अक्षीय झुकाव, अक्षांश और सूर्य की स्थिति के प्रभावों को सरल भाषा में समझाया गया। विशेष आकर्षण के रूप में सुरक्षित सौर दूरबीनों से सूर्य और सूर्य धब्बों का अवलोकन कराया गया, जिसने प्रतिभागियों में खगोल विज्ञान के प्रति उत्सुकता और बढ़ा दी। यह आयोजन विज्ञान को अनुभव के माध्यम से सीखने का एक यादगार अवसर साबित हुआ।

एआई और तकनीक बदल रहे हैं चार्टर्ड अकाउंटेंसी का भविष्य

दो दिवसीय राष्ट्रीय सीए छात्र सम्मेलन 'अभ्युदय 2026' का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आज के डिजिटल चैलेंज के दौर का प्रभाव चार्टर्ड अकाउंटेंसी पर पड़ना लाजमी है। पहले जहां लेखांकन, ऑडिट और टैक्स निर्धारण की अधिकांश प्रक्रियाएं मैनुअल होती थीं, वहीं अब तकनीक दक्षता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने इन कार्यों को अधिक सटीक, तेज और प्रभावी बना दिया, एआई आधारित सॉफ्टवेयर से फाइनेंशियल डाटा का विश्लेषण कुछ ही मिनटों में कर सकते हैं, इससे ऑडिट प्रक्रिया में एरर की समस्या न के बराबर होती है। क्लाउड अकाउंटिंग, डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन और

ऑटोमेशन जैसे तकनीकी उपकरणों ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की कार्यप्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है।

उपरोक्त बात आईसीएआई द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सीए छात्र सम्मेलन 'अभ्युदय 2026' के शुभारंभ अवसर पर आईसीएआई के केंद्रीय परिषद के सदस्य और बीओएस के चेयरमैन रजेश शर्मा ने कही।

कार्यक्रम में देशभर से करीब 700 से अधिक सीए छात्रों ने भाग लिया। मंत्री विश्वास सारंग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में एआई नया आयकर अधिनियम 2025, जीएसटी 2.0, कॅरियर विकास और नेतृत्व जैसे समसामयिक विषयों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया।

तकनीक से डरने की नहीं, बल्कि तकनीक का मास्टर होने की जरूरत

कार्यक्रम में जीएसटी 2.0 पर प्रसिद्ध विषय विशेषज्ञ सीए शेफाली गिरधरवाल ने देश के बदलते अप्रत्यक्ष कर ढांचे और जीएसटी के नए नियमों की बारीकियों से छात्रों को अवगत कराया, तो वहीं एआई और टेक्नोलॉजी पर मुंबई दिल्ली से आए विशेषज्ञ वक्ता सीए श्रेयस धारकर ने वित्तीय ऑडिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स के प्रभाव को समझाया। उन्होंने कहा कि तकनीक से डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि पेशेवरों को तकनीकि का मास्टर बनना होगा।

'किड्स फैशन वीक' में दिखा आत्मविश्वास का रंग

नन्हे कदमों ने रैंप पर बिखेरी चमक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लालघाटी स्थित जीवाना विलेज रिसॉर्ट शनिवार को उस समय रंगों, मुस्कानों और आत्मविश्वास से सराबोर हो उठा, जब 'किड्स फैशन वीक इंडिया-भोपाल एडिशन' के मंच पर नन्हे प्रतिभागियों ने अपने हुनर और व्यक्तित्व की अद्भुत छटा बिखेरी। आकर्षक रोशनी, मधुर संगीत और तालियों की गूंज के बीच बच्चों ने पारंपरिक और आधुनिक परिधानों में शानदार प्रस्तुति दी। किसी ने अपनी मासूम मुस्कान से दर्शकों का मन मोहा तो किसी ने आत्मविश्वास से भरी कैटवॉक के जरिए सभी को प्रभावित किया। पूरे आयोजन में बच्चों का उत्साह, ऊर्जा और मंच पर सहज अभिव्यक्ति देखने योग्य रही। इंडिया प्रीमियर रनवे एंड ब्यूटी पेजेंट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मेंटर हरिओम जटिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मांडू में आजीविका मिशन दीदियों के निर्मित बाघ प्रिंट कला का किया अवलोकन

ब्रिक्स देशों के विदेशी मेहमानों ने किया मांडू का भ्रमण

मांडू की वास्तुकला, सांस्कृतिक विरासत और मालवा की मेहमान नवाजी से हुए अभिभूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

इंदौर में 9 से 13 जून तक आयोजित ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण कृषि सम्मेलन में सहभागिता कर रहे विदेशी मेहमानों ने शनिवार को मांडू का भ्रमण किया। पूर्व का शिराज के नाम से प्रसिद्ध मांडू की 15वीं शताब्दी की स्थापत्य कला, उन्नत जल-संरक्षण तकनीक एवं सांस्कृतिक धरोहर को देखकर ब्रिक्स देशों के मेहमान अभिभूत हो गए। जिला प्रशासन द्वारा मेहमानों का स्वागत मालवी परंपराओं के साथ पुष्पवर्षा से किया गया।

ब्रिक्स देशों के मेहमानों के साथ मांडू भ्रमण करते केंद्रीय मंत्री शिवराज।

आदिवासी संस्कृति के नृत्य दलों के साथ थिरके

ब्रिक्स देश से आए मेहमानों का स्वागत पारंपारिक नृत्य दलों द्वारा नृत्य प्रस्तुति से किया गया। नृत्य दल द्वारा आदिवासी ढोल, थाली की थाप पर कुराटीया मारते हुए नृत्य किया गया ,जिसे देख विदेशी मेहमान भी साथ में थिरकने लगे और नृत्य दलों की प्रस्तुति की सराहना की। जहाज महल के मुख्य द्वार आजीविका मिशन दीदियों द्वारा बाग प्रिंट स्टॉल लगाया है। विदेशी मेहमानों ने जिले की पहचान बाग प्रिंट स्टॉल का अवलोकन किया।

लाइट एंड साउंड शो का उठाया लुफ्त

विदेशी मेहमानों का मुख्य द्वार से जहाज महल में प्रवेश के बाद विदेशी मेहमानों को मांडू और जहाज महल के गौरवशाली इतिहास तथा स्थापत्य कला की जानकारी दी। जहाज महल परिसर में ही विशेष आकर्षण के रूप में ऐतिहासिक प्राचीर पर भव्य 'लाइट एंड साउंड शो' का प्रदर्शन किया गया, जिसमें मांडू के इतिहास की विस्तृत जानकारी जिसमें सुलतानों से लेकर राजा भोज तक के शासन की कहानी प्रदर्शित की गई, जिससे जहाज महल का प्राचीर शाम को भव्य रहा।

मेहमानों ने जहाज महल का अवलोकन किया

सर्वप्रथम विदेशी मेहमानों ने जहाज महल का अवलोकन कर उसकी वास्तुकला की सराहना की। दो विशाल तालाबों मूंज और कपूर तालाब के बीच स्थित इस तैरते महल को देखकर सभी सदस्य चकित रह गए। अधिकृत पुरातत्वत गाइड ने जानकारी देकर बताया कि मानसून में चारों ओर पानी से घिर जाने पर यह जहाज जैसा प्रतीत होता है। मांडू की 500 वर्ष पुरानी जल-प्रबंधन प्रणाली की जानकारी दी, जिसकी ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने मुक्तकंठ से सराहना की।

प्रेस वार्ता में श्रद्धा भक्ति कल्याण संस्थान की अध्यक्षा डॉ. कोमल ने कहा

महेंद्र मिश्रा संचालक गोशाला को मिलेगा 2026 का साईं रत्न अवॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

16 जून को आयोजित होने वाले साईं रत्न अवॉर्ड समारोह के संबंध में श्रद्धा भक्ति कल्याण संस्थान की अध्यक्षा डॉ. कोमल द्वारा शनिवार को होटल राजहंस में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें कोमल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष संस्था द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चयनित व्यक्तित्व को साईं रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया जाता है, जिसमें उन्हें 11,000 की राशि के साथ संस्था का मोमेंटो भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यह पुरस्कार गैलेक्सी अपार्टमेंट, बावड़िया कलां पर महेन्द्र मिश्रा (संचालक, गोशाला) को मुख्य अतिथि कृष्णा गौर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के द्वारा प्रदान किया जाएगा।

प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देतीं संस्था की अध्यक्ष डॉ. कोमल व अन्य।

एक एक्सीडेंट ने बदला जीवन का स्वरूप

इसके साथ ही कोमल ने 'साईं भागवत' पुस्तक पर चर्चा भी की, वर्ष 2017 में कोमल द्वारा रचित इस पुस्तक में उन्होंने साईं के ऊपर अपने विचारों को दोहों के रूप में प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने बताया कि किस प्रकार 2010 एक भयानक कार एक्सीडेंट के बाद उनके जीवन में अमूल चूल परिवर्तन आया और वो अध्यात्मिक जगत से जुड़ गईं और तभी से प्रत्येक वर्ष समाजिक कार्यों को करने के साथ साईं रत्न अवॉर्ड देने का निश्चय लिया।

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड
डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

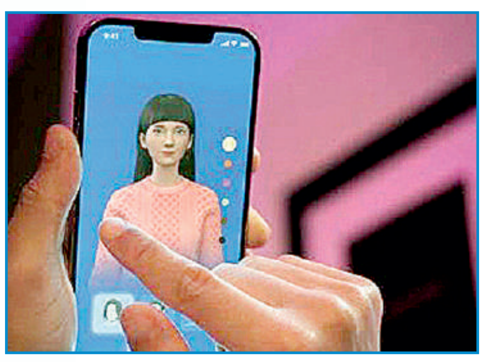

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत
जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

टेक्नोसाइंस
प्रतिमा अरोड़ा

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते- बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

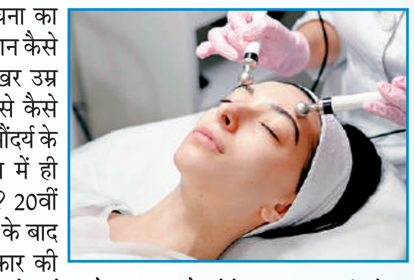

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

गजल
सुधा मिश्रा 'तितिक्षा'

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-हया की चिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, झीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां टकरा रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये हवाएं सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

स्मरण
अरविंद कुमार

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

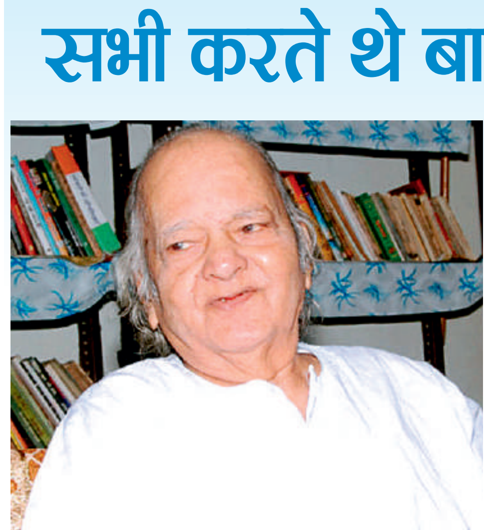

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित हैं ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा, 'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्मर हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

मोरक्को के खिलाफ नहीं खेलेंगे नेमार

न्यू जर्सी। फीफा वर्ल्ड कप में मोरक्को के खिलाफ होने वाले अपने पहले मुकाबले में ब्राजील फुटबॉल टीम स्टार खिलाड़ी नेमार के बिना खेलेगी। टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के अनुसार, पिंडली की चोट से उबर रहे नेमार पूरे ग्रुप स्टेज में शायद सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। कोच एंसेलोटी ने कहा कि नेमार में सुधार हो रहा है, लेकिन वह अभी वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, वह जल्द से जल्द फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह अगले हफ्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट पाएंगे।

स्पेन टीम में यामल, विलियम्स और मुनोज ने की वापसी

गुआडालाजारा। स्पेन सोमवार को केप वर्डे के खिलाफ विश्व कप फुटबॉल के अपने पहले मैच में पूरे दलबल के साथ उतरेगा क्योंकि लामिन यामल और निको विलियम्स के बाद फॉरवर्ड विक्टर मुनोज ने भी पूरी तरह फिट होकर वापसी कर ली है। स्पेन की टीम विश्व कप से पहले कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही थी, जिससे उसे अपनी तैयारियों में बदलाव करने पड़े। मिकेल मेरिनो और फैबियान रुइज़ भी चोटिल थे, लेकिन बाद में वे टीम में वापस आ गए।

अमेरिका की सबसे बड़ी जीत, पराग्वे को 4-1 से रौंदा

अमेरिकी टीम ने रचा इतिहास पहले हाफ में दागे तीन गोल

इंगलवुड (कैलिफोर्निया)। फोलारिन बालोगुन ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे अमेरिका ने अपनी घरेलू धरती में 32 वर्षों में पहली बार खेले जा रहे फुटबाल विश्व कप में पराग्वे पर 4-1 की धमाकेदार जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अमेरिका की विश्व कप में यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इस टूर्नामेंट में कभी तीन से अधिक गोल नहीं किए थे। यही नहीं अमेरिकी टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागे, जो विश्व कप में उसका रिकॉर्ड है।

पुलिसिच का शानदार प्रदर्शन

क्रिश्चियन पुलिसिच ने पहले हाफ में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल करने में मदद की। अमेरिका ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन उसने खाता आत्मघाती गोल से खोला था। बालोगुन ने 31वें और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके अमेरिका को मध्यांतर तक 3-0 से आगे रखा था। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के आखिरी क्षणों में जियो रेना ने एक और गोल दागा। इस तरह से अमेरिकी टीम ने विश्व कप के किसी मैच में पहली बार चार गोल किए। अमेरिका ने चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में अपने चार मैचों में कुल मिलाकर केवल तीन गोल किए थे।

मॉरीसियो ने किया पराग्वे की तरफ से एक गोल

पराग्वे की तरफ से एकमात्र गोल मॉरीसियो ने 73वें मिनट में किया, लेकिन 16 साल में अपना पहला विश्व कप खेल रही दक्षिण अमेरिका की यह टीम शुरू में पिछड़ने के बाद किसी भी समय वापसी नहीं कर पाई।

अमेरिकी टीम का खेल देखने स्टेडियम में उमड़े 70492 दर्शक

इंगलवुड। खचाखच भरे स्टेडियम में अमेरिकी टीम की जर्सी पहने और चेहरे पर देश के झंडे के लाल सफेद और नीले रंग पुते दर्शक अमेरिका के किसी भी स्टेडियम में दिख जाएंगे लेकिन इस बार पहली बार ये दर्शक फुटबॉल के लिए उमड़े थे । विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका के पहले मैच में लॉस एंजिलिस के पास स्टेडियम में 70492 दर्शक आए, जिन्होंने अपनी टीम को पराग्वे पर 4-1 से जीत दर्ज करते देखा। हजारों डॉलर खर्च करके अमेरिका को ऐसे खेल के महासमर में अपनी सरजमीं पर खेलते देखने ये दर्शक आए थे, जो खेल देश में लोकप्रियता खोता जा रहा था। अधिकांश प्रशंसकों का कहना है कि बचपन में मनोरंजन क्लबों के लिये फुटबॉल खेलते हुए वे बड़े हुए हैं। लॉस एंजिलिस में रहने वाली 37 वर्ष की नकिशा गुतिरेज और उनकी बहन दोनों फुटबॉल खेलती हैं।

1930 के बाद 2 गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने बालोगुन

इंगलवुड। अमेरिका के नए फुटबॉल नायक बने फोलारिन बालोगुन तीन में से किसी भी देश के लिए खेल सकते थे। लेकिन उन्होंने अमेरिका को चुना और अब विश्व कप फुटबॉल में पहले मैच में उन्होंने दो गोल करके अपनी टीम को पराग्वे पर 4-1 से शानदार जीत दिलाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम की मौजूदगी में बालोगुन 1930 के बाद विश्व कप के किसी मैच में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गए। उस समय बर्ट पटेनाउड ने पराग्वे के खिलाफ ही अमेरिका की 3-0 की जीत में तीनों गोल किए थे, जो विश्व कप के इतिहास में पहली हैट्रिक थी।

कैंसस सिटी में चोरी हुए इंग्लैंड टीम के उपकरण

कैंसस सिटी । फीफा वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती मुकाबले से पहले इंग्लैंड फुटबॉल टीम की तैयारियों को बड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम के कुछ ट्रेनिंग उपकरण कैंसस सिटी पहुंचने के दौरान चोरी हो गए हैं। इस मामले की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है। बताया जा रहा है कि इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग सामान फ्लोरिडा स्थित प्री-टूर्नामेंट ट्रेनिंग कैंप से कैंसस सिटी के स्वोप सॉकर विलेज भेजा जा रहा था। इसी दौरान सामान ले जा रही गाड़ी से कुछ उपकरण गायब हो गए। इंग्लैंड की टीम कैंसस सिटी पहुंचने वाली थी और वहां अभ्यास शुरू करने की तैयारी कर रही थी। स्थानीय पुलिस ने पुष्टि की है कि इस मामले को चोरी के रूप में दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कनाडा को 1 पॉइंट हासिल करने में लगे 40 साल

टोरंटो। कनाडा ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-1 से ड्रॉ पर रोककर विश्व कप फुटबॉल में अब तक खेले गए अपनी कुल सात मैचों में पहली बार अंक हासिल किया। इससे पहले कनाडा टीम 1986 में मैक्सिको में और 4 साल पहले कतर में हुए विश्व कप में अपने सभी मैच हार गई थी। स्टेडियम जब कनाडा की लाल जर्सी के रंग में रंगा हुआ था और दर्शक 'गो कनाडा' के नारे लगा रहे थे तब उसकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जिससे दर्शक सन्न रह गए। बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए जोवो लुकिच ने 21वें मिनट में कॉर्नर किक पर हेडर से गोल दागा। कनाडा की टीम और उसके प्रशंसकों ने हालांकि भरोसा बनाए रखा और आखिर में उसे 78वें मिनट में जश्न मनाने का मौका मिल गया जब स्थानापन्न खिलाड़ी साइल लारिन ने बराबरी का गोल किया। ऐसे में लारिन ने मैदान पर उतरने के महज दो मिनट बाद ही प्रॉमिस डेविड के पास को गोल में बदल दिया।

- कनाडा ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-1 से ड्रॉ पर रोक

प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना अद्भुत अहसास

लारिन के लिए यह और भी बेहतर अनुभव था, जो आमतौर पर शुरुआती लाइनअप में होते हैं, लेकिन उन्हें दूसरे हाफ के आखिर क्षणों तक बेंच पर बैठकर मैच देखना पड़ा। लारिन ने कहा, 'अपने गृहनगर में गोल करना और प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना अद्भुत अहसास है। माहौल शानदार था।' लारिन का यह गोल विश्व कप में कनाडा का केवल दूसरा गोल था। बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए गोल करने वाले लुकिच को भी शुरुआती एकादश में जगह नहीं मिलती लेकिन एडिन डेज़ेको (कंधे में चोट) और हारिस तबाकोविच (चोट का कारण अज्ञात) के चोटिल होने के कारण उन्हें शुरू में ही मैदान पर उतारा गया और वह अपेक्षाओं पर खरे उतरे। बोस्निया-हर्जेगोविना दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा ले रहा है।

खबर संक्षेप

शिर्से ने बाधा दौड़ में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

लुधियाना। तेजस शिर्से ने इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में शनिवार को पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। रिलायंस फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व कर रहे 24 वर्षीय शिर्से ने 13.27 सेकंड का समय लेकर अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने अपना पिछला रिकॉर्ड 2024 में 13.41 सेकंड के समय के साथ बनाया था। शिर्से ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए निर्धारित किए गए क्वालीफाइंग मार्क 13.39 सेकंड से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले महीने रांची में फेडरेशन कप में 13.50 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता था। शिर्से का 13.27 सेकंड का समय एशिया में इस सत्र का छठा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

जसपाल राणा का निधन अपूरणीय क्षतिः भाकर

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने अपने कोच जसपाल राणा के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक जसपाल के मार्गदर्शन में मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीते थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट में मनु ने अपनी और राणा की तीन तस्वीरें साझा करते हुए लिखा,' अपूरणीय क्षति।' मनु देहरादून में राष्ट्रीय शिविर में भाग ले रही है। राणा का पार्थिव शरीर जब देहरादून लाया गया तो वह मौजूद थी और अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सकीं।

एफआईएस ने स्की और स्नोबोर्ड को दी मान्यता

बेलग्रेड। अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड महासंघ (एफआईएस) ने भारतीय स्की स्नोबोर्ड (एसएसआई) की मान्यता रद्द करते हुए भारतीय स्की और स्नोबोर्ड संघ (बीएसएसए) को देश में इस खेल के संचालन के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय महासंघ के रूप में पूर्ण सदस्यता प्रदान की है।

महिला टी20 विश्व कप : भारत और पाकिस्तान में हाई-वोल्टेज मैच आज, टीम इंडिया का पलड़ा भारी

टी20 में दोनों टीमों में हुई 16 बार भिड़ंत, 13 मुकाबलों में जीती भारतीय टीम

नई दिल्ली । महिला टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम पाकिस्तान पर हावी रही है। टी20 इंटरनेशनल में भारत और पाकिस्तान की अब तक कुल 16 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 13 मुकाबलों में जीत भारतीय टीम के हाथ लगी है। सिर्फ 3 मुकाबलों में ही पाकिस्तान की टीम जीत दर्ज कर सकी है। भारतीय टीम रविवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में अपने दमदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम और पाकिस्तान की आखिरी भिड़ंत साल 2024 में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप के दौरान हुई थी, जहां भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी।

भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, याजक पाटिल, श्रीदेवी, यतिका भाटिया।

पाकिस्तान टीम

फातिमा सना (कप्तान), गुल फिरोजा, आयशा जफर, इरम जावेद, अयमान फातिमा, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जबीन, मुनीबा अली, तुबा हसन, रामिन शमीम, सादिया इकबाल, नशरा संधू, डायना बेग, तस्मिया रुबाब।

मैच शाम 7 बजे शुरू होगा। सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स टीवी चैनल पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध होगी।

विदेशी खिलाड़ियों के मामलों पर हस्तक्षेप नहीं करेगा बीसीसीआई

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

हाल में खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग सत्र के दौरान फ्रेंचाइजी की चिंताओं के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) विदेशी खिलाड़ियों और उनकी टीम के बीच उनकी उपलब्धता को लेकर कोई मध्यस्थता नहीं करेगा। बीसीसीआई ने उन विदेशी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, जो नीलामी में खरीदे जाने के बाद टूर्नामेंट से हट जाते हैं। लेकिन दो महीने तक चलने वाले आईपीएल में खिलाड़ियों की उपलब्धता अभी भी एक मुद्दा बनी हुई है।

जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे खिलाड़ी मामूली चोटों के कारण टूर्नामेंट के शुरूआती हिस्से में उपलब्ध नहीं थे। स्टार्क की अनुपस्थिति का दिल्ली कैपिटल्स पर प्रतिकूल असर पड़ा।

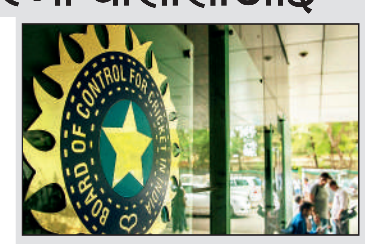

बेहतर तालमेल की जरूरत

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने प्लेऑफ अभियान के बाद सैम करन के चोट के कारण आईपीएल से हटने के बाद ब्रिटेन में टी20 खेलने पर निराशा व्यक्त की थी। पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन का कहना है कि बीसीसीआई और अन्य बोर्डों को विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर बेहतर तालमेल बिठाने की जरूरत है। संगकारा ने कहा था, 'हमें बताया गया था कि सैम करन को ऐसी चोट लगी है, जिससे वह पूरे सत्र के लिए बाहर हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ओपन

सेमीफाइनल में हारी सिंधू 17 महीने का इंतजार बरकरार

एजेंसी ▶▶| सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को ऑस्ट्रेलिया बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से सीधे गेम में पराजित हो गईं, जिससे इस भारतीय खिलाड़ी का बीडब्ल्यूएफ खिताब का इंतजार बरकरार रहा। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिंधू को यहां तीसरी वरीयता मिली थी। उन्होंने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी लेकिन 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 20-22, 12-21 से हार गईं। सिंधू के बाहर होने के साथ ही इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया।

सिंधू ने पहले गेम में किया डटकर सामना

सिंधू ने पहले गेम में यामागुची के हर शॉट का डटकर सामना किया। दोनों खिलाड़ियों ने लगातार छह-छह अंक हासिल किए, लेकिन भारतीय खिलाड़ी अपने गेम प्वाइंट को अंक में बदलने में नाकाम रही। यामागुची ने संयम बनाए रखते हुए पहला गेम जीत लिया।पर दूसरे गेम में खेल का रुख पूरी तरह बदल गया। यामागुची ने लगातार आठ अंक बनाकर 13-6 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में अपना दबदबा बनाए रखते हुए आसानी से मैच जीत लिया। अब जापानी खिलाड़ी महिला एकल के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी।

केरल में विश्व कप की दीवानगी, अर्जेंटीना फैंस ने बनाया तैरता हुआ स्टेडियम

एजेंसी ▶▶| कोझिकोड

केरल में फुटबॉल विश्व कप की दीवानगी चरम पर है, जहां सड़कों और गांवों में लियोनेल मेसी, नेमार और क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे सितारों तथा अर्जेंटीना, ब्राजील और पुर्तगाल जैसी टीमों के पोस्टर, फ्लेक्स और कटआउट बड़ी संख्या में लगाए जा रहे हैं।

लोग अपने घरों को भी अपनी पसंदीदा टीमों के रंगों से सजा रहे हैं। सबसे ज्यादा सुर्खियां हालांकि

पुल्लावूर गांव में नदी के बीचों-बीच बने एक अनोखे स्टेडियम को मिल रही हैं, जिस पर अर्जेंटीना की पूरी टीम के कटआउट लगाए गए हैं।

दिग्गज खिलाड़ियों के लगाए विशाल कटआउट

इस फ्लोट (मंच) के निर्माताओं का कहना है कि उन्हें पूरा भरोसा है कि इस बार भी अर्जेंटीना ही विश्व कप जीतेगी। टीवी चैनलों की तस्वीरों में बच्चे और बड़े इस फ्लोट पर चलते, फोटो खिंचवाते और सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं। आयोजकों ने यह भी बताया है कि इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि तेज हवा, भारी बारिश या नदी का जलस्तर बढ़ने पर भी यह न तो डूबेगा और न ही पलटेगा।

काउंटी डेब्यू पर चमके सुथार, यॉर्कशायर के खिलाफ झटके 2 विकेट

एजेंसी ▶▶| स्कारबोरो

भारत के लिए टेस्ट में यादगार पदार्पण करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन वन में वारविकशर की ओर से पदार्पण मैच में यॉर्कशर के खिलाफ पहले दिन 2 विकेट हासिल किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ इस सप्ताह खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में 7 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने सुथार ने यॉर्कशर के खिलाफ 76 रन पर 2 विकेट झटके। यॉर्कशर ने दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 398 रन बनाए थे। इस 23 साल के गेंदबाज ने अपने काउंटी करियर का पहला विकेट यॉर्कशर के

तीसरे क्रम के बल्लेबाज सैम व्हाइटमैन के रूप में लिया। व्हाइटमैन 55 रन बनाकर आउट हुए। सुथार ने दिन के अंतिम लम्हों में सलामी बल्लेबाज विलियम लक्सटन को पगबाधा आउट कर यॉर्कशर को बड़ा झटका दिया। लक्सटन ने 261 गेंदों पर 167 रन की मैराथन पारी खेली।

उनादकट ने 29 रन देकर चटकाए 4 विकेट

इस बीच, भारत के अनुभवी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने भी ससेक्स के लिए अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने ग्लैमरगन के खिलाफ 14.2 ओवर में 29 रन देकर चार विकेट चटकाए। उनादकट की घातक गेंदबाजी की बदौलत ग्लैमरगन की टीम 51.2 ओवर में 155 रन पर सिमट गई। उनादकट ने 2024 में ससेक्स के साथ दो वर्ष का अनुबंध करने के बाद काउंटी टीम के लिए दोबारा खेलना शुरू किया है।

महिला टी20 विश्व कप : इंग्लैंड का शानदार आगाज, श्रीलंका को दी करारी शिकस्त

इंग्लैंड ने बनाया 219 रन का स्कोर, श्रीलंका टीम ढेर

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

सलामी बल्लेबाज डैनी वायट हॉज के नाबाद शतक की मदद से इंग्लैंड ने श्रीलंका को 87 रन से हराकर महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। वायट हॉज ने नाबाद 105 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 1 विकेट पर 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर है।

श्रीलंका के केवल 4 बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे

इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 132 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से केवल 4 बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें नीलशिखा सिल्वा ने सर्वाधिक 39 रन बनाए।

वायट हॉज और एमी जोन्स ने की 135 की साझेदारी

वायट हॉज और एमी जोन्स ने इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। जोन्स को 12 और 48 रन पर जीवनदान मिला और वह 38 गेंद में 53 रन बनाकर आउट हो गईं। लेकिन उनकी और वायट हॉज की 135 रन की साझेदारी टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की तरफ से पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

एडवर्ड्स से आगे निकलीं कप्तान ब्रंट

पिंडली में चोट से उबरकर वापसी करने वाली कप्तान नैट साइवर ब्रंट को 14 रन पर जीवनदान मिला। लेकिन 22 गेंदों पर उनकी नाबाद 46 रन की पारी ने उन्हें पूर्व कप्तान और वर्तमान में इंग्लैंड की कोच शार्लोट एडवर्ड्स से आगे निकलकर टी20 विश्व कप में इंग्लैंड की सर्वोच्च रन स्कोरर बना दिया। साइवर ब्रंट के नाम पर अब 784 रन दर्ज हैं जबकि एडवर्ड्स ने 768 बनाए थे।

रहवासी इलाके से गैस गोदामों को शिफ्ट करने की तैयारी

पटाखा दुकानों पर स्टॉक लिमिट पर सख्ती, एजेंसी संचालकों को नोटिस

गैस एजेंसी संचालक तय संख्या से अधिक सिलेंडर भी एजेंसी पर नहीं रख सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के हलालपुरा पटाखा बाजार, करोंद और निशातपुरा की पटाखा दुकानें शहर की आबादी के लिए मुसीबत बनी हुई हैं। इन्हें शहर से बाहर करने की कवायद पिछले तीन साल से चल रही है, लेकिन जगह को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। इधर शिफ्टिंग को लेकर कोर्ट से स्टे लिया गया है। जिसको देखते हुए वर्तमान में हलालपुरा की थोक दुकानों पर स्टॉक लिमिट तय की जा रही है, जिससे भविष्य में होने वाले हादसों को रोका जा सके। इधर शहरी क्षेत्र में आ रहे छह गैस सिलेंडरों के गोदामों को शहर से बाहर करने का काम भी शुरु कर दिया है।

एक साल पहले गुफा मंदिर स्थित ममता, सारा और एसबी गैस एजेंसी के गैस गोदामों को शहर से बाहर शिफ्ट किया गया था। जबकि अभिषेक, अर्चना, जौहर, प्रदीप, सुनील गैस एजेंसी को भी बाहर करने की तैयारी है। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि शहरी क्षेत्र के सभी गैस गोदामों की एनओसी की जांच की जाएगी। आबादी के आसपास आने वाले गोदामों को बाहर किया जाएगा। अपर कलेक्टर सुमित पांडे का कहना है कि शहरी क्षेत्र में पटाखा दुकान और गैस गोदामों के संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। गैस एजेंसी संचालक तय संख्या से अधिक सिलेंडर भी एजेंसी पर नहीं रख सकेंगे।

नपती करता कर्मी।

स्टॉक लिमिट भी कराएंगे तय

बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय का कहना है कि जब तक पटाखा दुकानों की शिफ्टिंग नहीं की जाती, तब तक यहां की थोक पटाखा दुकानों में पटाखों की स्टॉक लिमिट तय की जाएगी। जिससे हादसा होने पर कम नुकसान हो। एसडीएम ने बताया कि जिन पटाखा दुकानों के पास गोदाम हैं, उन्हें हटाया जाएगा।

पटाखा दुकानों के बाहर लगेगी एमसीबी

हलालपुरा और जमुनिया छीर में गैस गोदामों को लेकर जिला प्रशासन एक बार फिर सख्त हो गया है। सोनी पटाखा सेंटर में हुए अग्निकांड के बाद पटाखा दुकानों की दोबारा से जांच की जाएगी। जिसके आधार पर दुकानों के बाहर बिजली की एमसीबी लगाई जाएगी, जिससे दुकान बंद करते समय यहां से पॉवर कट कर दिया जाएगा। ऐसे में बिजली के शार्ट सर्किट से होने वाले हादसों को रोका जा सकेगा।

पटाखा दुकानों की नपती, कितने एरिया में चल रही दुकान

सोनी पटाखा सेंटर में भीषण आग के बाद शनिवार को बैरागढ़ एसडीएम की टीम ने थोक पटाखा दुकानों की नपती की। जिसमें लाइसेंस के हिसाब से एरिया का मिलान किया गया। एसडीएम ने बताया कि पटाखा कारोबारी कम एरिया की परमिशन लेकर बड़ी जगह में दुकानों का संचालन कर रहे हैं।

यहां के गोदाम भी आबादी में आए

शहर में भारत, इंडेन, एचपी सहित अन्य कंपनियों के एलपीजी गैस सिलेंडर गोदाम भी खतरा बने हुए है। खजूरी स्थित भारत गैस गोदाम भी रहवासी इलाके में है। इसी तरह आरके गैस एजेंसी का न्यू मार्केट में गैस गोदाम है, जिससे खतरा है।

विधायक भगवानदास ने किया लोकार्पण

आरएसएस मार्केट री-डेवलपमेंट शुरु 65 अस्थाई शॉप में शिफ्टिंग की प्रारंभ

विधायक सबनानी और कमिश्नर सिंह ने पौधरोपण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

5 नंबर स्टॉप स्थित आरएसएस मार्केट के री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, शनिवार को शुरू कर दिया। परियोजना के तहत सभी 65 दुकानदारों को अस्थायी दुकानों में शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इन अस्थायी दुकानों का लोकार्पण विधायक भगवानदास सबनानी ने किया। इस अवसर पर हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर गौतम सिंह, दुकानदार और स्थानीय रहवासी भी मौजूद रहे।

दुकानदारों को नई दुकानों की चाबियां सौंपीं

विधायक और कमिश्नर ने दुकानदारों को नई दुकानों की चाबियां सौंपीं, इस दौरान दोनों ने पौधारोपण किया और फीता काटकर अस्थायी बाजार का शुभारंभ किया। कमिश्नर गौतम सिंह ने कहा कि बोर्ड रहवासियों और दुकानदारों की उम्मीदों से बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास कर रहा है।

12:20 बजे गायब हो गई परछाई

भोपाल। राजधानी के अरेरा हिल्स अटलमूर्ति पार्क में नेशनल अवॉर्ड प्राप्त खगोलविज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने जीरो शैडो डे पर वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम के दौरान जैसे ही घड़ी में दोपहर के 12 बजकर 20 मिनट हुए, वैसे ही पार्क में खड़े लोगों की परछाईं गायब हो गई। सारिका ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है।

नर्मदा परिक्रमा के आध्यात्मिक अनुभव और धार्मिक महत्व पर कायस्थम ने आयोजित की चर्चा

नर्मदा परिक्रमा से मिलती है कर्तव्य निर्वहन की सीख

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कायस्थम मध्यप्रदेश द्वारा शनिवार को पुण्य सलिला मां नर्मदा की परिक्रमा से प्राप्त आध्यात्मिक अनुभवों पर आयोजित चर्चा में मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, सेवानिवृत आईएएस ओमप्रकाश श्रीवास्तव एवं उनकी धर्मपत्नी भारती श्रीवास्तव ने मां नर्मदा के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने अनुभव सुनाएं। दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित कायस्थम की इस चर्चा में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, पूर्व आईएएस सुरेश जैन, लोकायुक्त के उप महानिरीक्षक मनोज सिंह सहित चित्रांश बंधु बड़ी संख्या में पहुंचे। ओम प्रकाश

श्रीवास्तव दंपती को अभिनंदन पत्र सौंपते अतिथि।

श्रीवास्तव एवं भारती श्रीवास्तव द्वारा मां नर्मदा की परिक्रमा के आध्यात्मिक अनुभव सुनने के बाद मनोज ने कहा कि नर्मदा नदी भारत के शरीर पर लिपटा हुआ यज्ञोपवित है। उन्होंने कहा कि नर्मदा की परिक्रमा से जो आत्म ज्ञान की प्राप्ति होती है,उसका लाभ सारे समाज को मिलना चाहिए।

दंपती को अभिनंदन पत्र सौंपा

ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि परिक्रमा के दौरान कठिन और जोखिम भरे मार्ग से धैर्यपूर्वक की गई यात्रा अद्भुत एवं उल्लेखनीय रही है। इससे हमें यह सीख मिलती है कि हमें बिना किसी भय एवं स्वार्थ के अपने कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर नर्मदा परिक्रमा करने वाले ओमप्रकाश एवं भारती को मनोज एवं कायस्थम ने अभिनंदन पत्र सौंपा। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने आयोजन एवं गतिविधियों की जानकारी दी।

लाइफ स्टाइल

टीवी मसाला

'लॉकअप सीजन 2' में रितेश और फराह खान बनेंगे क्रूर जेलर...

मुंबई। एकता कपूर का रियलिटी शो 'लॉकअप' अपने दूसरे सीजन के साथ लौट रहा है। करीब 4 साल बाद वापसी करने जा रहा यह शो बेबाक ड्रामा, दिमागी खेल और नए सिस्टम पर आधारित होगा। निर्माताओं की ओर से लगातार शो के प्रोमो जारी हो रहे हैं, लेकिन प्रतियोगियों के नाम अब तक सामने नहीं आए। हालांकि सोशल मीडिया पर 'लॉकअप 2' में आने वाले प्रतियोगी के नामों पर अटकलें जोर-शोर से लगाई जा रही हैं।

इन सितारों का नाम आ रहा सामने : 'लॉकअप 2' में इस बार होस्ट की कमान 2 मशहूर सितारों के हाथों में होगी। हालिया प्रोमो में खुलासा हुआ था कि रितेश देशमुख और फराह खान शो की थीम के अनुसार क्रूर जेलर बनेंगे। दोनों मिलकर प्रतियोगियों को शो में बने रहने के लिए अपनी सच्चाई स्वीकार करने के लिए मजबूर करते दिखेंगे। पिंकविला के मुताबिक, शो में आने वाले प्रतियोगियों में राम, शिवांगी और उर्फी जावेद, उर्वशी ढोलकिया, शिल्पा शिंदे और अर्चना गौतम का नाम चर्चा में है।

इस बार नेटफ्लिक्स पर धाक जमाने आएगा शो : साल 2022 में 'लॉकअप' का पहला सीजन एमएक्स प्लेयर पर आया था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। इस बार निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स को शो का नया ठिकाना बनाया है। यह 27 जून, 2026 से दस्तक देने के लिए तैयार है। हर नए एपिसोड शनिवार से बुधवार तक भारतीय समयानुसार रात 8 बजे रिलीज होंगे। शो में कुल 14 प्रतियोगी शामिल होंगे जिन्हें टीमों में विभाजित किया जाएगा, जिससे वह मुश्किल मानसिक और शारीरिक कार्यों को पूरा कर सकें।

'बिग बॉस सीजन 20' के लिए सितारों से शुरू हुआ संपर्क

मुंबई। लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' अपने 20वें सीजन के साथ लौटने वाला है। इसके लिए निर्माताओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बताया जा रहा है कि आगामी सीजन दोगुना नाटकीय और रोमांचक सफर से भरपूर होगा। पिछले अन्य सीजन की तरह इस सीजन की मेजबानी भी सलमान खान करते हुए नजर आएंगे। चूंकि अभिनेता निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की फिल्म 'एसवीसी 63' में व्यस्त हैं, इसलिए निर्माताओं ने उनके शेड्यूल को ध्यान में रखकर तारीख पर चर्चा की है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, पिछले सीजन की तरह ही 'बिग बॉस' का 20वां सीजन सितंबर महीने में टीवी पर लौटेगा। इसकी प्रीमियर तारीख 21 सितंबर तय करने की योजना बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि सलमान की टीम शो उनके शेड्यूल को व्यवस्थित करने और फिल्म की शूटिंग में कोई देरी न हो, इसके लिए तारीखें तय करने में जुटी हुई है। शो के निर्माता आधिकारिक तौर पर नए सीजन के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

ऐश्वर्या राय बनी जेडब्ल्यू मैरियट की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस और मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपनी अचिवमेंट लिस्ट में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ ली है। बात दें, अब वह दुनिया के टॉप लग्जरी होटल ब्रांड जेडब्ल्यू मैरियट की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं। इस नए कॉलोब्रेशन के साथ ऐश्वर्या इंटरनेशनल लेवल पर ब्रांड का रिप्रेजेंट करती नजर आएंगी और इसके स्पेशल कैंपेन स्टे इन द मोमेंट से जुड़ेंगी।

क्या है स्टे इन द मोमेंट?: जेडब्ल्यू मैरियट, जो मैरियट बॉनवॉय के ग्लोबल पोर्टफोलियो का हिस्सा है, उन्होंने हाल ही में इस कॉलोब्रेशन की अनाउंसमेंट की है। बता दें, ब्रांड का स्टे इन द मोमेंट प्लेटफॉर्म ट्रेवल्स को प्रेजेंट मोमेंट एन्जॉय करने, मेंटल पीस और जर्नी के डेस्टिनेशन तक पहुंचे के बजाय एक यादगार एक्सपीरियंस के तौर पर देखने के लिए इंस्पायर करता है। कंपनी का कहना है कि ऐश्वर्या राय की दुनिया भर में अच्छी पहचान है और उनकी छवि भी काफी मजबूत है। इसके साथ अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों से जुड़ने की उनकी क्षमता उन्हें इस अभियान के लिए एक बेहतरीन चेहरा बनाती है। वहीं अब वह जेडब्ल्यू मैरियट के वैश्विक विज्ञापनों, डिजिटल कैंपेन, प्रिंट प्रमोशन और खास ब्रांड इवेंट्स में नजर आएंगी।

ऐश्वर्या की पॉपुलैरिटी से मिलेगा फायदा : यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है जब जेडब्ल्यू मैरियट अपने कारोबार को दुनिया भर में तेजी से बढ़ा रहा है। भारत भी कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बन चुका है, जहां लग्जरी और खास अनुभवों वाली यात्राओं की मांग लगातार बढ़ रही है। इस बीच कंपनी को उम्मीद है कि ऐश्वर्या की पॉपुलैरिटी और ग्लोबल पहचान ब्रांड को और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद करेगी। बता दें कि ऐश्वर्या राय ने 1994 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्मों, फैशन और कई सोशल इवेंट्स के जरिए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनाई। अब जेडब्ल्यू मैरियट की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनने के साथ उनके करियर में एक और बड़ी अचीवमेंट जुड़ गई है।

'धमाल 4' का ट्रेलर जारी, पुरानी पलटन के कारनामे देख नहीं रुकेगी हंसी...

मुंबई। अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धमाल 4' का ट्रेलर आखिरकार जारी हो गया है। यह 4 गुना ज्यादा धमाचौकड़ी, अराजकता और भ्रम से भरपूर है, जिसने लोगों को अभी से उत्साहित कर दिया है।

फिल्म में अजय अपने किरदार 'गुड्डू' के रूप में लौटे हैं। उनके साथ-साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी की वापसी भी हुई है। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित यह 'धमाल फ्रैंचाइजी' की चौथी किस्त है। इस बार कहानी खजाने के इर्द-गिर्द घूमती है। कॉमेडी और ड्रामे से भरपूर यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।

अनोखा खजाना ढूंढने निकली पूरी पलटन : ट्रेलर पूरी तरह से कॉमेडी, अराजकता और पागलपन से भरपूर है, जो पलकें झपकाने का एक मौका नहीं देगा। इस बार अजय, रितेश, आदि और मानव खजाने की तलाश में निकलते हैं, लेकिन उनके सामने विलेन रवि किशन हैं। दो मछलियों पर पैर रखकर स्टंट करना, शब्बो' के बॉयफ्रेंड से टकराव होना और अजीबोगरीब परिस्थितियों में मानव का अपने-आप आगे आ जाना, ऐसे कई दृश्य हैं जो फिल्म देखने के लिए मजबूर कर देंगे। कुल मिलाकर ट्रेलर जबरदस्त लगता है।

इन कलाकारों ने भी दिखाई कलाबाजी

'धमाल 4' का निर्माण टी-सीरीज फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है। यह हर उम्र के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। रवि भी फ्रैंचाइजी का हिस्सा बन गए हैं और अपने किरदार 'कैप्टन माइकल' के रूप में शानदार लगे हैं। उनके अलावा संजीदा शेख, अंजिल आनंद और उपेंद्र लिमये भी इसका हिस्सा हैं।

गोविंद ने कहा- वो उनकी कल्पना से परे था और उनका भरोसा तोड़ा गया

गोविंद नामदेव ने छोड़ी 'काला हिरण', बोले- मैं सलमान के खिलाफ कभी नहीं जा सकता

मुंबई। सलमान खान के विवाद पर बनी फिल्म 'काला हिरण' को लेकर विवाद जारी है। अब फिल्म के अभिनेता गोविंद नामदेव ने निर्माताओं पर 'धोखा देने' का गंभीर आरोप लगाकर इस विवाद को नया मोड़ दे दिया है। एक हालिया बातचीत में अभिनेता ने दावा किया कि निर्माताओं ने उन्हें पूरी सच्चाई बताए बिना अंधेरे में रखकर शूटिंग कराई और ट्रेलर देखने के बाद उन्हें अहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है।

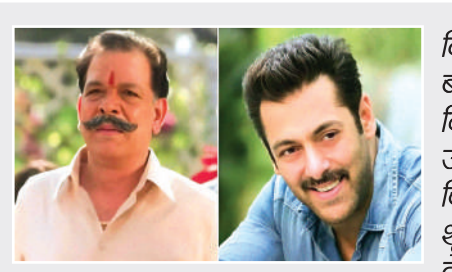

जैसे ही टीजर देखा, मैं हिल गया...

गोविंद ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि निर्माताओं ने उनके साथ धोखाधड़ी की। जब फिल्म का टीजर आया, तब जाकर उन्हें अहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है और उनका इस्तेमाल किया गया है। वो बोले, "जैसे ही मैंने टीजर देखा, मैं हिल गया। तुरंत समझ आ गया कि मुझे जिस काम के लिए शूट कराया गया था, मामला उससे बिल्कुल अलग है। मुझे जो बताया गया और जो बनाया गया, उसमें जमीन-आसमान का फर्क है।

सच पता होता तो पहले ही मना कर देता : गोविंद

गोविंद ने कहा कि वो और सलमान खान एक ही फिल्म इंडस्ट्री से हैं और सलमान उनके अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने साफ किया कि वह कभी भी उनके खिलाफ जाकर कोई काम नहीं कर सकते। गोविंद ने अफसोस जताते हुए कहा कि अगर उन्हें पहले से पता होता कि फिल्म को इस तरह सलमान के खिलाफ या विवादित रूप में पेश किया जाएगा, तो वह इसे तुरंत मना कर देते और कभी इस फिल्म को साइन ही नहीं करते।

मैं बिश्नोई गैंग जैसी अपराधी सोच को आदर्श नहीं मान सकता

गोविंद बोले, मुझसे कहा गया कि आप ये कर दीजिए, दोबारा अदालत का सेट लगाने में बहुत पैसा खर्च होगा। मैंने भरोसा करके काम कर दिया। लगा मदद हो जाएगी, लेकिन अब टीजर देख लग रहा है कि उसी भरोसे का गलत फायदा उठाया गया। महसूस हो रहा है कि मेरे भरोसे के साथ खेल हुआ है। मेरे साथ गलत हुआ है। मैं किसी अपराधी सोच के साथ खड़ा नहीं हो सकता। ना ही बिश्नोई गैंग को आदर्श मान सकता।

फिल्म के नाम पर मेरा भरोसा तोड़ा गया

गोविंद ने कहा कि उनकी कुछ शूटिंग बाकी थी, जिसमें गांव के दृश्य और हिरण से जुड़ी भावनात्मक कहानी दिखानी थी, लेकिन उनके साथ धोखा हुआ है। इसी वजह से उन्होंने फिल्म से अलग होने का फैसला कर लिया है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्होंने निर्माताओं से बात नहीं की थी, लेकिन अब वो उनसे सीधे जवाब मांगेंगे। उनके अनुसार, जिस तरह उन्हें स्थिति में डाला गया, वो उनकी कल्पना से परे था और उनका भरोसा तोड़ा गया है।

पहले सुनाई भगवान कल्कि की कहानी, फिर बना दी 'काला हिरण'

गोविंद ने बताया कि निर्माताओं ने पहले उन्हें 'संभल' नाम की फिल्म बताकर शूटिंग पर बुलाया, जिसकी कहानी भगवान कल्कि और धार्मिक इतिहास पर आधारित थी। बाद में पासा पलटते हुए कहा कि वे 'काला हिरण' नाम की फिल्म भी बना रहे हैं, जिसमें केवल सलमान के कोर्ट केस की असली कानूनी कार्रवाई दिखाई जाएगी। कोर्ट रिकॉर्ड में दर्ज बातों को सच मानकर गोविंद ने फिल्म के लिए हां कह दी, लेकिन बाद में कहानी पूरी तरह बदल दी गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930